रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:54 | बुधवार,29 अक्टूबर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

आज राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरेंगी राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली : तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को भारतीय वायु सेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में उड़ान भरेंगी। राष्ट्रपति इससे पहले वायु सेना के सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में भी उड़ान भर चुकी हैं। राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रपति बुधवार को हरियाणा जाएंगी और वहां अंबाला वायु सेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दो वर्ष पहले 8 अप्रैल 2023 को वायु सेना के तेजपुर हवाई बेस से सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी। राफेल भारतीय वायु सेना का प्रमुख लड़ाकू विमान है और इसने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विभिन्न अभियानों मेंमहत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आज बिहार का दौरा करेंगे राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली :कांग्रेस केपूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 29 अक्टूबर को बिहार के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राजद के नेतातेजस्वी यादव के साथ दो संयुक्त जनसभाओं को संबोधित करेंगे। कांग्रेस के अनुसार, राहुल गांधी बुधवार दोपहर 12:30 बजे मुजफ्फरपुर के सकरा विधानसभा क्षेत्र में सदपुरा बुजुर्ग के श्रीकृष्ण राय यादव मैदान में पहली जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर 2:15 बजे वह दरभंगा के लोम खेल मैदान में दूसरी जनसभा को संबोधित करेंगे।

राजद ने अपने 27 नेताओं को पार्टी से किया निष्कासित

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की प्रक्रिया के बीच राजद ने 27 नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इन नेताओं पर पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव प्रचार में शामिल होने का आरोप है। 27 अक्टूबर को देर शाम राजद ने एक पत्र जारी किया है, जिसके अनुसार, राजद ने 27 नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। निष्कासित नेताओं में कई पूर्व विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल हैं। परसा से मौजूदा विधायक छोटे लाल राय को भीनिष्कासित किया गया है। पये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। शराबबंदी कानून की समीक्षा भी की जाएगी। कहा गया है कि सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का अधिनियम लाया जाएगा।

आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ व झारखंड में है साइकलोन मोंथा का प्रभाव

भीषण तूफान में बदला मोंथा चक्रवात

नई दिल्ली: प्रचंड चक्रवाती तूफान मोंथा आंध्र प्रदेश के तट से टकरा गया है। यह पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार कर गया।जिसकी गति 110 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसलिए तमिलनाडु के दो ज़िलों चेन्नई और तिरुवल्लूर में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है।मौसम विभाग ने अपडेट में कहा है कि तूफान मोंथा के कारण आंध्रप्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़,तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कुछ अन्य राज्यों में भारी से

बहुत भारी बारिश होने की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने बताया है कि मोंथा चक्रवात अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान मेंतबदील हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, मौंथा चक्रवात जिस स्थान पर तट को पार करेगा, वह तमिलनाडु के पास है, इसलिए यह घोषणा की गई है कि न केवल आंध्र प्रदेश, बल्कि तमिलनाडु में भी भारी बारिश होगी। हालांकि, सोमवार की रात से ही तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और समेत राज्य के अन्य जिलों में भारी बारिश हो रही है। मोंथा का प्रभाव से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, छ?ीसगढ़, और झारखंड जैसेराज्यों में भी देखा जा रहा है।

झारखण्ड सरकार अलर्ट, सभी जिलों को तैयारी हेतु दिया गया निर्देश

रांची : राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे मोंथा चक्रवात को देखते हुए झारखण्ड के सभी जिलों के उपायुक्तों को सतर्कता एवं आवश्यक तैयारी के निर्देश जारी किए हैं। मंत्री डॉ. अंसारी ने कहा कि मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार यह चक्रवात एक गंभीर ट्रॉपिकल तूफान के रूप में विकसित हो सकता है, जिसके प्रभाव से झारखण्ड के दक्षिणी एवं मध्य हिस्सों में तेज हवाएँ, भारी वर्षा एवं बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना जताई गई है।उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि स्थिति से निपटने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए जाएँ।मंत्री द्वारा दिए गए प्रमुख निदेर्श:जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की आपात बैठक आयोजित कर सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड में रखा जाए।

महागठबंधन ने जारी किया 'बिहार का तेजस्वी प्रण'

हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, भूमिहीन को जमीन का वादा

मैनिफेस्टो में वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने का भी किया गया है वादा

एजेंसी

तेजस्वी बोले- बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार से मुक्त करेंगे बिहार को

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महागठबंधन ने मंगलवार को अपना साझा घोषणा पत्र जारी कर दिया। इसका नाम रखा गया है 'बिहार का तेजस्वी प्रण'। इस घोषणा पत्र में युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सम्मान और आम लोगों को राहत देने वाले कई वादे किए गए हैं। महागठबंधन ने दावा किया है कि यह घोषणा पत्र सिर्फ चुनावी वादों का पुलिंदा नहीं, बल्कि बिहार के पुनर्निर्माण की रूपरेखा है। घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर मंच पर राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस के पवन खेड़ा, वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी, वाम दलों के प्रतिनिधि और अन्य सहयोगी दलों के नेता मौजूद थे। तेजस्वी यादव ने कहा यह सिर्फ हमारा घोषणापत्र नहीं, यह बिहार की जनता का प्रण है। हम इस राज्य को बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार से मुक्त करेंगे। पवन खेड़ा ने कहा कि घोषणापत्र से स्पष्ट है कि कौन बिहार के लिए गंभीर है। कौन दिन-रात सोच रहा है। सरकार बनने के पहले दिन से क्या-क्या करना है। 20 वर्षों में जो बिहार पीछे चला गया है। उन्होंने कहा कि मैनिफेस्टो कमेटी भी बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि इस मैनिफेस्टो को पावन दिन में जारीकिया गया है। मैनिफेस्टो में वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने की बात कही गई है। गरीबों को पांच सौ रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। शराबबंदी कानून की समीक्षा भी की जाएगी। कहा गया है कि सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का अधिनियम लाया जाएगा।

सारंडा जंगल में पत्ता चुनने गई 10 साल की बच्ची की आईईडी विस्फोट से मौत

एजेंसी

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराईकेला थाना क्षेत्र के सारंडा जंगल में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना घटी। सियाल पत्ता चुनने गई 10 वर्षीय बच्ची नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी विस्फोटक की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, दीघा गांव निवासी जय मासी हेरेंज की बेटी सिरिया हेरेंज (10 वर्ष) मंगलवार सुबह करीब 9 बजे जंगल में सियाल पत्ता चुनने गई थी। इस दौरान वह अनजाने में नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए आईईडी विस्फोटक के संपर्क में आ गई। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई और उसके पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जराईकेला थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और बच्ची के शव को जंगल से बरामद करने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों द्वारा इस तरह की कायराना हरकत की गई है, जिससे ग्रामीणों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे इलाके में सुरक्षाबलों को अलर्ट कर दिया गया है। घटनास्थल की गहन जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, इलाके में नक्सली सक्रिय हैं और अक्सर सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए जंगल में आईईडी लगाते हैं। लेकिन इस बार उनकी विस्फोटक रणनीति का शिकार एक मासूम बच्ची हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने घटना पर गहरा आक्रोश जताया है। लोगों का कहना है कि नक्सलियों की हिंसक गतिविधियों से आम नागरिकों की जिंदगी लगातार खतरे में है। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिएइलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जाए और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए गुड न्यूज

केंद्र ने आठवें वेतन आयोग के गठन को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने मंगलवार को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी। यह आयोग अपने गठन की तिथि से 18 महीनों के भीतर अपनी सिफारिशें देगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि 8वां वेतन आयोग एक अस्थायी निकाय होगा। आयोग में एक अध्यक्ष, एक सदस्य (अंशकालिक) और एक सदस्य- सचिव शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि यह आयोग अपने गठन की तिथि से 18 महीनों के भीतर अपनीसिफारिशें देगा।सरकार ने जनवरी में केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और अन्य लाभों में बदलावों की जांच और सिफारिश करने के लिए 8वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई (सेवानिवृत्त) आयोग की अध्यक्ष होंगी। प्रोफेसर पुलक घोष सदस्य होंगे और पंकज जैन आयोग के सदस्य-सचिव होंगे। वेतन आयोगों का गठन समय-समय पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों के पारिश्रमिक ढांचे, सेवानिवृत्ति लाभों और अन्य सेवा शर्तों के विभिन्न मुद्दों पर विचार करने और उनमें आवश्यक बदलावों पर सिफारिशें करने के लिए किया जाता है। आमतौर पर वेतन आयोग की सिफारिशें हर 10 साल के अंतराल पर लागू की जाती हैं। इसके अनुसार 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें अगले साल से अपेक्षित हैं।

सीएम हेमंत सोरेन से राज्यपाल ने की सौजन्य मुलाकात

संवादाता

रांची : राज्यपाल संतोषकुमार गंगवार कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंच कर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपनेपुत्र के विवाह उपरांत आयोजित आशीर्वाद समारोह में सम्मिलित होने हेतु मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को सपरिवार सादर आमंत्रित किया।

न्यूज स्टडी

7 फरवरी 2026 तक अंतिम मतदाता सूची जारी करेगा चुनाव आयोग

बिहार के बाद अब 12 राज्यों में वोटर लिस्ट का एसआईआर शुरू

एजेंसी

बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले हुए वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एफआईआर) के बाद अब चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस प्रक्रिया को शुरू करने का फैसला किया है। मंगलवार से यह प्रक्रिया शुरू हो गई। 7 फरवरी 2026 तक चुनाव आयोग की ओर से इन राज्यों के लिए अंतिम रूप से मतदाता सूची जारी की जाएगी। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में प्रक्रिया शुरू की गई है। इन राज्यों की कुल आबादी 51 करोड़ है। गौरतलब है कि सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दिल्ली के विज्ञान भवन में पत्रकार वार्ता कर जानकारी दी थी। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि कानून के तहत जरूरत पड़ने और चुनावों से पूर्व चुनाव आयोग मतदाता सूची को अपडेट कर सकता है। राजनीतिक दल भी मतदाता सूची को लेकर अलग-अलग तरह से मुद्दे उठाते रहते हैं।नवंबर तक प्रिटिंग और प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूरी कर लेगा। एक महीने तक मौसूदा सूची से जुड़े दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद 9 जनवरी से एक महीने तक दावे सुने जाएंगे और जांच होगी। सात फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद पूरी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, देश में मतदाता बनने के लिए भारत का नागरिक होना, 18 साल से अधिक आयु का होना, किसी क्षेत्र का सामान्य रिहायशी होना और किसी अन्य कानून के तहत अयोग्य न घोषित व्यक्ति ही मतदाता बनने केलायक होता है। ने बताया कि इतने सालों में मतदाता सूची में काफी बदलाव आए हैं। लोगों ने बहुत बड़ी संख्या में पलायन किया है।

9 जनवरी 2026 से सुने जाएंगे दावे

नवंबर तक प्रिटिंग और प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूरी कर लेगा। एक महीने तक मौसूदा सूची से जुड़े दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद 9 जनवरी से एक महीने तक दावे सुने जाएंगे और जांच होगी। सात फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद पूरी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, देश में मतदाता बनने के लिए भारत का नागरिक होना, 18 साल से अधिक आयु का होना, किसी क्षेत्र का सामान्य रिहायशी होना और किसी अन्य कानून के तहत अयोग्य न घोषित व्यक्ति ही मतदाता बनने केलायक होता है।

जाम, लाठीचार्ज, बंद, घाटशिला में और तेज सियासी जंग

संवादाता

रांची : चाईबासा में सोमवार की रात को नो-एंट्री को लेकर आंदोलन हिंसक हो गया। सोमबार को तांबो चौक पर पुलिस और ग्रामीणों के बीच जबरदस्त झड़प हुई। प्रदर्शनकारी ग्रामीण लंबे समय से एनएच-220 और चाईबासा बाईपास पर दिन के समय भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन वाहनों की तेज रफ्तार से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। सोमवार को सैकड़ों ग्रामीण परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के आवास का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें तांबो चौक पर ही रोक दिया। इसके बाद भीड़ ने वहीं धरना शुरू कर दिया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी करने लगी। ग्रामीणों ने तांबो चौक पर ही शाम तक धरना जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने वहीं खाना बनाया, नृत्य-गान किया और प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। जैसे-जैसे रात बढ़ती गई, भीड़ का जोश और बढ़ता गया। देर रात पुलिस ने जब आंदोलनकारियों को हटाने की कोशिश की, तो स्थिति बिगड़ गई। नाराज ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। इस बीच सदर एसडीपीओ की स्कॉर्पियो भी क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर भगदड़ मच गई। कई लोगों को हल्की चोटें आईं। झड़प के कारण कुछ घंटों तक मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप रही। देर रात पुलिस ने हालात पर काबू पाया और सड़क खाली कराई। स्थिति अब नियंत्रण में है। उधर, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक दिन के समय भारी वाहनों की एंट्री पूरी तरह बंद नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सड़क सुरक्षा और आम लोगों की जान बचाने के लिए है। बरहाल बीजेपी इस मौके को जनता से जोड़कर और सरकार की नाकामी को उजागर कर भुनाने में जुटी है ।

झारखंड में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व संपन्न

अपनी परंपरा और पूजा पद्धति के लिए आगे आएं युवा : कृष्णा

रांची, कांके रोड़ मिसिर गोन्दा में बारह पड़हा जतरा कार्यक्रम हर्ष और उल्लास के साथ मंगलवार की तड़के सुबह संपन्न हुई।

इस अवसर पर बारह पड़हा जतरा समिति के अध्यक्ष कृष्णा उरांव ने कहा कि आदिवासी युवाओं को अपनी परंपरा पूजा पद्धति, संस्कृति और सभ्यता को बचाने की दिशा में आगे आना होगा।

उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी युवाओं को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि पुरखों ने जिस धरोहर को हमें विरासत में दी है। उसे बचाने की जरूरत है। इसके पूर्व जतरा में मिसिर गोन्दा मौजा के पहान बिरसा पाहन और कोटवार लक्ष्मण नायक ने जतरा देव खूंटा एवं सरना अखड़ा स्थल में पूजाकर समाज की सु:ख समृधि की कामना की।

मौके पर पाहन बिरसा पाहन ने जतरा देव खूंटा में बारह मुर्गाझमुर्गी का बलि दी और मौजा के अखड़ा में एक रंगवा मुर्गा देकर गांव की सु:ख शांति समृद्धि और बारह पड़हा मौजा के गांवइटोली में खुशहाली लाने की कामना की।

मौके पर गांव के महतो राजा, जीतू लकड़ा काठ के घोड़े में सवार होकर चलफा दल और कलशा दल के साथ पारंपरिक वेश भूषा एवं पारंपरिक वाद्ययंत्र ढोल नगाड़ों के साथ सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जतरा में जयपुर से पाहन पिंकल गाड़ी के नेतृत्व में चलफा, कटहर गोन्दा से लछु पाहन के नेतृत्व में कड़सा, कांगे से नरेश पाहन के नेतृत्व में खोड़ा, भिठ्ठा से सोनू पाहन के नेतृत्व में परछा झंडा, टिकली टोला, चौड़ी टोला से मुन्नी खलखो के नेतृत्व में, चन्दवे से सुजय पाहन के नेतृत्व में भाला पारम्परिक प्रतीक चिन्ह के साथ 12 गांवों के खोड़ा मंडली जतरा में शामिल हुए।

झारखंड के चार जिलों में 30 को भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट

रांची, बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान के चलते झारखंड के विभिन्न जिलों में बारिश होने की आशंका है।

शुक्रवार को राज्य के चार जिलों के कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यह जानकारी मौसम विभाग की ओर से मंगलवार को दी गई है।

विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में बहुत भारी बारिश होने की आशंका है उनमें उत्तर पश्चिम जिले पलामू गढ़वा लातेहार और चतरा शामिल हैं।

वहीं बुधवार को राज्य के दक्षिणी पश्चिमी जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका है।

इसके अलावा शुक्रवार को राज्य के उत्तर पूर्वी जिले देवघर, दुमका, गिरिडीह, कोडरमा, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड में सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 35.4 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 18.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस दौरान सिमडेगा में 0.5 मिमी बारिश रिकार्ड की गई।

मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे। इससे तापमान में कमी दर्ज की गई और हल्की ठंड का एहसास हुआ। रांची में अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री, जमशेदपुर में 32.1, डालटेनगंज में 32.7, बोकारो में 31.5 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

सड़क दुर्घटना और प्रशासनिक दमन के विरोध में भाजपा ने किया प्रदर्शन

रांची, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं से परेशान विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से शहर में ह्लनो एंट्रीह्व के समय नियमों के कड़ाई से पालन की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा रहा था। लेकिन इस प्रदर्शन पर पुलिस की ओर से लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे गए।

इस घटना के विरोध में भाजपा रांची महानगर ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्री दीपक बिरुवा का पुतला जलाकर सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि प्रशासनिक अत्याचार में कई निर्दोष लोग घायल हुए हैं और कुछ प्रदर्शनकारी अब तक लापता हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इस लड़ाई को जनता के साथ मिलकर पूरी ताकत से लड़ेगी। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि यदि दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो पार्टी राज्यभर में आंदोलन छेड़ेगी। साहू ने कहा, ह्लहम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, लेकिन सरकार की तानाशाही मानसिकता को हर स्तर पर जवाब दिया जाएगा। साहू ने कहा ह्लभाजपा जनता के साथ खड़ी है, तानाशाही नहीं चलेगी। भाजपा युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह ने कहा कि मौजूदा सरकार जनता के मुद्दों से पूरी तरह दूर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और उगाही में लगी हुई है, इसी कारण नो एंट्री नियम को सख्ती से लागू नहीं करना चाहती सिंह ने कहा कि जब जनता ने संगठित होकर इस लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाई, तो सरकार ने आंदोलन को दबाने के लिए पुलिसिया बर्बरता का सहारा लिया। इस विरोध प्रदर्शन में केके गुप्ता, बलराम सिंह, राजू सिंह, रंजीत नाथ सहदेव, इंद्रजीत यादव, पीयूष विजयवर्गीय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

पलाश कार्यक्रम से बच्चों में जनजातीय भाषा सीखने की बढ़ी रुचि

रांची, झारखंड की कक्षाओं में अब बच्चों की मातृभाषा की मधुर ध्वनियां गूंज रही हैं। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एलएलएफ) की ओर से झारखंड सरकार के सहयोग से वर्ष 2024 में शुरू किया गया पलाश बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम राज्य में समावेशी शिक्षा की मिसाल बन गया है। 2025 में रांची से शुरू हुई इस पहल ने आठ जनजातीय-बहुल जिलों में प्रारंभिक शिक्षा को सशक्त किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की घर की भाषाओं को कक्षा शिक्षण में शामिल कर सीखने के परिणामों और सांस्कृतिक पहचान की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम दो स्तरों पर चलता है इसमें चार जिलों में एलएलएफ का प्रत्यक्ष सहयोग और चार जिलों में शिक्षकों, क्लस्टर और ब्लॉक रिसोर्स पर्सन की क्षमता निर्माण पर फोकस किया जाता है। पिछले एक वर्ष में एक हजार से अधिक शिक्षकों और 400 रिसोर्स पर्सन को प्रशिक्षित किया गया है। संथाली, हो, मुंडारी, कुड़ुख और खड़िया भाषाओं में द्विभाषी पाठ्य-पुस्तकें और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक सामग्री तैयार की गई।

एलएलएफ की राज्य प्रबंधक पल्लवी शाह के अनुसार, स्थानीय भाषाओं में शिक्षा से बच्चों और शिक्षकों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। अब समुदाय स्वयं स्कूल गतिविधियों में भागीदारी कर रहे हैं। नतीजतन पहले ही वर्ष में कक्षा एक से दो के 22,600 से अधिक बच्चों तक पहुंच बनाई है। जिनमें 84 प्रतिशत ने आवधिक आकलन में भाग लिया है। इनमें से 76 प्रतिशत ने मौखिक दक्षता में प्रदर्शित किया। 46 प्रतिशत बच्चों ने पढ़ने-लिखने के कुशल अभ्यास में और 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। बच्चों के शिक्षण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में पांचवें दिन श्रद्धाभाव से निकली प्रभात फेरी

रांची,

श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा की पांचवें दिन प्रभात फेरी निकाली गई।

'बाबा नानक तेरी जय होवे' के जयघोष के साथ प्रभातफेरी तड़के सुबह गुरुद्वारा साहिब के दर्शन दिउड़ी गेट से निकलकर दर्शन दिउड़ी गेट वापस पहुंच कर समाप्त हुई।

प्रभात फेरी में सत्संग सभा की कीर्तन मंडली के सुंदर दास मिढ़ा, जसपाल मुंजाल, इंदर मिढा, रमेश पपनेजा,बबली दुआ,गीता कटारिया,शीतल मुंजाल,इंदु पपनेजा,नीता मिढ़ा ,रेशमा गिरधर,मनजीत कौर,बबीता पपनेजा ने नानक नाम जहाज है चढ़े सो उतरे पार.. और ₹सबीना का मां प्यो आप है आपके साथ करे.. और ₹ चलो चल रल मिल दर्शन करिये सतगुरु नानक आये ने.. शबद गायन कर साथ संगत को गुरवाणी से जोड़ा। सभी श्रद्धालुओं ने जगह-जगह प्रभात फेरी पर पुष्प वर्षा और आतिशबाजी के साथ स्वागत किया। सरदार छोटू सिंह ने निशान साहब उठाकर प्रभात फेरी की अगुवाई की और मनीष मिढ़ा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने वाहेगुरु से अरदास की। प्रभात फेरी के समापन पर सत्संग सभा द्वारा श्रद्धालुओं के बीच चाय नाश्ते का लंगर चलाया गया। प्रभात फेरी में अर्जुन दास मिढ़ा,अशोक गेरा, मोहन काठपाल,जीवन मिढ़ा,महेंद्र अरोड़ा, आशु मिढ्ढा,नवीन मिढा,रमेश तेहरी,रमेश गिरधर,राजेन्द्र मक्कड़,हरीश तेहरी,भरत गाबा,पंकज मिढ़ा,बसंत काठपाल,हरविंदर सिंह सहित अन्य शामिल थे। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि प्रकाश पर्व को लेकर गुरु नानक सत्संग सभा,गुरु नानक सेवक जत्था,स्त्री सत्संग सभा और माता गुजरी जत्था के सदस्यों ने गुरुद्वारा साहिब की साफ सफाई की सेवा सोमवार से शुरू हो चुकी है। यह सेवा अभी तीन दिनों तक चलेगी और इस साफ सफाई में की नन्हे मुन्ने श्रद्धालुओं की श्रद्धा भक्ति को देखकर गुरु घर के प्रति उनका अटूट लगाव साफ झलकता है।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री ने दवा माफियाओं को दी सख्त चेतावनी

-जीवन और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी-डॉ. इरफान अंसारी

रांची, झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मंगलवार को नकली और एक्सपायरी दवाइयों का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। उन्होंने अस्पतालों और दवा दुकानदारों को भी सख्त हिदायत की है। स्वास्थ्य मंत्री ने मंगलवार को कहा कि किसी भी अस्पताल या दवा दुकान में नकली और एक्सपायरी दवाइयां या कोडीनयुक्त कफ सिरप पाई गई, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, मंगलवार को रांची और उसके आसपास के इलाकों में कई दवा माफियाओं ने नकली दवाइयों और कफ सिरप को भूमिगत रूप से फेंककर छिपाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने जब इस संदिग्ध गतिविधि को देखा, तो तत्काल स्वास्थ्य मंत्री को सूचित किया। मंत्री ने तुरंत त्वरित कार्रवाई का निर्देश देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को मौके पर भेजने और जांच प्रारंभ करने का आदेश दिया। डॉ. अंसारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से फेंके गये कफ सिरप की कंपनी,फेंकनेवालों और इसकी बाजार में आपूर्ति करनेवालों के बारे पता लगाने का निर्देश दिया है,ताकि आरोपितों की पहचान कर उनपर कड़ी कार्रवाई की जी सके। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी दवा दुकानदारों को आगाह करते हुए कहा कि यदि किसी दुकान में नकली या नशे की कफ सिरप पाई गई तो संबंधित दुकान तुरंत सील की जाएगी और संचालक को जेल भेजा जाएगा।

खेलने-कूदने के दिन में कार्तिक ने किया छठ महापर्व

रांची,

खेलने-कूदने की उम्र में धुर्वा के सेक्टर-4 निवासी कार्तिक (12) ने नेम और निष्ठा का महापर्व छठ को सफलतापूर्वक किया। पांचवीं कक्षा का छात्र कार्तिक ने खरना किया और 36 घंटे के कठिन निर्जला उपवास किया। मंगलवार को उगते भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और पारण किया। कार्तिक ने इस वर्ष नवरात्र भी किया था और मां दुर्गा की नौ दिनों तक विधि-विधान से पूजा अर्चना की थी। उसके पिता पुलिसकर्मी हैं।

झारखंड चैम्बर की उप समितियों की संयुक्त बैठक संपन्न, सौंपे गए प्रशस्ति पत्र

रांची। झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स की नवनिर्मित उप समितियों की संयुक्त बैठक आज चैम्बर भवन में संपन्न हुई. बैठक में चैम्बर के पदाधिकारियों ने सभी उप समितियों के चेयरमैन को उनके विभाग से संबंधित प्रशस्ति पत्र सौंपे और उन्हें आगामी वर्ष के कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं. बैठक में व्यापारिक, औद्योगिक और जनहित के मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई. उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बांगड़ ने संयुक्त रूप से कहा कि चैम्बर का समस्त कार्य उप समितियों के माध्यम से संपादित होता है. उप समिति द्वारा किए जाने वाले हर कार्य में चैम्बर और उसके पदाधिकारी कंधे से कंधा मिलाकर साथ देंगे. सभी उप समिति चेयरमैनों ने उत्साहपूर्वक अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया. बैठक में चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया एवं राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्य डॉ अभिषेक रामाधीन, मुकेश अग्रवाल, तथा उप समिति चेयरमैन आनंद कोठारी, अमित अग्रवाल, देवेश अजमानी, निहित गरोडिया, पूनम आनंद, रमेश साहू, निधि झुनझुनवाला, विकास सिन्हा, अविराज आदि थे।

176 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ

रांची, श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 176 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया साधु संत के तुम रखवारे असुर निकन्दन राम दुलारे के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया एवं मंत्री विष्णु चौधरी ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। रोहित अग्रवाल ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया । रोहित अग्रवाल ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपाध्यक्ष अशोक लड़िया निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया मंत्री विष्णु चौधरी प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल हर्ष कृष्णा कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

शनिवार 01 नवंबर को श्याम जन्मोत्सव

श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में 1 नवंबर को श्री श्याम जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। खाटूनरेश का अनुपम दिव्य विशेष श्रृंगार नवीन पोशाक सात समय आरती अखंड ज्योति संगीतमय भजन संकीर्तन छप्पन भोग का विशेष महाप्रसाद पंचमेवा भोग प्रसाद फल प्रसाद केसरिया रबड़ी टॉफी आदि अन्य विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। कोलकाता के सुमित धाचोलिया एवं माही गर्ग अपने भजनों से भक्तों को रिझाएंगे । इस दिन संपूर्ण दिवस मंदिर परिसर भक्तों के लिए दर्शनार्थ हेतु खुले रहेंगे। एकादशी का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ होगा। श्रीमती तारा देवी कटारूका रात्रि 9:30 बजे अपने परिवार के साथ बाबा श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगी । इसके बाद अन्य सभी सेवाएं यथा समय की निवेदित की जाएगी।

जिला प्रशासन, रांची द्वारा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए की गईं व्यापक तैयारियाँ

उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, मंजूनाथ भजंत्री ने भगवान भास्कर को अर्पित किया अर्घ्य, जिलेवासियों के सुख-समृद्धि एवं शांति की मंगलकामना

- उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न
- उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजंत्री ने भगवान भास्कर को अर्पित किया अर्घ्य, जिलेवासियों के सुख-समृद्धि एवं शांति की मंगलकामना
- जिला प्रशासन, रांची द्वारा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए की गईं व्यापक तैयारियाँ
- जिला प्रशासन ने महापर्व के सफल आयोजन के लिए सभी छठ पूजा समितियों, सर्वधर्म केंद्रीय शांति समिति, मीडिया बंधुओं, स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों का किया आभार व्यक्त
- छठ पूजा के सफल आयोजन में केंद्रीय शांति समिति की भूमिका सराहनीय — जिला प्रशासन
- शांति, सौहार्द और सहयोग का उदाहरण बनी केंद्रीय शांति समिति
- छठ महापर्व हमारी संस्कृति, अनुशासन और सामूहिक एकजुटता का प्रतीक- उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजंत्री
- विधि व्यवस्था एवं सेवा में लगे पदाधिकारियों/कर्मियों की सराहना

संवाददाता । रांची

रांचीःलोक आस्था का महापर्व छठ आज उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रांची जिले के सभी छठ घाटों पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जिला प्रशासन, रांची द्वारा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई थीं।

उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजंत्री ने दिया अर्घ्य, जिलेवासियों के लिए की मंगलकामना

उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजंत्री द्वारा महापर्व में धर्मपत्नी संग हटनिया तालाब छठ घाट पर संध्याकालीन एवं प्रातःकालीन अर्घ्य अर्पित किया गया, उन्होंने समस्त जिलेवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी संस्कृति, अनुशासन और सामूहिक एकजुटता का प्रतीक है।

जिला प्रशासन द्वारा छठ घाटों पर की गई व्यापक व्यवस्था छठ महापर्व को लेकर जिला प्रशासन द्वारा घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए कई स्तरों पर व्यवस्थाएँ की गईं :-सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था ड्टजिले के सभी छठ घाटों पर पर्याप्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की तैनाती की गई।ड्टमहिला पुलिस बल की विशेष तैनाती व्रती महिलाओं की सुरक्षा हेतु की गई। संवेदनशील घाटों पर ड्रोन कैमरा एवं निगरानी की व्यवस्था की गई।

आपात स्थिति से निपटने हेतु कंट्रोल रूम और रेस्क्यू टीम की तैनाती की गई।

चिकित्सा एवं आपात सेवाएँ

स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रत्येक प्रमुख घाट पर एंबुलेंस और मेडिकल टीम की तैनाती की गई। ड्टप्राथमिक उपचार हेतु फर्स्ट एड काउंटर बनाए गए।

ड्टविशेष रूप से महिला और वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा सहायता केंद्र स्थापित किए गए। प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था ड्टघाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई ताकि शाम और प्रातः कालीन अर्घ्य के समय श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। ड्टपेयजल की उपलब्धता के लिए अस्थायी टैंकर एवं पाइप लाइन कनेक्शन लगाए गए। ड्टबिजली विभाग और नगर निगम की टीमों ने लगातार निगरानी रखी ताकि कोई तकनीकी बाधा न आए। ट्रैफिक एवं पार्किंग व्यवस्था ड्टपर्व के दौरान सड़कों पर प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन योजना लागू की गई। ड्टप्रमुख मार्गों पर वन-वे ट्रैफिक सिस्टम और नो-पार्किंग जोन बनाए गए।

श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए अस्थायी पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की गई।

नियंत्रण कक्ष एवं निगरानी दल

ड्टजिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर सभी घाटों से निरंतर संपर्क बनाए रखा गया।ड्टउपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक स्वयं विभिन्न घाटों का निरीक्षण करते रहे।ड्टप्रखंड एवं नगर स्तर पर मॉनिटरिंग टीम गठित की गई जिसने सभी व्यवस्थाओं पर निगरानी रखी।

नकली कफ सिरप के खिलाफ स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का सख्त एक्शन — मचा हड़कंप!

जीवन और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं

संवाददाता । रांची

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने नकली और एक्सपायरी दवाइयों के खिलाफ बड़ा अभियान छेड़ दिया है।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि ल्किसी भी हॉस्पिटल या मेडिकल दुकान में नकली दवाइयां, एक्सपायरी दवाइयां या कोडीनयुक्त कफ सिरप पाई गई, तो उनका जीना दुश्वार कर दूंगा। दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

आज रांची और आसपास के इलाकों में कई दवा माफियाओं ने नकली दवाइयों और कफ सिरप को भूमिगत रूप से फेंककर छिपाने की कोशिश की।

स्थानीय लोगों ने जब इस संदिग्ध गतिविधि को देखा, तो तत्काल स्वास्थ्य मंत्री को सूचित किया।

मंत्री ने तुरंत त्वरित कार्रवाई का निर्देश देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को मौके पर भेजने और जांच प्रारंभ करने का आदेश दिया।डॉ. अंसारी ने कहा कि यह पता लगाया जाए कि यह कफ सिरप किस कंपनी की है, किसने इसे यहां फेंका, और यह बाजार में कैसे पहुंची। दोषियों की पहचान कर उन्हें सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

राज्य में नकली दवाओं और नशे के रूप में उपयोग हो रही कफ सिरप की बिक्री पर मंत्री ने सभी मेडिकल दुकानदारों को आगाह करते हुए कहा कि ल्अगर किसी दुकान में नकली या नशे की कफ सिरप पाई गई, तो दुकान तुरंत सील की जाएगी और संचालक को जेल भेजा जाएगा।डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट कहा कि यह सिर्फ कानून का मामला नहीं बल्कि जनता की सेहत से जुड़ा गंभीर अपराध है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रजरप्पा में छठ पूजा के दौरान पेट्रोल पंप मैनेजर के घर से चोरों ने बनाया निशाना, लाखों के जेवर और नगदी चोरी

संवाददाता । रांची

रांचीःआज दिनांक-26/10/2025 को जमिअतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड के विंग मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी रांची का सम्मान समारोह मदीना मस्जिद चौक (भटटी चौक) साउथ स्ट्रीट हिंदपिढ़ी रांची में संपन्न हुई। ईस सममान समारोह की अध्यक्षता जनाब मास्टर सिद्दीक अंसारी अमीर सरपरसत कमिटी एवं संचालन जनाब शकील अंसारी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत तिलावत ए कुरान से जनाब हाफिज माज साहब ने किया।ईस दस्तार बंदी मे निम्नलिखित विंगों पदाधिकारियों और मरकजी से जुड़े प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। सरपरसत कमिटी

1- मास्टर सिद्दीकअंसारी (अमीर)

2- अली अंसारी

3- मो मुजम्मिल अंसारी

4- शकील अंसारी

केन्द्रीय एड हाक कमिटी

सदर- हाजी मो मजहर, डोरंडा

नायब सदर- मो जबीउललाह , रांची

महासचिव- मो शमीम अख्तर, डोरंडा

सचिव- शोएब अंसारी, रेसालदार नगर

सचिव- मो फिरोज अख्तर , पुरानी रांची

बहुत ही जल्द केन्द्रीय एड हाक कमिटी की विस्तारित सूची प्रकाशित की जाएगी जिसमें कार्यकारिणी सदस्य भी सम्मिलित होंगे।

मरकजी जमिअतुल मोमेनिन हिंदपिढ़ी के पदाधिकारियों को पगड़ी, माला और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

चान्हो सांसद प्रतिनिधि ने बीमार पूर्व प्रमुख से की मुलाकात

संवाददाता । रांची

चान्होःचान्हो प्रखंड के सांसद प्रतिनिधि मोहम्मद गेयास ने मंगलवार को लम्बे समय से बीमार चल रहे पूर्व प्रमुख जुल्फान अंसारी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि पूर्व प्रमुख ने क्षेत्र के विकास में अहम योगदान दिया है, और पूरा क्षेत्र उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा है। इस मौके पर मास्टर सफरूद्दीन तनवीर आलम उपस्थित थे।

रांची के इटकी से दो साइबर फ्रॉड गिरफ्तार, हरियाणा पुलिस ने इटकी पुलिस की मदद से की कार्रवाई

संवाददाता । रांची

रांची : राजधानी रांची के इटकी थाना क्षेत्र से दो साइबर अपराधियों – सलीम अंसारी और सकीम अंसारी – को हरियाणा पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया है। दोनों पर हरियाणा में बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ठगी का आरोप है।जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपियों ने 11 फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल कर 59 लाख रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दिया था। ठगी की गई राशि को ये आरोपी अपने खातों में मंगवाते थे। इस मामले में साइबर क्राइम थाना करनैल (हरियाणा) में मुकदमा दर्ज किया गया था।हरियाणा पुलिस को तकनीकी जांच के दौरान दोनों का लोकेशन रांची के इटकी इलाके में मिला। इसके बाद हरियाणा पुलिस की टीम ने इटकी थाना की सहायता से संयुक्त कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से कई मोबाइल फोन, बैंक पासबुक और दस्तावेज जब्त किए हैं।

रांची में हॉकी का जूनून फिर से देखने को मिलेगा

आईपीएल की तर्ज पर हॉकी इंडिया लीग 28 दिसम्बर 2025 से 26 जनवरी तक तीन शहरों चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में खेला जायगा.

संवाददाता । रांची

रांची में हॉकी का जूनून फिर से देखने को मिलेगा. आईपीएल की तर्ज पर हॉकी इंडिया लीग 28 दिसम्बर 2025 से 26 जनवरी तक तीन शहरों चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में खेला जायगा. पुरुष और महिला दोनों के अलग अलग लीग होंगे. महिला लीग के सभी मैच रांची में होंगे जबकि पुरुष लीग 3 से 9 जनवरी तक चेन्नई में, चलेगा, 11 से 16 जनवरी तक रांची में और 17 से 26 जनवरी तक भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में खेला जाएगा. महिला हॉकी इंडिया लीग 28 दिसंबर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक रांची में आयोजित होगी.

हॉकी लीग में होंगी ये टीमेंरांची रॉयल्स, तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, खरह सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (डिफेंडिंग चैंपियंस), वेदांता कलिंग लांसर्स, रत्नॄपाइपर्स और ल्क्छ गवर्निंग काउंसिल हैं.

मध्य प्रदेश की 2 कन्याओं ने शराब कारोबारी की ऐसी तैसी करवा दी

संवाददाता । रांची

मध्य प्रदेश की 2 कन्याओं ने शराब कारोबारी की ऐसी तैसी करवा दी। ठेके का लाइसेंस हुआ निरस्त। मध्य प्रदेश के मंडला जिले के नैनपुर में 2 स्कूली छात्राओं का ब्लेंडर का क्वार्टर लेते हुए वीडियो हुआ था वायरल वीडियो कलेक्टर महोदय के संज्ञान में आने के बाद भारी जुर्माने के साथ-साथ लाइसेंस हुआ निरस्त।

अवैध खनन सिंडिकेट के दबाव में चाईबासा में नो इंट्री लागू नहीं कर रही हेमंत सरकार.....बाबूलाल मरांडी

संवाददाता । रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बीती रात चाईबासा में नो इंट्री की मांग को लेकर मंत्री के घर का घेराव ,शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे रहे आदिवासी भाई बहनों पर पुलिस की बर्बर कार्रवाई की कड़ी भर्त्सना की है।श्री मरांडी ने कहा कि तांबो चौक पर हुई बर्बर पुलिसिया कार्रवाई ने झारखंड की सरकार का क्रूर और अमानवीय चेहरा सामने ला दिया है। यह हमला कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की हिफाजत करने वाला राज्य-प्रायोजित आतंक है। कहा कि ग्रामीण भाई-बहन शांतिपूर्वक 'नो एंट्री' नियम लागू करने की मांग कर रहे थे, ताकि उन्हें अवैध बालू और लौह अयस्क ढोने वाले उन किलर ट्रकों से मुक्ति मिल सके, जो पिछले एक साल में 100 से अधिक निर्दोष जिंदगियों को कुचल चुके हैं। कहा कि सरकार का यह अड़ियल रवैया कि वह 'नो एंट्री' क्यों नहीं लागू कर रही, इसका कारण बेहद भयावह है। यह पूरा मार्ग अवैध खनन सिंडिकेट की जीवन रेखा है। यह सर्वविदित है कि इन ट्रकों से होने वाली अवैध ढुलाई में मंत्री से लेकर प्रशासन तक सब शामिल हैं हर ट्रक से कमीशन लिया जाता है। सरकार इस अवैध कारोबार को बंद नहीं करना चाहती, क्योंकि इससे अवैध कमाई का खजाना रुक जाएगा।कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री मधु कोड़ा जी ने खुद इस भ्रष्टाचार का पदार्फाश किया है। उन्होंने बताया कि 14 अक्टूबर को उन्होंने नोवामुंडी में 6 अवैध ट्रकों (3 लोडेड और 3 लोडिंग के लिए तैयार) की सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन दुख की बात है कि आज तक पुलिस ने उन पर कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस की यह आपराधिक निष्क्रियता सिद्ध करती है कि वे खनन माफिया के साथ पूरी तरह मिले हुए हैं।कहा कि जब ग्रामीण सुबह से लेकर देर रात तक ठल्-220 पर शांति से धरना दे रहे थे और अपना भोजन बना रहे थे, तब रात 11 बजे उन पर अचानक बर्बरता की गई। इस शांत और निहत्थी भीड़ पर पुलिस ने न केवल लाठियाँ बरसाईं और आँसू गैस के गोले दागे, बल्कि सूत्रों के अनुसार फायरिंग भी की गई, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह कैसा न्याय है कि जो अपनी सुरक्षा मांग रहे हैं, उन्हें बदले में पुलिस की लाठियां और गोलियां मिल रही हैं?

ब्रीफ न्यूज

रांची से बड़ी खबर : दलादली चौक पर दिवंगत सुभाष मुंडा की मूर्ति क्षतिग्रस्त, गाड़ी की ठोकर से टूटी — भारी जाम लगा

संवाददाता । रांची

रांची : दलादली चौक के पास स्थित दिवंगत सुभाष मुंडा की मूर्ति को एक वाहन ने ठोकर मार दी, जिससे मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और मौके पर भारी संख्या में लोग जुट गए।लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। मौके पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मूर्ति क्षेत्र की पहचान और श्रद्धा का प्रतीक थी, ऐसे में इसकी क्षति ने सभी को आहत किया है।

झारखंड में एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है।

संवाददाता । रांची

रांची :राज्य के कई हिस्सों में ठंडक बढ़ने के साथ ही बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग (क्ष्टऊ) ने अनुमान जताया है कि आज से राज्य के दक्षिणी और मध्य जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जो 31 अक्टूबर तक जारी रहने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, उत्तर और उत्तर-पश्चिमी इलाकों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। बारिश के कारण राज्य के अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है, जिससे ठंडक बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने किसानों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने कहा है कि किसान फसल कटाई, मड़ाई और परिवहन कार्यों के दौरान मौसम की ताजा स्थिति पर नजर रखें और सावधानी बरतें, क्योंकि अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

एनएच-39 ब्राम्बे में सड़क हादसा, एक की मौत

संवाददाता । रांची

रांची :मांडर : मंगलवार दोपहर ब्राम्बे स्थित ल्आ खा जा रेस्टोरेंटह् के पास मारुति डिजायर (खल्01ए9386) और स्कूटी की टक्कर में सलीम अंसारी की मौत हो गई, जबकि शाहिद अंसारी गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। पुलिस ने वाहन जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

छठ के इस पावन अवसर पर नगर निगम ने जनहित में किए अच्छे कार्य =संजय सेठ

संवाददाता । रांची

रांची : रांची के म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के प्रशासक सुशांत गौरव के नेतृत्व में पहली बार जनहित के अद्भुत काम किए गए हैं'

छठ महापर्व के इस पावन अवसर पर रांची नगर निगम के द्वारा रांची के सभी छठ घाट में जो व्यवस्था की गई वह तारीफ योग है ' केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने फोन कर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के प्रशासक सुशांत गौरव को इस कार्य के लिए बधाई दी इस बार नगर निगम के द्वारा सभी छठ घाटों पर सुरक्षा हो, साफ सफाई ,छठ वतीयों के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था ,लाइटिंग की व्यवस्था ,बहुत ही अद्भुत थी। इस कार्य के लिए केंद्रीय रक्षा राज मंत्री श्री संजय सेठ ने इस कार्य में लगे नगर निगम के सभी कर्मचारियों अधिकारियों को बहुत बधाई दी है।

लोक सेवा समिति की नशा मुक्त समाज पर नई दिल्ली में संकल्प .

संवाददाता । रांची

रांची :अमजद चौधरी और उनकी छइर ऊेल्ल३ङ्ग-ɼ' एस्थेटिक सेंटर , बटला हाउस , जामिया नगर , नाई दिल्ली में एक बैठक लोक सेवा समिति की बैठक हुई जिसमें विभिन्न सामाजिक , स्वास्थ्य के मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया जिसमें विशेष कर युवा मे बढ़ता नशा देश के सभी हिस्सों में अपना पैर पसार चुका हैं और इससे समाज खास कर युवा को बचाने की हम सब की जिम्मेदारी हैं और इसके लिए जागरूकता अभियान, मुहल्ले में नशीले पदार्थ को उपलब्ध कराने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई समाज किसी भय ऊपर उठ एक जुट हो कर जब तक कार्य नहीं करती तब तक युवा को खोखला कर रही जहर से छुटकारा नहीं मिल सकता मोहम्मद नौशाद राष्ट्रीय अध्यक्ष लोक सेवा समिति. इस संबंध मे शामिल समिति के सदस्य डॉक्टर लेविना डॉ. हुमा आदि ने अपना पूरा सहयोग नशा मुक्त अभियान में देने का भरोसा दिलाया।

चास में आईआरबी जवान की हत्या के विरोध में बवाल, सैकड़ों लोगों ने किया चेकपोस्ट जाम

बोकारो, संवाददाता

बोकारो : बीती रात चास थाना क्षेत्र में हुई आईआरबी जवान अजय यादव उर्फ सोनू (पिता स्व लक्ष्मी नारायण यादव, निवासी स्व यदुवंश नगर, चास) की गोली मारकर हत्या के विरोध में मंगलवार सुबह चास में बवाल मच गया। आक्रोशित लोगों ने सैकड़ों की संख्या में चास चेकपोस्ट को जाम कर दिया और सड़क पर धरना देते हुए अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। लोगों का कहना है कि अगर जल्द आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि सोमवार देर शाम चास के आदर्श कॉलोनी स्थित गावघाट में किसी आपसी विवाद के दौरान गोली चल गई, जो अजय यादव के पेट में जा लगी। अजय गिरिडीह में आईआरबी में तैनात थे और छठ पर्व मनाने के लिए छुट्टी पर घर आए थे। परिजनों और स्थानीय लोगों ने उन्हें गंभीर हालत में बोकारो जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही चास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया है, साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि विवाद और गोलीबारी के कारणों का पता चल सके।

अजय यादव की असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। इलाके में मातम का माहौल है। उधर, स्थानीय लोगों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग अपराधियों की गिरफ्तारी तक धरना जारी रखने की बात पर अड़े रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

रॉक्सी क्लब द्वारा धूमधाम से मनाया गया छठ पर्व

39 वर्षों से निरंतर रॉक्सी क्लब छठ श्रद्धालुओं का सेवा करते आ रहा है

बोकारो, संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला के सेक्टर 12 अंतर्गत सेक्टर 12 डी में रॉक्सी क्लब द्वारा विगत 39 वर्षों से छठ महापर्व में श्रद्धालुओं के लिए गर्गा नदी में अस्थाई पुल बनाकर, सड़क मार्ग बनाकर, नदी के चारों ओर साफ सफाई करके, चमचमाती लाइटों से सजाकर छठ महापर्व मनाते आ रहा है, जिसमें कमिटी के सारे सदस्यों के अथक मेहनत द्वारा इस पर्व को सुशोभित किया जाता है, विदित हो कि छठ पर्व में हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां आकर लोक आस्था के महापर्व छठ में अस्ताचलगामी व उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य देकर पूजा अर्चना करते हैं। झिलमिलाती दीपों की लौ तथा भक्ति संगीत के सुरों से पूरा वातावरण को भक्ति, आस्था और सौहार्द से भर देता है। सुरक्षा की दृष्टिकोण से पुलिस प्रशासन सहित कमिटी की सदस्य तैनात रहते हैं ताकि किसी भी श्रद्धालु को किसी भी तरह की परेशानी ना हो। रॉक्सी क्लब द्वारा निःशुल्क शिविर लगाकर छठ व्रतियों के लिए फल, दूध, चाय आदि का वितरण भी किया जाता है तथा चिकित्सा शिविर भी लगाया जाता है। क्लब द्वारा छठ घाट से लेकर करीब एक किलोमीटर तक जगमगाती लाइटों से पूरा मार्ग को सुशोभित किया जाता है क्लब द्वारा स्टेज में खोया पाया का भी अनाउंसमेंट किया जाता है। रॉक्सी क्लब के अध्यक्ष दिलीप कुमार ने बताया कि क्लब के द्वारा निर्माण छठ घाट में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर पूजा अर्चना करते हैं जिसमें सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहता है। पूजा कमिटी में अध्यक्ष दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष रुपेश करमाली, सचिव अरुण कुमार अमर नाथ नायक, राकेश साह, अकुल कुमार, रमेश शर्मा, नरेंद्र कुमार, रंजीत कुमार, मनोज कुमार, अजित कुमार, राजकुमार मंडल, आलोक कुमार, सुनील कुमार, विकास कुमार, मनोज कुमार, आलोक कुमार, धर्मेंद्र कुमार, शंकर देव, आकाश कुमार, कुंदन कुमार सहित कई सदस्यों का पूजा को सफल बनाने में सराहनीय योगदान रहता है।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

कोडरमा जिला में छठ पूजा के दौरान अर्घ्य देने के क्रम में एक व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत हो गई

[illegible]

शिवसागर छठ घाट निकट वैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने श्रद्धालुओं के लिये किया चाय पानी की व्यवस्था

[illegible]

त्रिवेणी सरोवर छठ घाट पर आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा अर्घ्य के साथ हुआ संपन्न

[illegible]

जमुहारी माई छठ घाट पर चार धाम अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता ने भव्य सूर्य मन्दिर निर्माण के लिए शिलान्यास किया

[illegible]

घाटशिला उपचुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने उतारा स्थानीय उम्मीदवार

बोकारो, संवाददाता

बोकारो : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विजय कुमार सिंह अपने चुनावी दौरे के तहत बुधवार को घाटशिला पहुंचेंगे। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो ने उन्हें घाटशिला उपचुनाव का सह प्रभारी नियुक्त किया है। इस उपचुनाव में पार्टी ने शिक्षित और स्थानीय युवक रामदास मुर्मू को उम्मीदवार बनाया है। विजय कुमार सिंह ने कहा कि घाटशिला में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। एनडीए और महागठबंधन दोनों ने जुगसलाई और बहरागोड़ा से उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि हमारी पार्टी ने स्थानीय उम्मीदवार को मैदान में उतारकर जनता की भावना का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव का केंद्र झारखंड सरकार की नीतियों की विफलता होगी विशेषकर अपंगता, छात्रों, बेरोजगारों की उपेक्षा, विस्थापन, पलायन और जादूगोड़ा में विकिरण से प्रभावित लोगों की समस्याओं पर यह चुनाव लड़ा जाएगा। विजय सिंह ने कहा कि इस चुनाव के नतीजे से भले ही एनडीए और महागठबंधन पर खास असर न पड़े, लेकिन यदि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का उम्मीदवार विजयी होता है, तो पार्टी की ताकत दोगुनी हो जाएगी। इससे विधानसभा में पार्टी को दूगुना समय मिलेगा और राज्य के लोगों की दूगुनी समस्याएं मजबूती से सदन में उठाई जा सकेंगी।

गोमिया क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बोकारो, संवाददाता

गोमिया (बोकारो) : गोमिया क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा धूमधाम, हर्षोल्लास एवं भक्तिमय माहौल में संपन्न हो गया। इस अवसर पर गोमिया तेनु रोड स्थित बोकारो नदी के छठ घाट, खम्हरा स्थित कोनार नदी छठ घाट, स्वांग कोलियरी स्थित कोनार नदी छठ घाट, गोमिया बस्ती के भगत अहरा तालाब छठ घाट सहित अन्य जलाशयों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ सफाई कर लाइटिंग की व्यवस्था किया गया था। इस दौरान गोमिया तेनु रोड स्थित बोकारो नदी के छठ घाटों में श्री छठ पूजा समिति के सौजन्य से साफ सफाई कर पूरे क्षेत्र में रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया था। वहीं सोमवार की शाम वाराणसी से आए पंडितों द्वारा गंगा आरती कार्यक्रम किया गया और भक्ति जागरण का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। छठ घाट पर भगवान सूर्यदेव की प्रतिमा स्थापित किया गया था। इस अवसर पर पूरा क्षेत्र छठ गीतों से गुंजायमान था और भक्तिमय माहौल था। इधर छठ पूजा को लेकर बीडीओ महादेव कुमार महतो, सीओ आफताब आलम, गोमिया के सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार, गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार, अहइझस थाना प्रभारी प्रफुल्ल कुमार महतो सहित अन्य पुलिसकर्मी छठ घाटों में मौजूद थे।

गोमिया क्षेत्र के छठ घाटों में श्रद्धालुओं से मिले पूर्व विधायक डा लंबोदर महतो

गोमिया (बोकारो) : गोमिया क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा धूमधाम एवं भक्तिमय माहौल में सपन्न हो गया। इस अवसर पर गोमिया-तेनु रोड स्थित बोकारो नदी के छठ घाट, खम्हरा स्थित कोनार नदी छठ घाट, स्वांग कोलियरी स्थित कोनार नदी छठ घाट, गोमिया बस्ती के भगत अहरा तालाब छठ घाट सहित अन्य जलाशयों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ सफाई कर लाइटिंग की व्यवस्था किया गया था। इस अवसर पर गोमिया के पूर्व विधायक डा लंबोदर महतो छठ घाटों में जाकर श्रद्धालुओं से मिले। साथ ही सुख समृद्धि की कामना भगवान भास्कर से किया। इस अवसर पर विभिन्न पूजा समितियों द्वारा पूर्व विधायक डा लंबोदर महतो का स्वागत किया गया। मौके पर जिप सदस्य डा सुरेंद्र राज, मुखिया बलराम रजक, राजकुमार यादव, रितेश यादव, विपिन कुमार, लक्ष्मण नायक, पप्पू अग्रवाल, बंटी जायसवाल, रंजीत करमाली, सुरेश नायक, विनोद स्वर्णकार, विशाल जायसवाल, प्रभु स्वर्णकार, किशोर साहू, संदीप स्वर्णकार आदि उपस्थित थे।

उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ आस्था का महापर्व छठ हुआ संपन्न, व्रतियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाई पूजा

○ स्वयं सेवी संस्थाओं ने की लोगों की सेवा, सुरक्षा के थे पुख्ता इंतजाम

जमशेदपुर, संवाददाता

जमशेदपुर : चार दिनों तक चले आस्था का महापर्व छठ मंगलवार की सुबह उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। वहीं सोमवार की संध्या भी व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। वहीं महापर्व छठ के दौरान जमशेदपुर शहर के नदियों में भी लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान लोग अपने परिवार के साथ घाटों पर इकट्ठा होकर छठी मईया को अर्घ्य देकर उनका आशीर्वाद भी लिया। वहीं जमशेदपुर अक्षेस विभाग द्वारा घाटों की बेहतरीन साफ सफाई के अलावा महिलाओं के लिए चेंजिग रूम की व्यवस्था भी की गई थी। जिससे व्रतियों को काफी राहत भी मिली। साथ ही स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों के बीच चाय समेत अन्य चीजों का वितरण भी किया जा रहा था। इसी तरह मंगलवार की सुबह चाय, बिस्किट, नाश्ता, दातुन और उदयगामी सूर्य को चौथे और अंतिम दिन अर्घ्य देने के लिए गाय के दूध का वितरण भी किया गया। इसके साथ ही चार दिनों तक चलने वाला महापर्व छठ का समापन भी हो गया। जबकि पूजा के दौरान जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सोमेश सोरेन की जीत से घाटशिला के विकास का नया अध्याय होगा शुरू : संजीव सरदार

जमशेदपुर, संवाददाता

जमशेदपुर : आगामी 11 नवंबर को होने वाले घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर मंगलवार भारी बारिश के बावजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्टार प्रचारक पोटका विधायक संजीव सरदार ने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने मेढ़शोल पंचायत के चिरुगोड़ा, जगन्नाथपुर गांव पावड़ा नरसिंहगढ़ पंचायत के पुनसा गांव और चुकरीपाड़ा पंचायत के ऊपरशोली गांव के साथ साथ दर्जनों स्थानों पर पदयात्रा कर ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों, ग्राम प्रधानों, मांझी बाबा, नायके बाबा एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर कहा कि झामुमो की अगुआ सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग तक विकास पहुंचाया है। उन्होंने घर घर जा कर कहा कि झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन न सिर्फ अपने स्व. पिता पूर्व मंत्री रामदास सोरेन के अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे। बल्कि उनके सपनों को साकार करेंगे। आगे उन्होंने कहा कि घाटशिला का जैसा मान रामदास दा ने बढ़ाया, सोमेश उसी मान-सम्मान और विकास की राह को आगे बढ़ाएंगे। सोमेश सोरेन की जीत से घाटशिला के विकास का नया अध्याय शुरू होगा। वहीं जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र की जनता में भारी उत्साह देखने को मिला। बारिश के बावजूद ग्रामीण बड़ी संख्या में बैठकों और पदयात्रा में शामिल होकर झामुमो प्रत्याशी को समर्थन देने का भरोसा दिलाया। अंत में विधायक संजीव सरदार ने लोगों से 11 नवंबर को चुनाव चिन्ह तीर-धनुष पर बटन दबाकर झामुमो प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि जनता का जोश और एकजुटता साफ संकेत दे रहा है कि इस बार घाटशिला में झामुमो की जीत सुनिश्चित है।

सूर्य मंदिर समिति के छठ महोत्सव में छठ गीतों पर झूमे लोग

○ सुप्रसिद्ध लोक गायिका डिम्पल भूमि एवं मानसी सिंह ने बांधा समां

जमशेदपुर, संवाददाता

[illegible]

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ लोक आस्था का महापर्व

सीएम नीतीश समेत लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को दिया अर्घ्य

गाजियाबाद। लोक आस्था और तपस्या का पर्व छठ पूजा मंगलवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण के साथ सम्पन्न हो गया। चार दिनों तक चले इस महापर्व में पूरे बिहार में भक्ति, उल्लास और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। कल शाम व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया था और आज तड़के अहले सुबह भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर छठी मईया से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जल व्रत का समापन हुआ। भोर होते ही शहरों से लेकर गांवों तक छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ घाटों की ओर उमड़ पड़ी। महिलाओं और पुरुषों ने सूप-दौरा में ठेकुआ, फल और प्रसाद सजाकर पारंपरिक गीतों 'उठे सूर्य भगवान, अंगना में दीहीं दर्शन' के साथ सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। पटना में सीएम नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, नेता प्रतिपक्ष चिराग पासवान, बिहार सरकार के कई मंत्री, नेताओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। इधर, जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों की ओर से पटना की सड़कों को धो दिया गया था। हर गली-सड़कों पर बिहार कोकिला स्व. शारदा सिन्हा के छठ गीत बज रहे थे।मुजफ्फरपुर के सीढ़ी घाट, आश्रम घाट, लकड़ीढ़ही घाट, अखाड़ा घाट, चंदवारा घाट सहित कई प्रमुख स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। ब्रह्मपुरा पोखर, तीन पोखरिया, पड़ाव पोखर, साहू पोखर मंदिर तालाब और रामदयालु कॉलेज परिसर के घाटों पर भी श्रद्धा और उल्लास के साथ पूजा संपन्न हुई। पूजा के बाद भक्तों ने छठी मईया और भगवान भास्कर का प्रसाद ग्रहण किया। जहानाबाद में भी छठ पर्व का समापन सुबह अर्घ्यदान के साथ हुआ। जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में कई दिनों से तैयारी चल रही थी। आज घाटों पर भारी संख्या में व्रती और श्रद्धालु पहुंचे और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। जिलाधिकारी अलंकृता पांडे और एसपी विनीत कुमार ने कई छठ घाटों का निरीक्षण किया। दरधा-यमुने नदी संगम घाट पर सबसे अधिक भीड़ देखी गई। श्याम नगर घाट पर काशी से आए पंडितों ने गंगा आरती कराई, जो आकर्षण का केंद्र बनी। इसके अलावा अलगाना घाट, कनौदी घाट, मखदुमपुर, हुलासगंज, ओकरी, मोदनगंज, रतनी, शकुराबाद, तहता आदि स्थानों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। हर जगह भक्ति गीतों की धुन और दीपों की रौशनी ने माहौल को दिव्य बना दिया। भोर होते ही घाटों पर व्रतियों की भीड़ दौरा और सूप में ठेकुआ व फलों से सजे अर्घ्य लेकर पहुंची। हउठे सूर्य भगवान, अंगना में दीहीं दर्शनह जैसे पारंपरिक गीतों की मधुर ध्वनि के बीच उगते सूर्य की पहली किरण ने श्रद्धा को और गहरा दिया। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य समेत बिहार की सैकड़ों लोगों ने विदेशों में छठ पूजा की। रोहिणी ने कहा कि आप सबों को महापर्व छठ पूजा के चौथे ॰ पूर्णाहुति अनुष्ठान अग्रगामी सूर्य देव को उषा अर्घ्य की हार्दिक शुभकामनाएं। उदयीमान भगवान भास्कर की लालिमा ॰ छठी मईया के आशीर्वाद से आप सबों को सुख-शांति - समृद्धि - निरोग काया की प्राप्ति हो और आपकी हर मनोकामना पूरी हो।

महागठबंधन के घोषणा पत्र पर तेजस्वी बोले

बिहार को देश का नंबर वन राज्य बनाना ही हमारा विजन है

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कुछ ही देर में महागठबंधन का घोषणा पत्र जारी करेंगे। इससे पहले पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि महागठबंधन का चुनाव घोषणापत्र बिहार को देश का नंबर वन राज्य बनाने का विजन डॉक्यूमेंट होगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे पास राज्य के विकास के लिए एक विजन और उसका रोडमैप है। बिहार को नंबर वन राज्य बनाने का हमलोगों ने प्रण लिया है। तेजस्वी ने महागठबंधन के घोषणा पत्र को तेजस्वी प्रण पत्र नाम दिया है। वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर हमला बोलते हुए उन्होंने एनडीए पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने अब तक अपना मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किया है। महागठबंधन ने अपना मुख्यमंत्री का चेहरा पहले ही घोषित कर दिया है। आज हम इसलिए प्रण पत्र जारी कर रहे हैं, जिसमें बताया गया है कि अगले पांच साल में हम बिहार को कैसे आगे ले जाएंगे। हम चाहते हैं कि एनडीए भी अपने मुख्यमंत्री का नाम बताए। उनके पास क्या योजनाएं हैं? उनका विजन क्या है? बिहार को आगे कैसे ले जाएंगे? हमने रोडमैप दिया है, विजन दिया है, और स्पष्ट किया है कि हम बिहार को नंबर वन बनाएंगे। लेकिन वे सिर्फ नकारात्मक बातें करते हैं और हमारे नेताओं पर आरोप लगाते हैं। तेजस्वी यादव ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए कोई ठोस काम नहीं किया। जब भी प्रधानमंत्री बिहार आते हैं, वे विपक्षी नेताओं को गालियां देते हैं और नकारात्मक राजनीति को बढ़ावा देते हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने दावा किया कि इस बार जनता बिहार में परिवर्तन लाने का मन बना चुकी है। तेजस्वी ने कहा कि एनडीए ने न तो अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार बताया है और न ही घोषणापत्र जारी किया है।

वैशाली से 13 वर्षीय बच्चा लापता

वैशाली। छठ पूजा को लेकर एक ओर खुशियों का माहौल गूंज रहा है, वहीं दूसरी ओर एक परिवार में मातम का माहौल छाया हुआ है। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के जुराबनपुर गांव से 13 वर्षीय चंद्रकांत कुमार लापता हो गया है। वह 24 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे अपने घर के पास चल रहे एक श्राद्ध कार्यक्रम में भोज की तैयारी में शामिल होने जा रहा था, तभी रास्ते में गायब हो गया। चंद्रकांत के पिता संजय कुमार ने बताया कि परिवार और गांव वालों ने उसे ढूंढने की भरसक कोशिश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद उन्होंने बिदुपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

संक्षिप्त डायरी

औरंगाबाद में गेट ग्रिल दुकानदार की चाकू मारकर हत्या

औरंगाबाद। बिहार झारखंड के बॉर्डर इलाके में अज्ञात अपराधियों ने गेट ग्रिल कारोबारी को चाकू मार दिया। जिसके कारण औरंगाबाद सदर अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बाइक सवार अपराधियों ने सोमवार की शाम बॉर्डर से सटे हरिहरगंज थाना क्षेत्र के हरिहरगंज प्रखंड कार्यालय समीप स्थित कर्बला के पास घटना को अंजाम दिया है। मृतक की पहचान हरिहरगंज के सतबांधा निवासी बहाव अंसारी के पुत्र 42 वर्षीय जसीमुद्दीन अंसारी के रूप में की गई। घटनास्थल के पास खेत में घास काट रही महिलाओं ने जब कुछ लोगों के द्वारा एक युवक पर चाकू से हमला करते देखा तो शोर मचा कर इसकी जानकारी अन्य लोगों को दी। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार अपराधी फरार हो गए। सूचना पर काफी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंचे तथा आनन -फानन में घटनास्थल पर पहुंचे तथा जख्मी व्यक्ति को इलाज के लिए हरिहरगंज स्थित सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सदर अस्पताल में युवक की मौत की सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस वहां पहुंची तथा शव को कब्जे में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक जसमुद्दीन अंसारी अपने परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनकी मौत से पत्नी कस्तूरी देवी, बेटा अदन और बेटी आयुषी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों और ग्रामीणों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही हरिहरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर, हत्या की खबर फैलते ही पूरे हरिहरगंज बाजार और आसपास के गांवों में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोग थाना परिसर में जुटकर प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सहरसा में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटी,एक की मौत 5 घायल

सहरसा। चिड़ैया थाना क्षेत्र में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य बच्चे घायल हो गए। घायलों का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मृत बच्चे की पहचान चिड़ैया थाना क्षेत्र निवासी छबुली सादा के 12 वर्षीय पुत्र रामयतन सादा के रूप में हुई है। घायलों में 10 वर्षीय देवराज सादा, 13 वर्षीय किसन सादा, 10 वर्षीय मुस्कार कुमार, 6 वर्षीय सुर्यदेव कुमार और 8 वर्षीय लवकुश कुमार शामिल हैं। इनमें से कई बच्चों के हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई हैं। यह हादसा सोमवार को चिरैया और चिकनी टोला के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि सभी बच्चे गांव के ही एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ट्रैक्टर पर सवार होकर गए थे। वापसी के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे यह दुर्घटना हुई।

इलेक्ट्रिक सामग्री की गोदाम में लगी भीषण आग

मुजफ्फरपुर। नगर थाना क्षेत्र के हरिसभा स्थित रज्जू शाह लेन में सोमवार सुबह एक इलेक्ट्रिक सामग्री के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरे गोदाम में रखे तार, स्विच, बल्ब, पैनल बोर्ड समेत लाखों रुपये की सामग्री जलकर खाक हो गई। धुएं के घने गुबार से पूरा इलाका भर गया और आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर नगर थाना, मिठनपुरा थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई से तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छठ पूजा के अर्घ्य के बाद पास के घाट से कुछ युवकों ने पटाखा छोड़ा था। उसी पटाखे की चिंगारी उड़कर गोदाम के पास जा गिरी और बाहर रखी बिजली सामग्री में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम के प्रोपराइटर संजू राजू मल्होत्रा ने बताया कि मुझे फोन पर जानकारी मिली कि मेरे गोदाम के पास धुआं उठ रहा है। जब मैं पहुंचा, तब तक पूरा गोदाम आग की लपटों में घिर चुका था। लाखों का सामान जल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, गोदाम के अंदर और बाहर बड़ी मात्रा में बिजली की सामग्री रखी हुई थी। प्लास्टिक और तारों में आग लगने से लपटें और धुआं तेजी से फैल गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस हादसे में करीब 50 लाख रुपये से अधिक की सामग्री जलकर राख हो गई है।

सहरसा पुलिस का खुलासा: दो कट्ठा जमीन के लिए बेटे ने पिता का सिर काटकर की हत्या

सहरसा। जिले के कनरिया थाना क्षेत्र में 12 अक्तूबर को 65 वर्षीय किसान नारायण यादव की सिर काटकर हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने हत्यारोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में इस्तेमाल किए गए चाकू, कचिया और कपड़े भी बरामद किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी बेटे ने महज दो कट्ठा जमीन के लिए अपने ही पिता को बेरहमी से हत्या कर दी। सिमरी बख्तियारपुर के एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने सोमवार शाम प्रेस वार्ता कर बताया कि मृतक नारायण यादव की हत्या उसके बेटे पिंटू कुमार उर्फ मुकेश यादव ने की थी। आरोपी ने जमीन विवाद को लेकर अपने पिता की हत्या करने की बात स्वीकार की है। पुलिस पूछताछ में पिंटू ने बताया कि वह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर है। उसका बड़ा भाई रंजीत कुमार की वर्ष 2012 में दिल्ली में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। रंजीत की मौत के बाद दिल्ली सरकार और अन्य स्रोतों से परिवार को 13 लाख रुपये मुआवजा राशि मिली थी। उस पैसे से पिता नारायण यादव ने 10 कट्ठा जमीन खरीद ली, लेकिन यह बात परिवार के बाकी सदस्यों से छिपाई गई। रंजीत की मौत के बाद उसकी पत्नी की शादी पिंटू से कर दी गई थी। उसी दौरान पिता ने पिंटू से कहा था कि पिता को मुखाग्नि देने के बदले उसे दो कट्ठा अतिरिक्त जमीन दी जाएगी। हालांकि बाद में पिता ने बराबर हिस्से की बात कही, जिससे विवाद बढ़ गया। इस जमीन विवाद को लेकर पिता और बेटे में अक्सर झगड़े होते रहते थे। 12 अक्तूबर की सुबह नारायण यादव घास काटने के लिए नदी किनारे गए थे। इसी दौरान पिंटू भी उनके पीछे-पीछे पहुंच गया। उसने पहले पिता को घास का बोझ उठाने में मदद की, फिर अचानक चाकू से गर्दन पर हमला कर दिया। जब पिता गिर पड़े, तो उसने उनका सिर काटकर अलग कर दिया और सिर को दूसरे स्थान पर छिपा दिया। पुलिस ने घटना के तीसरे दिन नारायण यादव का सिर बरामद कर लिया था।

युवक को बदमाशों ने मारी पांच गोली, मौत

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शिवनंदनपुर चौक पर छठ घाट से लौटे जूटमिल कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि गांव के ही बदमाश ने चार साथियों के साथ मिलकर उस पर पांच गोलियां दाग दीं। घटना के बाद ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने घायल आरोपी को हिरासत में लेकर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान शिवनंदनपुर निवासी मौजे चौधरी के पुत्र मंटून चौधरी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मंटून छठ घाट से लौटने के बाद अपने भाई की दुकान पर बैठा था। इसी दौरान गांव के ही रामजन्म सहनी चार-पांच युवकों के साथ वहां पहुंचा और उससे विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने उसे पास की दूसरी दुकान तक खींच ले गए और वहां ताबड़तोड़ पांच गोलियां मार दीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने भाग रहे आरोपी रामजन्म सहनी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे डीएमसीएच रेफर कर दिया।

प्रशांत ने साधा निशाना, बोले: ओवैसी को हैदराबाद संभालना चाहिए बिहार नहीं

किशनगंज। जिले के कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र के सौंधा हाट में सोमवार देर शाम जनसुराज की ओर से एक जनसभा आयोजित की गई। इस दौरान जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कोचाधामन से पार्टी प्रत्याशी अबू अफफान फारूकी के पक्ष में वोट करने की अपील की। उन्होंने अन्य दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जनसुराज का चुनाव लड़ने का तरीका बिल्कुल अलग है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जनसुराज से चुनाव लड़ने वाले लोग न तो पूंजीपति हैं और न ही बड़े पैसे वाले। उन्होंने बताया कि कोचाधामन से उम्मीदवार अबू अफफान फारुकी एक साधारण परिवार से आते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि अपनी पदयात्रा के दौरान उन्होंने यह वादा किया था कि टिकट केवल जनसुराज के कार्यकर्ताओं को ही दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुल 243 सीटों में से केवल 12 से 13 बाहरी लोगों को टिकट दिया गया है, जबकि 200 से अधिक उम्मीदवार पहली बार चुनाव मैदान में उतर रहे हैं। पार्टी उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रही है। पीके ने अन्य राजनीतिक दलों पर तंज कसते हुए कहा कि उनके नेता हेलीकॉप्टर से उड़ते हैं और उम्मीदवारों से 1 से 2 करोड़ रुपये तक वसूलते हैं। इसके विपरीत, जनसुराज अपने पैसे से लोगों को चुनाव लड़ने के लिए सक्षम बना रहा है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर टिप्पणी करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वे उनके अच्छे मित्र हैं, लेकिन सलाह यह है कि ओवैसी अपने हैदराबाद पर ध्यान दें और वहां के मुसलमानों की चिंता करें। उन्होंने कहा कि सीमांचल में आकर भ्रम फैलाने की कोशिश न करें, क्योंकि सीमांचल के नेता सीमांचल के ही बेटे होंगे। प्रशांत किशोर ने यह भी बताया कि जनसुराज पहली ऐसी पार्टी है जिसने 34 मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया है। उन्होंने कहा कि इन टिकटों को उन इलाकों में नहीं दिया गया है जहां पहले से मुस्लिम विधायक या मजबूत उम्मीदवार हैं, ताकि किसी पर वोट काटने का आरोप न लगे।

बिहार में छठ घाट पर 9 की मौत, छाया मातम

भागलपुर में अर्घ्य देने पहले 4 डूबे, सहरसा-पटना-समस्तीपुर में 3, पूर्णिया में 2 की गई जान

भागलपुर। बिहार में आज छठ पूजा का तीसरा दिन है। व्रती आज डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। इससे पहले भागलपुर, सहरसा, बिहटा, समस्तीपुर और पूर्णिया में छठ घाटों पर हादसों में 9 लोगों की मौत हुई है। इनमें कुछ छठ घाट की सफाई कर रहे थे तो कुछ सफाई के बाद नहाने के लिए नदी में उतरे थे। भागलपुर में सोमवार की सुबह छठ पूजा की तैयारी कर रहे एक ही गांव के 4 बच्चों की नदी में डूबने से मौत हो गई। 2 बच्चों की पहचान हो गई है। एक 8 साल का गोरेलाल है और दूसरे का नाम कोरेलाल है। दोनों बच्चे छट्टू सिंह टोला के रहने वाले रुदल मंडल के बेटे थे। दोनों मृतक जुड़वां भाई थे। जानकारी के अनुसार, घाट बनाने के बाद सभी बच्चे नदी में नहाने गए थे। गहरे पानी में जाने से सभी डूब गए। पटना नवगछिया के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव में हुई। स्थानीय निवासी कैलाश मंडल ने बताया, 'बच्चे छठ घाट की तैयारी के लिए वहां मौजूद थे। जिसके बाद सभी स्नान कर रहे थे, इसी दौरान यह हादसा हुआ।' घटना की सूचना मिलते ही इस्माइलपुर थानाध्यक्ष दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। सभी बच्चे छट्टू टोला के रहने वाले थे। गांव वालों ने बताया कि, 'बच्चे नदी में नहा रहे थे। एक गहरे में पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में बाकी भी डूब गए। गोताखोरों की मदद से सभी बच्चों को बाहर निकाला गया और इस्माइलपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बच्चों की मौत की सूचना मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई।' मृतकों में नवटोलिया निवासी मिथिलेश कुमार के बेटे प्रिंस कुमार (10) और किशोरी मंडल के बेटे नंदन कुमार (10) के रूप में हुई है। मधेपुरा में छठ घाट बनाने के दौरान 6 साल के बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जोरगामा वार्ड संख्या 9 निवासी वीरेन साह के 6 साल के बेटे सोनू कुमार के रूप में हुई है। सोनू अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वार्ड 9 स्थित महादलित बस्ती के पास पोखर पर छठ घाट तैयार करने गया था। घटना मुरलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जोरगामा पंचायत की है। बताया जा रहा है कि घाट लगभग तैयार हो चुका था, तभी सोनू पानी भरने के लिए पोखर के भीतर चला गया। पोखर में पानी अधिक गहरा होने के कारण वह अचानक डूबने लगा। कुछ देर बाद जब आसपास के लोगों ने बच्चे को नहीं देखा, तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। पटना के बिहटा थानाक्षेत्र के अल्कनपुरा गांव में छठ पूजा के लिए बनाए तालाब में डूबने से एक 14 साल के नाबालिग की मौत हो गई। मृतक किशोर की पहचान अल्कनपुरा गांव निवासी पिंकू कुमार के बेटे अंकित कुमार के रूप में हुई है। अंकित कुमार के माता और पिता दोनों ने छठ व्रत रखा है। आज तीसरे दिन डूबते सूर्य के अर्घ्य देने से पहले वो अपने दोस्तों के साथ तालाब की सफाई करने गया था। इसी दौरान साफ-सफाई के बाद दोस्तों के साथ नहाने लगा। तालाब गहरा होने के कारण वह डूब गया। समस्तीपुर के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र में करेह नदी में नहाने के दौरान 8 साल के एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई। यह घटना छठ पर्व के दिन हुई, जब बच्चा अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण वह डूब गया। मृतक बच्चे की पहचान गिधा गांव के वार्ड एक के निवासी अशोक यादव के पुत्र ऋतुराज के रूप में हुई है। अन्य बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने ऋतुराज को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक ऋतुराज के पिता अशोक यादव पेशे से मजदूरी हैं।

सेबी से मंजूरी के बाद मिल्की मिस्ट लाएगी 2,035 करोड़ का आईपीओ

कंपनी जुटाए पैसे से कर्ज घटाएगी, नई फैक्टरियां लगाएगी और कारोबार बढ़ाएगी

नई दिल्ली दक्षिण भारत की लोकप्रिय डेयरी ब्रांड मिल्की मिस्ट डेयरी फूड्स लिमिटेड को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मंजूरी मिल गई है। कंपनी करीब 2,035 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। इसमें से 1,785 करोड़ नए शेयर जारी करके और 250 करोड़ पुराने शेयर बेचकर जुटाए जाएंगे।कंपनी के संस्थापक और उनकी पत्नी पुराने शेयर बेचेंगे। कंपनी इस आईपीओ से मिले धन का उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने] नई फैक्टरियां और उपकरण लगाने, सप्लाई चेन मजबूत करने तथा दैनिक खर्चों में करेगी। मई 2025 तक मिल्की मिस्ट पर 1,463 करोड़ का कर्ज था, जिसे घटाने की दिशा में यह आईपीओ अहम कदम साबित होगा।

अमेजन में फिर बड़ी छंटनी, 30,000 कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा

खर्चों में कटौती और कोविड के दौरान हुई ओवरहायरिंग बनी मुख्य वजह

मुंबई दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन एक बार फिर बड़ी छंटनी की तैयारी में है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी 30,000 कॉर्पोरेट कर्मचारियों की छंटनी शुरू करने जा रही है। यह संख्या अमेजन के कुल लगभग 3.5 लाख कॉर्पोरेट कर्मचारियों का करीब 10 प्रतिशत है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला कंपनी ने खर्चों में कटौती और ऑपरेशनल दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शॉपिंग की मांग में तेजी आने पर अमेजन ने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की भर्ती की थी। अब जब मांग सामान्य स्तर पर लौट आई है, तो कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या घटा रही है।

ट्रंप प्रशासन बढ़ा रहा फेड अध्यक्ष की नियुक्ति का सस्पेंस

जेरोम पॉवेल की कुर्सी पर पांच दावेदार

नई दिल्ली अमेरिका में अगले साल फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने पांच संभावित उम्मीदवारों की पुष्टि की है। बेसेंट ने एशिया यात्रा के दौरान एयर फोर्स वन में मीडिया से बातचीत में कहा कि दूसरे दौर की इंटरव्यू प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी और वैकसगिविंग के बाद ट्रंप के सामने शॉर्टलिस्ट पेश की जाएगी। बेसेंट फेड की नीतियों और वित्तीय संकटों पर उठाए गए कदमों के आलोचक रहे हैं। नए नेतृत्व के आने पर ब्याज दर और अन्य मौद्रिक नीतियों में बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है। ट्रंप ने पॉवेल पर पुराने आरोप दोहराते हुए कहा कि उन्होंने ब्याज दरों में कटौती में देरी की। पॉवेल मई 2026 तक चेयर बने रहेंगे और जनवरी 2028 तक फेड बोर्ड में गवर्नर के रूप में रह सकते हैं। ट्रंप नए गवर्नर को मई में चेयर बनाने का वैकल्पिक रास्ता भी चुन सकते हैं।

सोने का भाव लगभग 1.15 लाख तक आ सकता है: रिपोर्ट

नई दिल्ली अक्टूबर की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंचने के बाद सोने ने फिलहाल ब्रेक लिया है। एमसीएक्स पर 10 ग्राम के लिए सोना लगभग 1.21 लाख पर कारोबार कर रहा है। पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमत 75,000 से 1.30 लाख तक बढ़ चुकी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तेज बढ़ोतरी के बाद 10-15 फीसदी की गिरावट स्वाभाविक थी। बाजार के जानकारों का कहना है कि सोने का भाव लगभग 1.15 लाख रुपए तक आ सकता है। गिरावट के बावजूद सोने की मांग मजबूत है। यदि कीमतें दीवाली और शादी के सीजन से पहले थोड़ी और गिरती हैं, तो खरीदारी में और तेजी आने की संभावना है। निवेशक ज्वेलरी, सिक्के और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सोने में निवेश कर रहे हैं। अमेरिकी शटडाउन और राजनीतिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों के मनोबल पर असर डाला है। इसके कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरें घटाने का दबाव बढ़ सकता है, जिससे सोने की मांग और मजबूत हो सकती है। चांदी ने भी सोने का रुख अपनाया, लेकिन लगभग 9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। मुनाफा वसूली, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और सप्लाई की सहजता इसके मुख्य कारण रहे। ।

विदेशी निवेशक साझेदारी से भारतीय रियल एस्टेट में बढ़ा रहे निवेश: रिपोर्ट

» प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट, घरेलू निवेश में वृद्धि

नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी निवेशक सीधे निवेश की बजाय भारतीय रियल एस्टेट में स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी करने लगे हैं।

रियल एस्टेट सलाहकार कॉस्टियन के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2025 में विदेशी और घरेलू कंपनियों का संयुक्त निवेश 72.658 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल इसी अवधि के 10.976 करोड़ डॉलर की तुलना में लगभग 6.6 गुना अधिक है।

रिपोर्ट के अनुसार, इसी तिमाही में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केवल 14.069 करोड़ डॉलर रहा। यह एक साल पहले की तुलना में 68 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है, जब यह 43.647 करोड़ डॉलर था।विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण निवेशक सीधे पूंजी लगाने के बजाय स्थानीय साझेदारों के माध्यम से जोखिम कम करना पसंद कर रहे हैं। जुलाई-सितंबर 2025 में घरेलू निवेशकों ने 89.222 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो पिछले साल की 41.455 करोड़ डॉलर की तुलना में लगभग दोगुना है।

घरेलू निवेश में यह वृद्धि भारतीय रियल एस्टेट बाजार की स्थिरता और आकर्षक संभावनाओं को दर्शाती है।

वेस्टियन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि मुख्य रूप से खाणिज्यिक परिसंपत्ति वर्ग में संचालित संस्थागत निवेश में सालाना आधार पर 83 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

यह आंकड़ा भारतीय रियल एस्टेट की वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत लचीलापन और निवेशकों के लिए स्थिर अवसरों की पुष्टि करता है।

नवंबर में 10 दिन रहेगा बैंकों में अवकाश

डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन सुविधाएं इन छुट्टियों में भी चलती रहेंगी

मुंबई अक्टूबर में जहां छुट्टियों की भरमार थी, वहीं नवंबर में ऐसा नहीं है। पूरे महीने में 9 से 10 दिन बैंक बंद रह सकते हैं। इसमें रविवार और दूसरा-चौथा शनिवार तो पूरे देश में छुट्टी रहेगी ही, साथ में कुछ खास त्योहारों की वजह से भी कुछ जगहों पर बैंक बंद रहेंगे। डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन सुविधाएं इन छुट्टियों में भी चलती रहेंगी। नवंबर में पहली बैंक हॉलिडे 5 नवंबर को है। इस दिन गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा है। पूरे देश में इस दिन बैंक बंद रहेंगे. इसके अलावा 1 नवंबर को बंगलूरु में कन्नड़ राज्योत्सव और देहरादून में इगास-बग्वाल की वजह से बैंक बंद रहेंगे। फिर 7 नवंबर को शिलांग में वांगाला महोत्सव के कारण वहां बैंक बंद होंगे। 8 नवंबर को दूसरा शनिवार है, तो पूरे देश में छुट्टी होगी, लेकिन बंगलूरु में कनकदास जयंती भी है, तो वहां भी बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 2, 9, 16, 23 और 30 नवंबर को रविवार की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 22 नवंबर को चौथा शनिवार है, तो उस दिन भी छुट्टी रहेगी। कुल मिलाकर पूरे महीने में 9 से 10 दिन बैंक बंद रह सकते हैं।

सरकारी बैंकों में एफडीआई सीमा 49 फीसदी तक बढ़ाने की तैयारी में सरकार

योजना के तहत सरकार बैंकों में कम से कम 51 फीसदी हिस्सेदारी अपने पास रखेगी

नई दिल्ली सरकार सरकारी बैंकों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। फिलहाल यह सीमा 20 फीसदी है। प्रस्ताव है कि इसे 49 फीसदी तक बढ़ाया जाए। योजना के तहत सरकार बैंकों में कम से कम 51 फीसदी हिस्सेदारी अपने पास रखेगी, जिससे सरकारी नियंत्रण सुरक्षित रहेगा। वर्तमान में निजी बैंकों में एफडीआई सीमा 74 फीसदी है। सरकार का मानना है कि सीमा बढ़ाने से सरकारी बैंकों को अधिक पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी और वे वित्तीय रूप से मजबूत बन सकेंगे। यह कदम निजी और सरकारी बैंकों के बीच निवेश संबंधी नियमों में समानता भी लाएगा। विदेशी निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ रही है। दुबई की ऐ थिरेटेस एनबीडी ने हाल ही में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी हिस्सेदारी 3 अरब डॉलर में खरीदी, जबकि जापान की एसएमबीसी ने मई 2025 में यश बैंक बैंक में 20 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस प्रस्ताव पर राय देने के लिए कहा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में वे गिरावट दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के साथ ही बिकवाली वाली रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 150.68 अंक नीचे आकर 84,628.16 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 29.85 अंक टूटकर 25,936.20 पर बंद हुआ था। वहीं व्यापक बाजार में भी हल्की गिरावट देखने में आई पर बैंकिंग और मेटल शेयरों में बढ़त रही। । निफ्टी पीएसयू बैंक 1.21 फीसदी और निफ्टी बैंक 0.17 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी मेटल 1.23 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.15 फीसदी और निफ्टी कमोडिटीज 0.14 फीसदी उछलकर बंद हुआ। निफ्टी ऑटो 0.42फीसदी, निफ्टी आईटी 0.74 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.27 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.57 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.05 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 0.34 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में भी मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14 अंक की हल्की गिरावट के साथ 59,765.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 4 अंक बढ़कर 18,407.60 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एलएंडटी, एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, इटरनल (जोमैटो) और एचडीएफसी के शेयर ऊपर आये जबकि आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, पावर ग्रिड, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक के शेयरों को नुकसान हुआ ।

यहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स की 84,625.71 अंक पर शुरुआत की, जो पिछले बंद से 153.13 अंक नीचे था। इसी तरह निफ्टी 50 ने 25,939.95 के स्तर पर ओपनिंग की और इसमें 0.1 फीसदी की गिरावट देखी गई। निफ्टी बैंक भी कमजोर शुरुआत के साथ 58,006.55 अंक पर खुला, जो 0.18 फीसदी की गिरावट दिखा रहा है। वहीं एशिया-प्रशांत क्षेत्र के ज्यादातर बाजार मंगलवार को गिरावट में रहे। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, जापान का निक्केई 0.25 फीसदी गिरा, टॉपिक्स इंडेक्स 0.49 फीसदी नीचे आया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.4 फीसदी टूटा, और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.31 फीसदी कमजोर हुआ।

टाटा स्टील के शेयर आंख बंद कर खरीद लो....करीब 30 फीसदी का रिटर्न दे सकता

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन दिन सोमवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड डील को लेकर सकारात्मक संकेतों से वैश्विक बाजारों में सुधार दिखाई दिया। इसका असर भारतीय बाजार पर भी दिखा। सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में रहे। बाजार में मुड के बीच घरेलू ब्रोकरेज हाउस ने टाटा स्टील पर अपनी रेटिंग को अपग्रेड किया है। ब्रोकरेज का कहना है कि यूरोपीय बाजार में सुधार की उम्मीद, घरेलू कारोबार में मजबूती और उचित वैल्यूएशन शेयर को आकर्षक बनाता है। घरेलू ब्रोकरेज हाउस ने टाटा स्टील पर अपनी रेटिंग को 'रिड्यूस' से अपग्रेड कर 'एडड' कर दिया है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर 224 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। इस तरह, शेयर निवेशकों को करीब 30 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। टाटा स्टील के शेयर शुक्रवार को 174.50 रुपये पर बंद हुए। ब्रोकरेज के अनुसार, टाटा स्टील को यूरोप में स्टील की मांग में सुधार से बड़े पैमाने पर लाभ मिलने की उम्मीद है। इस युद्ध के बाद रिकंस्ट्रक्शन की विशाल योजनाओं से समर्थन मिलेगा। रूस-यूक्रेन संघर्ष एक संभावित समझौते के करीब पहुंच गया है। रिकंस्ट्रक्शन पर 800 अरब डॉलर से अधिक खर्च होने का अनुमान जताया गया है। यह निवेश पूरे महाद्वीप में इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और विनिर्माण क्षेत्रों में तेज वृद्धि को बढ़ावा देगा। ब्रोकरेज ने कहा कि यूरोपीय संघ का नया निर्णय इस आशावाद को और मजबूत करता है। यूरोपीय यूनियन 2026 के मध्य तक शुल्क-मुक्त स्टील इंपोर्ट कोटा को आधा करेगा। साथ ही, कोटा से बाहर के आयात पर शुल्क 50 प्रतिशत तक दोगुना किया जाएगा। इससे आपूर्ति सीमित होगी और क्षेत्रीय कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ब्रोकरेज के अनुसार, इन कारकों से टाटा स्टील यूरोप की आय और प्रॉफिटेबिलिटी में सुधार होगा। यह हाल के कमजोर मार्जिन के प्रभाव को संतुलित करेगा। इतना ही नहीं घरेलू ब्रोकरेज ने टाटा स्टील के भारत में कारोबार पर अपनी राय दी। ब्रोकरेज ने कहा कि कंपनी को संरक्षणवादी नीतियों का लाभ मिलता रहेगा।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक को दूसरी तिमाही में 122 करोड़ रुपये का मुनाफा

बेंगलुरू : उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक को चालू वित्त वर्ष (2025-26) की दूसरी तिमाही में 122 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो तिमाही-दर-तिमाही 18.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव नौटियाल ने कहा, हमने इस तिमाही में संतुलित वृद्धि हासिल की है, जिससे अधिशेष नकदी का प्रभावी उपयोग हुआ और हमारा ऋण-जमा अनुपात 88.2 प्रतिशत पर पहुंचा। कुल जमा 39,211 करोड़ रुपये रहा जो सालाना 15.1 प्रतिशत अधिक है। चालू खातों और बचत खातों (कासा) में जमा राशि 10,783 करोड़ रुपये तक बढ़ी, जिसमें सालाना 22.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बैंक ने बताया कि खुदरा सावधि जमा और कासा मिलाकर कुल जमा का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा है। उसने बताया कि म्यूचुअल फंड वितरण और विदेशी मुद्रा उत्पाद ग्राहकों के लिए तीसरी तिमाही में शुरू किये जायेंगे।

ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 7.7 प्रतिशत बढ़कर 922 करोड़ रुपये हो गयी। बैंक की कुल एसेट क्वालिटी, जिसे क्रेडिट लागत से परिभाषित किया जाता है, 2.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही। परिसंपत्ति पर रिटर्न और निवेश पर रिटर्न क्रमशः एक प्रतिशत और 7.7 प्रतिशत तक बढ़े।

श्री नौटियाल ने वित्त वर्ष 2025-26 में अग्रिम ऋण लगभग 20 प्रतिशत बढ़ने का विश्वास जताया और कहा कि क्रेडिट लागत सकल ऋण पोर्टफोलियो के 2.3 प्रतिशत से 2.4 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है।

भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने सितंबर में बनाया 1.8 अरब डॉलर का नया रिकॉर्ड

» एप्पल के आईफोन निर्यात ने संभाली 75 फीसदी हिस्सेदारी

मुंबई

भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने इस साल सितंबर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश ने सितंबर 2025 में 1.8 अरब डॉलर के स्मार्टफोन निर्यात किए, जो पिछले साल सितंबर 2024 के 92.3 करोड़ डॉलर की तुलना में लगभग 100 प्रतिशत अधिक है। यह अब तक किसी एक महीने में स्मार्टफोन निर्यात की सबसे बड़ी छलांग है। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में स्मार्टफोन निर्यात 13.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8.4 अरब डॉलर की तुलना में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस वृद्धि एप्पल की प्रमुख भूमिका रही, जिसने 10 अरब डॉलर से अधिक के आईफोन निर्यात किए, कुल स्मार्टफोन निर्यात का लगभग 75 प्रतिशत था। एप्पल के दो प्रमुख विनिर्माण साझेदार फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक ने समान रूप से लगभग 5-5 अरब डॉलर का योगदान दिया। दोनों ही उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत काम कर रहे हैं। टाटा का नवीनतम आईफोन संयंत्र इस साल अप्रैल में होसूर में शुरू हुआ। इसके विपरीत सैमसंग के निर्यात में 17 प्रतिशत की गिरावट** दर्ज की गई, क्योंकि उसकी पीएलआई योजना मार्च 2025 में समाप्त हो गई। स्मार्टफोन निर्यात में इस तेजी ने भारत के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को भी नई ऊंचाई दी है। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 22.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है।

1 नवंबर से होगा आधार कार्ड से जुड़े बड़े नियमों में बदलाव

जानकारी अपडेट करने के लिए नामांकन केंद्र जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी

मुंबई

आधार कार्ड से जुड़े नियमों में अगले महीने 1 नवंबर से कुछ बड़े बदलाव होने जा रहे हैं।

अब आपको आधार में अपनी जानकारी अपडेट करने के लिए नामांकन केंद्र जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप घर बैठे ही ऑनलाइन अपने नाम, पता, जन्मतिथि या मोबाइल नंबर जैसी जानकारी बदल सकते हैं। ये सुविधा आधार को और आसान व सुरक्षित बनाने के लिए लाई गई है। साथ ही आधार को पैन कार्ड से जोड़ना भी अब जरूरी हो गया है। अगर आपने ऐसा नहीं किया, तो आपका पैन कार्ड इनएक्टिव हो सकता है। आप जो जानकारी देंगे, जैसे नाम या पता, वो सरकारी डॉक्यूमेंट्स जैसे पैन, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस या राशन कार्ड से अपने आप चेक हो जाएगी। इससे अपडेट की प्रोसेस तेज, आसान और सुरक्षित हो जाएगा। अब हर पैन धारक को 31 दिसंबर 2025 तक अपने पैन को आधार से जोड़ना होगा. अगर आप ऐसा नहीं करते, तो 1 जनवरी 2026 से आपका पैन कार्ड इनएक्टिव हो जाएगा। इसके अलावा, बैंक और दूसरी वित्तीय संस्थानों के लिए केवायसी प्रोसेस को भी आसान किया गया है। अब केवायसी के लिए आधार ओटीपी, वीडियो केवायसी या आमने-सामने सत्यापन का इस्तेमाल होगा। ये सब पेपरलेस और तेज है।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक को दूसरी तिमाही में 122 करोड़ रुपये का मुनाफा

बेंगलुरू : उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक को चालू वित्त वर्ष (2025-26) की दूसरी तिमाही में 122 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो तिमाही-दर-तिमाही 18.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव नौटियाल ने कहा, हमने इस तिमाही में संतुलित वृद्धि हासिल की है, जिससे अधिशेष नकदी का प्रभावी उपयोग हुआ और हमारा ऋण-जमा अनुपात 88.2 प्रतिशत पर पहुंचा। कुल जमा 39,211 करोड़ रुपये रहा जो सालाना 15.1 प्रतिशत अधिक है। चालू खातों और बचत खातों (कासा) में जमा राशि 10,783 करोड़ रुपये तक बढ़ी, जिसमें सालाना 22.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बैंक ने बताया कि खुदरा सावधि जमा और कासा मिलाकर कुल जमा का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा है। उसने बताया कि म्यूचुअल फंड वितरण और विदेशी मुद्रा उत्पाद ग्राहकों के लिए तीसरी तिमाही में शुरू किये जायेंगे।

ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 7.7 प्रतिशत बढ़कर 922 करोड़ रुपये हो गयी। बैंक की कुल एसेट क्वालिटी, जिसे क्रेडिट लागत से परिभाषित किया जाता है, 2.8 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही। परिसंपत्ति पर रिटर्न और निवेश पर रिटर्न क्रमशः एक प्रतिशत और 7.7 प्रतिशत तक बढ़े।

श्री नौटियाल ने वित्त वर्ष 2025-26 में अग्रिम ऋण लगभग 20 प्रतिशत बढ़ने का विश्वास जताया और कहा कि क्रेडिट लागत सकल ऋण पोर्टफोलियो के 2.3 प्रतिशत का असर है। जुलाई 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच निफ्टी 500 इंडेक्स में सिर्फ करीब 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों की एसआईपी ग्रोथ लगभग स्थिर दिखाई दे रही है।

रिपोर्ट बताती है कि एसआईपी को केवल एक साल में आंकना गलत है।

निवेश एक लंबी प्रक्रिया है और इसका सही मूल्यांकन कम से कम तीन साल बाद किया जा सकता है।

यूनिट्स भविष्य में अधिक मुनाफा देती हैं।

वैल्यू रिसर्च ने कहा है कि बहुत सारे फंड्स में निवेश बांट देना समझदारी नहीं है। कई निवेशक यह मानते हैं कि ज्यादा फंड्स का मतलब ज्यादा सुरक्षा, लेकिन असल में इससे पोर्टफोलियो बिखर जाता है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक 15,000 को 10 फंड्स में बांटता है, तब हर फंड में सिर्फ 1,500 का निवेश होता है, जिससे खास असर नहीं पड़ता।

चीन की 3 कंपनियों ने लांच किए अपने फ्लैगशिप फोन

नई दिल्ली

चाइना की तीन कंपनियों ओप्पो, शाओमी और वीवो ने चीन में अपने फ्लैगशिप फोन लॉन्च कर दिए हैं। आने वाले महीनों में, इन कंपनियों का फोकस अल्ट्रा ब्रांड वाले फ्लैगशिप फोन्स पर रहने की उम्मीद है, जिनमें बड़े डिस्प्ले, बेहतरीन कैमरा और प्रीमियम स्पेसिफिकेशन्स मिलेंगे।

हाल ही में टिप्स्टर स्मार्ट पिकाचु ने ओप्पो फाइंड एक्स9 अल्ट्रा के बारे में कुछ नई जानकारी साझा की है, जिसमें सबसे बड़ी बैटरी और कैमरा अपग्रेड्स की बात सामने आई है। लीक के अनुसार, फाइंड एक्स 9अल्ट्रा अपने पिछले अल्ट्रा मॉडल्स से बड़ी बैटरी के साथ आएगा।

जबकि अभी सटीक क्षमता सामने नहीं आई है, ओप्पो पहले ही कह चुका है कि 7000 एमएएच नहीं तो फ्लैगशिप नहीं, जिससे संकेत मिलता है कि एक्स 9अल्ट्रा में कम से कम 7000 एमएएच की बैटरी हो सकती है। यह शाओमी 17 अल्ट्रा और वीवो एक्स300 अल्ट्रा में मिलने वाली बैटरी से भी बड़ी हो सकती है। डिस्प्ले और कैमरा के मामले में भी एक्स 9अल्ट्रा प्रीमियम होगा। टिप्स्टर के मुताबिक इसमें 2के रिजॉल्यूशन वाली 6.8 इंच की स्क्रीन और आई प्रोटेक्शन सपोर्ट मिलेगा।

कैमरा सेटअप क्वाड लेंस का होगा, जिसमें पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरों की जोड़ी शामिल है। दोनों पेरिस्कोप कैमरों को बड़े सेंसर के साथ अपग्रेड किया गया है, जिससे मैक्रो, पोर्ट्रेट और जूम मोड में फोटोग्राफी और बेहतर होगी।

लॉन्च की संभावित तिथि 2026 की दूसरी तिमाही बताई जा रही है, जब एक्स 9अल्ट्रा के साथ फाइंड एक्स9 एस भी पेश किए जा सकते हैं।

इसके अलावा, ओप्पो एक अल्ट्रा थिन फोन पर भी काम कर रहा है, हालांकि अभी इसका नाम और सीरीज का विवरण स्पष्ट नहीं है।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड न्यूट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल ? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।
- मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि खाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढे? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढ़ाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि खाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मेन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मेन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

अमित शाह का मिशन जय -विजय , नीतीश और महागठबंधन

कुमार कृष्णन

बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रूके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सपना अगले पाँच दशकों तक पंचायत से लेकर संसद तक भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में देखना है। नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में भाजपा अध्यक्ष के रूप में, शाह ने पार्टी कार्यकताओं से बार-बार इस दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया था। बिहार का उस सपने में एक विशेष स्थान है। शाह 2015 में उनके नेतृत्व में राज्य में भाजपा को मिले उस झटके को नहीं भूले हैं, जब समाजवादी दिग्गज लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने भाजपा की सत्ता की कोशिश को विफल करने के लिए हाथ मिलाया था। उनके करीबी लोगों के अनुसार, बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात–भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला–शाह को खटक रहा है। नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस आ गए हैं, लेकिन भाजपा के एकछत्र शासन की उनकी आकांक्षा अभी भी अधूरी है। बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रूके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मुंगेर व खगड़िया की धरती पर पांच वर्ष बाद उनका यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना था। इससे पूर्व 2020 के विधानसभा चुनाव में वे मुंगेर आए थे। इस बार नौवागढ़ी में आयोजित जनसभा के माध्यम से वे न सिर्फ मुंगेर, बल्कि आसपास के जिलों खगड़िया, बांका, लखीसराय और जमुई के एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में वोट की अपील की। इससे पहले खगड़िया में खगड़िया मुख्यालय (संसारपुर मैदान) की सभा रद्द होने से तेजस्वी यादव भड़क उठे।इसे तानाशाही रवैया करार दिया। तेजस्वी ने आरोप लगाया, भाजपा और प्रशासन को जनता की भीड़ से डर लग रहा है। लेकिन जनता अब किसी के दबाव में आने वाली नहीं है। जनता का मूड भांपना कठिन है। मुंगेर में

मंच पर पहुंचने के बाद अमित शाह ने देखा कि दर्शक दीर्घा में कुर्सियां खाली हैं। स्वागत समारोह के दौरान, भीड़ कम होने पर उन्होंने मंच संचालन कर रहीं अंजू भारद्वाज को इशारा किया और प्रदेश अध्यक्ष से संबोधन शुरू करने को कहा। इसी बीच, गृह मंत्री अपनी कुर्सी से उठकर खड़े हो

गए और मंच से ही सुरक्षा में लगे पुलिस जवानों को निर्देश दिया कि वे चेकिंग हटा दें और लोगों को बिना जांच के कार्यक्रम स्थल पर आने दें। अमित शाह जंगल राज का हवाला देते रहे है।वहीं दूसरी ओर महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ एनडीए के साथ चुनावी जंग शुरू कर दी, जिसकी सरकार ने बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान कई मुफ्त योजनाओं की घोषणा की थी।

वहीं महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में घोषित तेजस्वी यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में सत्तारूढ़ राजग खत्म होने की राह पर है और महागठबंधन के नेतृत्व वाली राज्य की नई सरकार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में डाल देगी। यह कहकर मुस्लिम मतदाताओं की ओर जहां पासा फेंका, वहीं उन्होंने सत्ता में आने पर पंचायत प्रतिनिधियों के भत्ते दोगुने करने और उन्हें पेंशन देने का वादा किया। उन्होंने बढ़ई, कुम्हार और नाइयों को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त व्यावसायिक ऋण देने का वादा किया।तेजस्वी, ने पहले हर परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने और संविदा कर्मचारियों को स्थायी रोजगार देने का वादा किया था, ने अपने व्यापक कल्याणकारी एजेंडे के वित्तीय रोडमैप का ब्यौरा देने से परहेज किया।जब उनसे पूछा गया कि नकदी की तंगी की स्थिति में वे धन का प्रबंध कैसे करेंगे, तो उन्होंने कहा, हमने वैज्ञानिक अध्ययन किया है और यह किया जा सकता है। तेजस्वी अपने वादे पूरे करते हैं।

तेजस्वी ने पटना में मीडिया से कहा, महागठबंधन की सरकार बनने पर हम बिहार की त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था और ग्रामकचहरी के प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना कर देंगे।पंचायतों और ग्राम कचहरियों के प्रतिनिधि पेंशन की मांग कर रहे हैं। हमने तय किया है कि उन्हें पेंशन मिलेगी और साथ ही 50 लाख रुपये का बीमा कवरेज भी मिलेगा। तेजस्वी के बड़े-बड़े वादे नीतीश कुमार सरकार की नवीनतम घोषणाओं से आगे निकलने की उनकी उत्सुकता को दशार्ते हैं।विधवाओं और विकलांगों के लिए पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये प्रति माह करने के अलावा, नीतीश ने ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 1 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपये की नकद राशि हस्तांतरित की है । जून में, राज्य सरकार ने बिहार की 8,053 ग्राम पंचायतों, 533 पंचायत समितियों और 38 जिला परिषदों के प्रतिनिधियों के भत्ते और अन्य लाभ बढ़ा दिए।नीतीश ने जिला परिषद अध्यक्षों का मासिक भत्ता रू. 20,000 से बढ़ाकर रू. 30,000 कर दिया है , उपाध्यक्षों का मासिक भत्ता रू. 10,000 से बढ़ाकर ? 20,000 कर दिया है। मुखियाओं (पंचायत प्रमुखों) का मासिक भत्ता रू. 5,000 से बढ़ाकर रू. 7,500 कर दिया गया है ।तेजस्वी का बढ़ई, कुम्हार और नाई जैसे कारीगरों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा, अति पिछड़े वर्गों तक पहुंच बनाने का प्रयास प्रतीत होता है। तेजस्वी ने कहा, बिहार बदलाव के लिए तरस रहा है; लोग वर्तमान सरकार से तंग आ चुके हैं।

राजनीतिक गलियारे में बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात–भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला–शाह को खटक रहा है। इसलिए गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं, 'मैं यह तय करने वाला नहीं हूं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं। फिलहाल हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के बाद सभी सहयोगी दल बैठकर अपने नेता का चयन करेंगे।' अमित शाह ने यह कहकर अटकलें बढ़ा दीं कि भाजपा का संसदीय बोर्ड इस पर फैसला लेगा। तब से ही नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। यह सवाल भी किया जा रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने एकनाथ शिंदे के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। फिर जीत गए तो मुख्यमंत्री अपना बना लिया।

नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू केंद्र में भी एनडीए के साथ है और सरकार में शामिल है। भाजपा का अपने दम पर बहुमत नहीं है और जेडीयू के 12 सांसद हैं।

बार बिहार में भाजपा और जदयू बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि 2020 में जदयू को चुनाव लड़ने के लिए ज्यादा सीटें दी गई थीं। हालांकि, तब भी जदयू भाजपा के मुकाबले कम सीटों पर ही जीती थी। कम सीटों पर जीतने के बाद भी बीजेपी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर आधिकारिक तौर पर स्थिति एकदम साफ नहीं कर रही है तो इसके पीछे की वजहों पर भी चर्चा होने लगी है।

नीतीश कुमार, जिन्हें बहुत लोग राजनीति का 'चाणक्य' कहते हैं, जानते हैं कि मुश्किल समय में भी कैसे खुद को मजबूत और अहम बनाए रखना है। राज्य में शराब बंद करने के फैसले पर कई बार आलोचना हुई, लेकिन उन्होंने कई बार कहा, 'शराब बंदी पर मैं झुकने वाला नहीं हूँ.' यह दिखाता है कि वे अपने फैसलों में बहुत सख्त और अडिग रहते हैं। दूसरी तरफ, वे काफी लचीले भी रहे हैं. 2024 में एनडीए में लौटने के बाद, नीतीश ने वादा किया कि अब वे फिर से पार्टी नहीं बदलेंगे, जबकि पिछले 15 सालों में वे इसे अक्सर करते रहे हैं।

इन टूट-फूट और मेल-मिलाप के बावजूद, नीतीश कुमार फिर से सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य चेहरा बने हुए हैं। अब भी बने रहेंगे इसका फैसला बिहार के लोगों के हाथ में है. उनका वोट ही इस भ्रम को साफ करेगा, जब 14 नवंबर को चुनाव के नतीजे घोषित होंगे।

संपादकीय

कैसे फाड़ेंगे वक्फ कानून?

विपक्ष के मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव और राजद के कट्टरवादी छुटभैया नेता भी मुस्लिमवादी हैं। वे घोर मोदी-विरोधी हैं और अब भी उन्हें 2002 के गोधरा दंगों का 'खलनायक' करार देते हैं। देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुसलमानों के लिए भी उन्होंने योजनाएं बनाई हों, मुफ्त अनाज बांटा हो, देश के संसाधनों तक उनकी सहज पहुंच तय की हो, लेकिन वे मोदी को 'संहारक' मानते हैं। देश की सर्वोच्च अदालत का भी ऐसा कोई फैसला नहीं है, लेकिन ज्यादातर मुसलमान प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' बहुत छोटे और अनुपयुक्त शब्द हैं। वक्फ कानून का विरोध ही 'सांप्रदायिक' है। पहले तेजस्वी ने एक सार्वजनिक मंच से वक्फ संशोधन कानून की मुखालफत करते हुए हुंकार भरी थी कि बिहार में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार बनी, तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। अब राजद के विधान परिषद सदस्य कारी शोएब ने मुस्लिम वोट बैंक को उकसाने के मद्देनजर चुनावी मंच से धमकी-सी दी है कि जिन्होंने वक्फ बिल को समर्थन दिया था, उनका इलाज किया जाएगा। बिहार में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद वक्फ समेत ऐसे तमाम बिलों को फाड़ कर फेंक दिया जाएगा। यह कैसा अनर्गल अलाप और चुनाव-प्रचार है? संविधान के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और हाथों में संविधान की फर्जी प्रति लिए उसके 'रक्षक' होने का दंभ भरते हैं और सार्वजनिक मंचों से 'घोर असंवैधानिक' ऐलान करते हैं! सवाल है कि संसद के दोनों सदनों में पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या बिगाड़ सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा। जिस मुस्लिम छुटभैये ने 'इलाज' करने की धमकीनुमा भाषा का इस्तेमाल किया है, तो सवाल है कि कल्पित तेजस्वी सरकार किनका इलाज करेगी?

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है।

आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुःख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है। शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुख प्राप्त करता है।

अमेरिका ने फिर भेजे बेड़ी और हथकड़ी में भारतीयों को

सनत जैन

भारत से कौन सी दुश्मनी निकाल रहे हैं ट्रंप...

अमेरिका द्वारा एक बार फिर भारतीयों को बेड़ी और हथकड़ियों में जकड़कर भारत डिपोर्ट किया गया है। यह कृत्य मनोवैज्ञानिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा दोनों के खिलाफ है। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकारों, भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर भी यह कृत्य बहुत आपत्तिजनक है। सूचनाओं के मुताबिक कई युवा, बेहतर जीवन और रोजगार की उम्मीद लेकर अमेरिका गए थे। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगातार नियम और कानून को बदला जा रहा है, ऐसी स्थिति में ही उन्हें अमेरिका से बाहर निकाला जा रहा है। जिन लोगों को अमेरिका से भारत भेजा गया है, उनके साथ अमेरिका में हिंसक और अपमानजनक व्यवहार किया गय और फिर आतंकवादियों की तरह भारत वापस भेजा गया है। उनके हाथ-पैर जंजीरों में बन्धे हुये थे। इस स्थिति को लेकर युवा और उनके परिवारजन किस तरह से अपमानित और असहज महसूस कर रहे होंगे। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कार्यवाही साधारण नीतिगत कदम नहीं है। ट्रंप प्रशासन भारत के साथ जानबूझकर इस तरह की कार्यवाही कर रहा है। पहले भी इस तरह की कार्रवाई अमेरिका कर चुका है। भारत सरकार द्वारा विरोध दर्ज कराने के बाद भी यदि यही कार्रवाई बार-बार हो रही है तो यह भारत के लिए बड़ी चिंताजनक स्थिति है। कई वर्षों से चले आ रहे प्रवासन, मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिल समस्या एक अलग बात है, लेकिन जो छात्र या अन्य लोग रोजी रोजगार के लिए गए हैं जो किसी अपराध में लिप्त नहीं थे उन्हें यदि इस तरीके से भारत वापस भेजा जाता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। सबसे पहले, इसे मानवाधिकार के नजरिए से देखा जाना चाहिए। किसी भी नागरिक को, चाहे वह किसी भी देश का क्यों न हो। जब गिरफ्तार या डिपोर्ट किया जा रहा हो, तब उसके साथ इस तरह का व्यवहार, जिसमे भूख-प्यास, कई दिनों तक हिरासत में रखने और उत्पीड़न कर पीड़ित करने जैसे कृत्य अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के विरुद्ध हैं। आव्रजन नियमों के उल्लंघन में बच्चे, बूढे, युवा और महिलाओं को हिरासत में रखकर भोजन-जल तथा बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वह हिरासत में शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना झेलते हैं। यह कानूनी कार्रवाई नहीं, मानवता पर चोट है। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका की सरकार जानबूझकर भारत को अपमानित करने के लिए इस तरह से भारतीयों को परेशान कर रही है। भारत सरकार का दायित्व बनता है, वह अपने नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा की निगरानी करे। विशेषकर उन लोगों की जो धोखे या एजेंटों के जाल में फँसकर पढ़ाई अथवा रोजगार के कारण अमेरिका जाते हैं। यह स्पष्ट है, आर्थिक विषमता, शिक्षा सीमापार रोजगार की लालसा, प्रवासन इसका मुख्य कारण है। विदेश में जाकर पढ़ाई और रोजगार करने के लिए कई परिवारों ने जमीन-सम्पत्ति बेच दी। युवाओं ने बड़े कर्ज उठाकर विदेश जाने की कोशिश की। भारत और अमेरिका के ठगों द्वारा मानों उन्हें शिक्षा और रोजगार के नाम पर धोखा देकर ठग लिया गया हो। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में अपने कानून में परिवर्तन कर-के जो कल तक वैध था उसे आज अवैध बना दिया है। ऐसी स्थिति में अमेरिका और भारत सरकार के लिए जिम्मेदारी और एक चुनौती है। दोनों देशों के लिए इस स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इस तरह की समस्या को कूटनीतिक संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाया जाना जरूरी होता है। पूर्व में हुई सहमति के बावजूद यदि इस तरह का व्यवहार किया जाता है, तो यह दोनों देशों के बीच स्पष्ट तर्क-वितर्क और पारदर्शिता की कमी अथवा जानबूझकर किया जा रहा कृत्य माना जायगा। पीड़ित परिवारों की सुनवाई और दोषी एजेंटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना दोनों देशों की जिम्मेदारी है। इस तरह की घटना प्रवासन कानूनी विषय मात्र नहीं है। यह मानवीय, सामाजिक और आर्थिक समस्या से जुड़ा हुआ प्रश्न है। पिछले 8 महीने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि वह समय-समय पर भारत को अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। ट्रंप प्रशासन ऐसा क्यों कर रहा है, इस बात की जानकारी भारत सरकार को हो सकती है। भारत सरकार को इस तरह की समस्या के निदान के लिए स्वयं आगे आकर पहल करनी चाहिए थी, लेकिन जिस तरह से भारत सरकार ने चुप्पी साध रखी है उससे सभी को आश्चर्य हो रहा है। इसके पहले भारत और अमेरिका के बीच इस तरह के संबंध नहीं थे। यह भी कहा जाता था कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत दोस्ती इतनी मधुर है कि वह उनके चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए अमेरिका चले गए थे। पिछले कई महीनो से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर टैरिफ लगाने से लेकर कारोबार और पाकिस्तान-भारत के संबंधों को लेकर जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं उसका कोई जवाब भारत नहीं दे रहा है। इसको लेकर अब लोगों के मन में अमेरिका के साथ-साथ भारत सरकार के प्रति भी गुस्सा देखने को मिल रहा है। लोग कहने लगे हैं कि 1971 में जब भारत इतना मजबूत नहीं था तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका को जो जवाब दिया था उसे आज भी पूरी दुनिया नहीं भूली है। 1971 की तुलना में जब हम 100 गुना ज्यादा सशक्त हैं, ऐसी स्थिति में भारत सरकार की चुप्पी यह बता रही है कि डोनाल्ड ट्रंप जानबूझकर भारत को अपमानित कर रहे हैं। इस कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि पिछले 10 सालों में बनी थी उसको भी सबसे बड़ा नुकसान हो रहा है। वही आम जनता के मन में यह भय उत्पन्न हो रहा है कि हम पहले जैसे सुरक्षित नहीं रहे। अमेरिका में जिस तरह से प्रवासी भारतीयों के ऊपर हमले बढ़ रहे हैं, उस पर भी भारत सरकार की चुप्पी से लोग हैरान हैं। भारत सरकार को इस घटना को गंभीरता से लेना होगा नहीं तो अमेरिका आगे चलकर इसी तरीके से भारत को अपमानित करता रहेगा जो भारत के हित में नहीं होगा।

तेजस्वी को पिता का आशीर्वाद, तेज प्रताप को खुद पर भरोसा, कौन बनेगा लालू की विरासत का असली वारिस?

नीरज कुमार दुबे

बिहार की राजनीति एक बार फिर उसी मोड़ पर है, जहां सत्ता की जड़ें वंश, विरासत और विद्रोह के ताने-बाने में उलझी हुई हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के दो बेटे– तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव आज एक-दूसरे से अलग राहों पर खड़े हैं, लेकिन दोनों की राजनीति अब भी एक ही राजनीतिक केंद्र की परिक्रमा करती दिखती है। एक ओर राघोपुर है– जिसे लोग 'मुख्यमंत्रियों की धरती' कहते हैं। यही वह सीट है जिसने पहले लालू प्रसाद और फिर राबड़ी देवी को सत्ता के शिखर तक पहुँचाया। अब वहीं से लालू के छोटे पुत्र तेजस्वी यादव तीसरी बार मैदान में हैं और इस बार वह सिर्फ उम्मीदवार नहीं, बल्कि 'मुख्यमंत्री पद' के दावेदार भी हैं।

दूसरी ओर है महुआ– जहां कभी बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब वह उसी भूमि पर लौटे हैं, लेकिन इस बार पिता की पार्टी से निष्कासित होकर, एक नई राजनीतिक पहचान के साथ– जनशक्ति जनता दल के मुखिया के रूप में। देखा जाये तो यह चुनाव सिर्फ सीटों का मुकाबला नहीं, बल्कि एक परिवार के भीतर विचारों, अहं और नेतृत्व की टकराहट का भी मंच बन गया है।

राघोपुर की बात करें तो आपको बता दें कि वैशाली जिले का राघोपुर विधानसभा क्षेत्र इस बार बिहार चुनाव का सबसे हाई-प्रोफाइल रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ के 3.4 लाख से अधिक मतदाता जानते हैं कि उनका फैसला राज्य का भविष्य तय कर सकता है। तेजस्वी यादव, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके अभियान का केंद्र है– 'परिवर्तन की राजनीति।' रैलियों में वह बार-बार कहते हैं, 'यह चुनाव बिहार को दिशा देने का अवसर है, केवल सरकार बदलने का नहीं।' राजद के पारंपरिक यादव वोटों के साथ इस बार वाम दलों और कांग्रेस का भी साथ है। निषाद वोटों में पकड़ रखने वाली वीआईपी पार्टी भी गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन इस गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहे हैं भाजपा के सतीश कुमार। वही सतीश कुमार जिन्होंने 2010 में राबड़ी देवी को हराकर इस 'वीआईपी सीट' को झटका दिया था।

सतीश कुमार सवाल उठाते हैं– 'दो बार उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी अपने क्षेत्र के लिए एक कॉलेज या अस्पताल तक नहीं दिला सके। अगर स्थानीय विकास नहीं दिखा, तो राज्य के विकास के वादों पर भरोसा कैसे किया जाए?' तेजस्वी पर भरोसा करने वाला यादव वर्ग भी इस बार आत्ममंथन की स्थिति में है। एक ओर वह 'अपना लड़का' देख रहे हैं, तो दूसरी ओर बीते दो दशकों की सत्ता-विहीनता की कसक भी महसूस कर रहे हैं। दूसरी ओर, राघोपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर महुआ में कहानी बिल्कुल अलग लेकिन उतनी ही भावनात्मक है। यही वह सीट है जहाँ 2015 में तेज प्रताप यादव ने अपनी पहली राजनीतिक जीत दर्ज की थी। अब वह लौटे हैं, लेकिन इस बार बिना राजद के झंडे के। महुआ में एक दिलचस्प कहावत सुनाई देती है– 'घी दाल में ही गिरता है।' मतलब यह कि चाहे तेज प्रताप को वोट दो या राजद को, फायदा अंततः लालू परिवार को ही होगा। यह भावनात्मक रिश्ता अभी भी बिहार के यादव मतदाता के दिल में ज़िंदा है। राजद ने इस सीट पर अपने वफादार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन को उम्मीदवार बनाया है। रौशन की सबसे बड़ी चुनौती तेज प्रताप नहीं, बल्कि भावनाएं हैं– जो लालू परिवार की हर शाखा को जोड़ती हैं। तेज प्रताप का कहना है कि 'राजद में लौटने से अच्छा मौत चुनना है।' लेकिन बिहार के लोग जानते हैं कि इस परिवार के राजनीतिक रिश्ते हमेशा 'तलाकशुदा' नहीं होते। वे तकरार के बीच भी साथ जीने की कला जानते हैं। तेज प्रताप के वादे भी हमेशा की तरह रंगीन हैं– 'अगर जीत गया, तो महुआ में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाऊँगा, जहाँ भारत-पाकिस्तान मैच होगा।' पर जमीनी हकीकत कुछ और है– मेडिकल कॉलेज बना, लेकिन दरवाजे बंद हैं; भवन खड़ा है, मगर बिस्तर नहीं। यही कारण है कि महुआ का मतदाता आज 'दिल और दिमाग' के बीच झूल रहा है।

इसके अलावा, बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव की विचारधारा आज दो दिशाओं में बंटती दिख रही है। तेजस्वी उस विचारधारा को आधुनिक चेहरे में ढालना चाहते हैं और अपने भाषणों में बेरोजगारी, शिक्षा और शासन की नई भाषा के बारे में बात कर रहे हैं वहीं तेज प्रताप उस विचारधारा को भावनात्मक लोकलुभावन रूप में जिंदा रखना चाहते हैं और अपने भाषणों में धर्म, जाति और गौरव के प्रतीकों का जिक्र कर रहे हैं। राघोपुर से तेजस्वी जहाँ लालू का 'विकल्प' बनने की कोशिश में हैं, वहीं महुआ में तेज प्रताप 'विरासत' के बोझ और आशीर्वाद के बीच झूलते दिख रहे हैं। बहरहाल, अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस चुनावी रणभूमि में लालू प्रसाद का आशीर्वाद ज्यादा असर दिखाता है या लालू प्रसाद का नाम। देखना दिलचस्प होगा कि पिता के समर्थन से राघोपुर में उतरा छोटा बेटा तेजस्वी यादव सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ता है या फिर अपने दम और अदाओं के भरोसे मैदान में उतरा बड़ा बेटा तेज प्रताप यादव कोई चमत्कार कर दिखाता है। बिहार की जनता जानती है– यहाँ राजनीति सिर्फ गणित नहीं, थोड़ा तंत्र और बहुत सारा नाट्यशास्त्र भी है। बाकी, घी दाल में गिरता है या हांडी में, यह तो मतगणना वाले दिन ही पता चलेगा!

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

द गर्लफ्रेंड कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं : रश्मिका मंदाना

बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा फिल्म द गर्लफ्रेंड जल्द ही रिलीज होने वाली है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है।
रश्मिका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं, यह आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म द गर्लफ्रेंड का ट्रेलर रिलीज। फिल्म में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अभिनेता धीक्षित शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। 2 मिनट 39 सेकंड के ट्रेलर में रश्मिका भूमा के किरदार में और धीक्षित विक्रम के किरदार में नजर आएंगे।
फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म में अनु इमैनुएल का किरदार भी अहम है। फिल्म तेलुगु के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि विक्रम (धीक्षित) को एक टॉक्सिक, डॉमिनेटिंग, घमंडी, हिंसक और शक्की बॉयफ्रेंड के रूप में दिखाया गया है, जबकि भूमा एक साधारण और सहज लड़की है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते के बोझ में दबी है। ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका (भूमा) झिझकते हुए विक्रम से कहती है कि क्या हम थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं? जिस पर रिएक्ट करते हुए विक्रम कहता है, ब्रेक का मतलब एक से ब्रेक है। इसके बाद कहानी पीछे जाती है, जहां विक्रम भूमा को प्रपोज करता है, जिसमें वह कहता है, परसों शुभ मुहूर्त है, चलो शादी कर लेते हैं। विक्रम को भूमा पर पूरा भरोसा है, लेकिन भूमा झिझकते हुए उसे बॉयफ्रेंड कहती है। फिल्म का लेखन और निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है। हेशाम अब्दुल वहाब ने म्यूजिक दिया है और सिनेमैटोग्राफी कृष्णन वसंत ने की है। द गर्लफ्रेंड एक इमोशनल कहानी का वादा करती है, जो प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करेगी।

उर्वशी रौतेला के अलग-अलग तीन गानों रचा इतिहास

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया। यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज़ के क़रीब पहुंच रहे हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज़ का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इसके साथ ही, वह न सिर्फ़ पहली, बल्कि इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक प्रभाव, जबरदस्त लोकप्रियता और बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के तमाम देशों तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय एंथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज़ के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेज़ी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार शेयर करते हैं। ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल मौजूदगी ही प्रभाव को तय करती है, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया है जहाँ पहुंचना बहुतों के लिए नामुमकिन होता है। एक युवा प्रतिभा से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली ग्लोबल आर्टिस्ट बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह धारणाएँ बदल रही हैं, महिला कलाकारों के लिए नए मानक गढ़ रही हैं और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं।

कशिका कपूर की शालीनता ने मंत्रमुग्ध कर दिया सभी को

हाल ही में कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराज़ी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल सेंसेशन बन गया फैन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए। अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने सिग्नेचर स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नज़र आती हैं आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर-ड्रामैटिक अंदाज़, न कोई बनावट बस एक शांत आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल मिंट आउटफिट की तारीफ़ कर रहा था, वहीं यह साफ़ दिख रहा था कि बात सिर्फ़ कपड़ों की नहीं थी बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस शख्सियत के रूप में पेश किया जो जानती हैं कि वो कौन हैं और कहां जा रही हैं। हर फ़्रेम में उनके सफ़र की झलक थी एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक। कशिका की ख़ासियत उनकी संतुलन भरी शालीनता है ग्लैमर के बीच भी ज़मीन से जुड़ी हुई। वायरल होने के बावजूद, वो खुद को सच्चाई से पेश करती हैं अपनापन और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ़ दिखने के लिए नहीं हैं बल्कि याद किए जाने के लिए हैं। मालूम हो कि कभी-कभी कोई रेड कार्पेट लम्हा सिर्फ़ फैशन तक सीमित नहीं रहता वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक।

बेबाकी और हिम्मत की मिसाल बनीं मल्लिका शेरावत

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने परिवार के विरोध, समाज की बंदिशों और आलोचनाओं के बावजूद अपने सपनों की राह चुनी। हिंदी सिनेमा की दुनिया में नाम कमाना जितना आसान दिखता है, उतना ही कठिन होता है। इसके बावजूद मल्लिका ने हार नहीं मानी। मल्लिका कहती हैं कि अगर किसी चीज को

पाने की सच्ची चाह हो, तो दुनिया की कोई ताकत आपको रोक नहीं सकती। यही जिद उन्हें हरियाणा के छोटे से गांव से मुंबई तक ले आई और उन्होंने साबित कर दिया कि आत्मविश्वास और मेहनत से असंभव भी संभव हो सकता है। 24 अक्टूबर 1976 को जन्मी मल्लिका शेरावत का असली नाम रीमा लांबा है। परिवार ने उनके फिल्मों में आने के फैसले का कड़ा विरोध किया, लेकिन मल्लिका के मन में कुछ बड़ा करने की आग थी। उन्होंने घर छोड़ दिया और बिना किसी सहारे मुंबई पहुंच गईं। वह बताती हैं, 'जब मैं हरियाणा से मुंबई आई, मेरी जेब में दस रुपए थे या नहीं, किसी ने नहीं पूछा।
कोई लाल कालीन नहीं बिछा था। लेकिन मैंने ठान लिया था कि अपनी जिंदगी अपने नियमों से जीऊंगी।' मल्लिका ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और अमिताभ बच्चन व शाहरुख खान जैसे दिग्गजों के साथ विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों के ऑडिशन मिलने लगे और 2004 में आई फिल्म मर्डर ने उनकी किस्मत बदल दी। इस फिल्म ने मल्लिका को रातोंरात स्टार बना दिया और वह बॉलीवुड की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। मल्लिका ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मर्डर इतनी बड़ी हिट होगी। मैं भट्ट साहब की फिल्में देखकर बड़ी हुई थी। इमरान हाशमी जेंटलमैन थे और बोल्ड सीन के बावजूद मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी।' फिल्म की सफलता के साथ मल्लिका को जहां शोहरत मिली, वहीं कई विवाद भी सामने आए।
उन्होंने कहा कि लोग उनके ऑन-स्क्रीन किरदार को उनकी असल जिंदगी से जोड़ने लगे। 'लोगों को लगता था कि अगर मैं स्क्रीन पर बोल्ड सीन कर सकती हूं तो निजी जीवन में भी वैसी ही हूं। लेकिन मैंने हमेशा कहा कि रील और रियल लाइफ अलग होती हैं,' मल्लिका ने कहा। मल्लिका ने अपनी जिंदगी में अनुशासन को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, 'मैं शाकाहारी हूं, शराब-सिगरेट नहीं छूती, देर रात तक पार्टियों में नहीं जाती। मैं जल्दी सोती हूं, जल्दी उठती हूं और अपनी फिटनेस का पूरा ध्यान रखती हूं। मैंने कभी प्लास्टिक सर्जरी नहीं करवाई क्योंकि इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी।' मल्लिका ने हॉलीवुड में जैकी चैन के साथ द मिथ में काम किया, कान्स फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की और कमला हैरिस व बराक ओबामा जैसे दिग्गजों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भले ही परिवार ने कभी नहीं कहा कि उन्हें उन पर गर्व है, लेकिन दुनिया से मिला सम्मान उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।'

बॉलीवुड में हक से वर्तिका सिंह करेंगी डेब्यू

आगामी फिल्म हक बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की इस फिल्म से पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया-सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही है। इस फिल्म में वर्तिका एक ऐसी महिला की भूमिका निभाएंगी जो भावनात्मक रूप से बहुत मजबूत है। सुपर्ण वर्मा इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस 'द फैमिली मैन' और 'राणा नायडू' जैसी वेब सीरीज में अपने संजीदा अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में अपने रोल के लिए वर्तिका ने काफी ट्रेनिंग ली। उन्होंने कई भाषा के जानकारों से उनके किरदार के लिए बोलने का लहजा सीखा। कई वर्कशॉप भी लीं। वर्तिका सिंह लखनऊ की रहने वाली हैं।

इस फिल्म की शूटिंग लखनऊ में भी हुई है। मेकर्स का कहना है कि इस रोल के लिए वह बिलकुल परफेक्ट थीं। वर्तिका सिंह ने 2019 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के 68वें संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले उन्हें 2015 में फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज पहनाया गया। जीक्यू मैगजीन ने उन्हें 2017 में भारत की सबसे खूबसूरत महिलाओं में शुमार किया था। फिल्म हक की कहानी साल 1985 के प्रसिद्ध शाह बानो बनाम अहमद खान केस से प्रेरित है, जो महिला अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म में यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभा रही हैं, जबकि इमरान हाशमी उनके पति मोहम्मद अहमद खान की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म हक को सुपर्ण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इसमें शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टंगडी जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी मशहूर जर्नलिस्ट जिग्ना वोरा की बुक बानो-भारत की बेटी पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद जिग्ना वोरा ने कहा था कि फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने-किरदार के साथ न्याय किया है।

फिल्म इंडस्ट्री के एक हिस्से में स्थायी सोच पनपी हुई है: अभिनव कश्यप

बालीवुड फिल्म निर्देशक अभिनव कश्यप ने सुपर स्टार सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के संदर्भ में अपने अनुभव और नाखुशी जाहिर की। अभिनव ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री के एक हिस्से में एक स्थायी सोच पनपी हुई है जो नए नजरिये और क्रिएटिविटी को दबा देती है। उनके मुताबिक इंडस्ट्री में यह धारणा फैली है कि फिल्में हीरो के दम पर चलती हैं और फ्लॉप होने पर निर्देशक को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है जिसे उन्होंने जिहादी मानसिकता तक कह डाला। अभिनव ने बताया कि शाहरुख के साथ उनकी करीबी बातचीत रही है और आमिर के साथ भी उन्होंने काम किया है, इसलिए उनके अनुभवों की बुनियाद पर वे इन टिप्पणियों को कर रहे हैं।
शाहरुख के बारे में वे कुछ बातें सार्वजनिक नहीं करना चाहते क्योंकि उनका मानना है कि इससे शाहरुख के परिवार पर असर पड़ सकता है अगर मैं उनके खिलाफ खुल जाऊं तो बहुत कुछ बिगड़ जाएगा, उन्होंने कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शाहरुख को वे एक पारिवारिक व्यक्ति समझते हैं और उनके घर-परिवार को संकट में नहीं डालना चाहते। वहीं आमिर खान को लेकर अभिनव ने कड़ा रुख अपनाया और उन्हें सबसे चालाक लोमड़ी और मैनिपुलेटिव बताया। उन्होंने कहा कि आमिर ने उन्हें भी कई बार मैनिपुलेट किया और उनके काम करने के तरीके पर भी सवाल उठाए। अभिनव ने यह भी दावा किया कि आमिर कई बार कई टेक्स लेते हैं जबकि उनका पहला और आखिरी टेक समान रहता है और उन्होंने कुछ व्यक्तिगत किस्सों का भी जिक्र किया।
सलमान खान पर अभिनव ने पहले भी तीखी बातों की हैं और इस इंटरव्यू में उन्होंने फिर उनसे जुड़ी आलोचनात्मक टिप्पणियां दोहराईं। साथ ही उन्होंने सलीम खान और कुछ अटकलों को जोड़ते हुए विवादित शब्दों का प्रयोग किया, जिनमें उन्होंने लव जिहादी और थूक जिहादी जैसे उपमाओं का इस्तेमाल किया। ये टिप्पणियां सोशल और व्यक्तिगत व्यवहार पर उनकी व्यंग्यात्मक टिप्पणी के रूप में आईं। अभिनव के बयान बॉलीवुड के भीतर चल रहे गहन गुटबाजी और शक्ति-संबंधों की चर्चा को फिर से हवा देंगे। उनके आरोपों और टिप्पणियों ने इंडस्ट्री में सार्वजनिक बहस को नई त्वरितता दी है, जबकि जिन पर निशाना साधा गया है उन्होंने अभी तक आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

श्रद्धा दास आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहुंची

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा दास सीरीज़, सर्च-द नैना मर्डर केस में उनके रोल ने उन्हें आधिकारिक आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पर पहुँचा दिया है। एक्ट्रेस पैन इंडिया स्टार अब शाहरुख खान, सलमान खान, जान्हवी कपूर, कियारा आडवाणी और कोंकणा सेन शर्मा जैसी हस्तियों से आगे निकल गई हैं। आईएमडीबी रैंक में इस नाटकीय उछाल के बारे में जानकर अभिनेत्री ने आश्चर्य व्यक्त किया। दास ने कहा, मुझे इस बारे में पता नहीं था जब तक कि मेरे एक दोस्त ने मुझे यह नहीं भेजा और 15 से 4 पर आने के कारण मैं बहुत अभिभूत और हैरान थी! सीरीज़ में रक्षा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इस नई पहचान का श्रेय दर्शकों के प्यार को दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि सर्च-द नैना मर्डर केस सीरीज़ में मेरा रक्षा का किरदार मुझे दर्शकों से इतना प्यार दिलाएगा!

रोम में छुट्टियों का भरपूर आनंद लिया सैयामी खेर ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर ने इटली की राजधानी रोम में अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद लिया। सैयामी ने इस यात्रा को खास बनाने के लिए दो सबसे प्रिय चीजों को जोड़ा। पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। एक्ट्रेस ने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर में जाती हैं, तो वहां की सड़कों पर दौड़ना उनके लिए उस जगह को महसूस करने का एक अनोखा तरीका है। इस बार भी उन्होंने अपने माता-पिता और बहन के साथ रोम के ऐतिहासिक और खूबसूरत नजारों का आनंद लिया और साथ ही रोम हाफ मैराथन में हिस्सा लेकर अपनी यात्रा को यादगार बना दिया। सैयामी ने कहा, 卐मेरे लिए किसी शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका है पैदल चलना या दौड़ना। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रतिष्ठित जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा को महसूस किया।
हर मोड़ पर इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी।卐 उन्होंने बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बेहद सुहावना था और ताजी हवा ने पूरे अनुभव को और भी खास बना दिया। सैयामी ने आगे कहा, 卐कुछ पल ऐसे थे जब लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और रोम के माहौल में खो गई थी। 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी करने के बाद मैंने पिज्जा और आइसक्रीम खाई और हर निवाले का पूरा आनंद लिया।卐 अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए दौड़ना सिर्फ एक फिटनेस एक्टिविटी नहीं, बल्कि आत्मिक संतुलन पाने का जरिया है। रोम की यात्रा के दौरान सैयामी ने परिवार के साथ शहर की ऐतिहासिक गलियों और प्रसिद्ध स्थलों की सैर भी की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की झलकियां साझा कीं, जिन्हें उनके फैंस ने खूब पसंद किया। सैयामी का कहना है कि परिवार के साथ समय बिताना उन्हें मानसिक रूप से तरोताजा कर देता है और इससे उन्हें नए प्रोजेक्ट्स के लिए ऊर्जा मिलती है। सैयामी का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है और उन्होंने इसमें अपनी भूमिका को लेकर काफी मेहनत की है। रोम की सड़कों पर सैयामी खेर का यह दौड़ता हुआ सफर न सिर्फ फिटनेस के प्रति उनके जुनून को दिखाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि जीवन के हर पल को पूरे दिल से जीना ही असली सफलता है। मालूम हो कि सैयामी के प्रशंसक उनकी आने वाली फिल्म हैवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2016 की मलयालम सुपरहिट ओप्पम का हिंदी रीमेक है। फिल्म में सैयामी के साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर जैसे सितारे नजर आएंगे।

पहले टी20 में आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कैनबरा (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल में एशिया कप जीता है जिससे उसके हौसले बुलंद हैं। वहीं मेजबान टीम को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी सूर्यकुमार के अलावा अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। अभिषेक और शुभमन की सलामी जोड़ी इस सीरीज में भारतीय टीम को आक्रामक शुरुआत देना चाहेगी। अभिषेक की तूफानी बल्लेबाजी से भारतीय टीम के पास बड़े स्कोर बनाने का अवसर रहेगा। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के पास रहेगी। स्पिनर के तौर पर टीम के पास कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी हैं जिनका सामना करना कंगारुओं के लिए आसान नहीं रहेगा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने हाल के महीनों में नई गेंद और डेथ ओवरों में शानदार नियंत्रण दिखाया है। अगर वह और बुमराह दोनों तेज गेंदबाज अपनी लय पा लें, तो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों के लिए रन बनाना कठिन हो पाएगा।

वहीं दूसरी ओर मिचेल मार्श की कप्तानी में उतर रही मेजबान टीम की बल्लेबाजी ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोइनिस, और टिम डेविड पर आधारित रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी अनुभवी एडम जम्पा की अनुपस्थिति में तनवीर सांगा। संभालेंगे। तेज गेंदबाजी की कमान जोश हेजलवुड संभालेंगे। उनका साथ सीन एबॉट व नाथन एलिस देंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक कुल 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम का पलड़ा भारी है। उसे 20 मुकाबले में जीत मिली है, जबकि ऑस्ट्रेलिया केवल 11 मैच ही जीत पाई है और एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारत ने कुल 12 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 7 में जीत मिली है जबकि ऑस्ट्रेलिया को 5 मैच में जीत मिली है। वहीं दोनों टीमों के बीच पिछले छह में से पांच मैचों में भारतीय टी जीती है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा, ग्लेन मैक्सवेल और तनवीर सांगा।

जसप्रीत बुमराह के पास इतिहास रचने का मौका, रिकॉर्ड तोड़ने से मात्र तीन विकेट दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने के कगार पर हैं। बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने के लिए अब सिर्फ तीन विकेट की जरूरत है।

फिलहाल यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल के नाम है, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 मैचों में 19 विकेट लिए थे, औसत 14.26 के साथ। बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 विकेट झटके हैं और इस सूची में उनके साथ पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर, न्यूज़ीलैंड के मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी भी शामिल हैं।

टीम इंडिया के लिए बड़ी उम्मीदें

तीन वनडे मैचों की सीरीज से आराम मिलने के बाद बुमराह अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मुकाबलों में लौटने जा रहे हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने संकेत दिए हैं कि बुमराह पावरप्ले ओवर्स में भी गेंदबाज़ी करेंगे, जैसा कि उन्होंने एशिया कप 2025 में किया था।

सूर्यकुमार ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पावरप्ले में रन रोकना हमेशा चुनौती होती है। बुमराह ने पिछले टूर्नामेंट में नई गेंद से गेंदबाज़ी की ज़िम्मेदारी उठाई थी, और टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।'

टी20 सीरीज से पहले ट्रैविस हेड की भारत को चेतावनी, हम कुछ भी स्कोर कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई विस्फोटक बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड ने भारत के खिलाफशुरू होने जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज़ से पहले आत्मविश्वास भरा बयान दिया है। हेड का कहना है कि मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ी क्रम में इतनी ताकत है कि टीम किसी भी लक्ष्य का पीछा कर सकती है या फिर विशाल स्कोर खड़ा कर सकती है।

29 अक्टूबर से शुरू हो रही सीरीज़ से पहले हेड ने कहा कि टीम पावरप्ले में अधिकतम फायदा उठाने की कोशिश करेगी और शुरुआत में ही विपक्ष पर दबाव बनाने की रणनीति है।

हेड नेकहा, 'हमारे पास जब टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंग्लिस, कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल जैसे पावर हिटर मौजूद हैं, तो हमें शुरुआत में रन बनाने होंगे। जब हमारी शुरुआत अच्छी होती है, तो हम कोई भी स्कोर बना सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मिच (मार्श) और मैं कोशिश करेंगे कि पावरप्ले ओवर्स में तेज़ शुरुआत करें। पिछले कुछ सालों से यह हमारी ताकत रही है – चाहे वनडे हो या टी20 – हम शुरुआती ओवर्स में आक्रामक खेलते हैं। कभी-कभी यह जोखिम भरा दिखता है, लेकिन यही हमारी रणनीति है।'

ऑस्ट्रेलिया का मजबूत बल्लेबाज़ी क्रम

इस सीरीज़ के लिए ऑस्ट्रेलिया ने बेहद दमदार बल्लेबाज़ी लाइन-अप चुनी है, जिसमें ट्रैविस हेड, कप्तान मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंग्लिस और मैथ्यू शॉर्ट जैसे बल्लेबाज शामिल हैं। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पिछली टी20 सीरीज़ 2-0 से जीतने के बाद टीम इंडिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम उसी लय को जारी रखना चाहेगी।

श्रीकांत और कैफ ने सीमित ओवरों में शुभमन के असफल होने का कारण बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल के लिए अपना पहला दौरा बल्लेबाजी के लिहाज से अच्छा नहीं रहा और वह तीन मैचों में कुल मिलाकर 43 रन ही बना पाये। वहीं इससे पहले पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम की कप्तान करते हुए शुभमन ने 700 से अधिक रन बनाये। वहीं एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भी उपकप्तानी करते हुए उनकी बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और वह सात पारियों में 127 रन ही बना सके। इससे साफ है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शुभमन के सीमित ओवरों में रन नहीं बना पाने का कारण टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने सभी प्रारूपों के कारण काम का बोझ ओर दो प्रारुपों में कप्तानी का दबाव बताया है। कैफ ने कहा कि एक युवा खिलाड़ी के लिए इतनी कम उम्र में लगातार तीन प्रारूपों में खेलना और साथ ही कप्तानी की जिम्मेदारी संभालना शारीरिक और मानसिक रूप से थकाने वाला अनुभव है।

कैफ ने कहा, उन्होंने काफी मैच खेले हैं। उन्हें अलग-अलग प्रारुपों में पारी की शुरुआत करनी होती है और कप्तानी भी। फिर आईपीएल की कप्तानी भी है। नीलामी होने वाली है और इसके लिए गुजरात टाइटंस के साथ उनकी बात चल रही होगी। उनके पास काफी काम है और ऐसा लग रहा है कि इससे उनकी बल्लेबाजी पर प्रभावह पड़ा है। वह मानसिक रूप से थका हुआ लग रहा था।'

श्रीकांत ने कहा, इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद वह अपने पर और बेहतर प्रदर्शन के लिए दबाव डाल रहे हैं। उन्हें ऐसा नहीं करते हुए अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। तीसरे एकदिवसीय में उनके आउट होने का कारण हेजलवुड की अच्छी गेंदबाजी रही। उनकी बॉडी लैंग्वेज देखकर लगता है कि वह दबाव में हैं, क्योंकि उन्होंने रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभाली हैं। शुभमन गिल सितंबर 2024 से लगातार भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए हैं औ इससे भी उनपर थकान हावी है।

अबू धाबी टी10 18 नवंबर से शुरू होगा, इन टीमों के बीच होगा पहला मुकाबला

नई दिल्ली - अबू धाबी टी10 18 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर, 2025 तक चलेगा। इस तेज-तररर क्रिकेट टूर्नामेंट में लगभग दो हफ़्ते तक रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिसमें खेल के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल होंगे। सीजन के शुरुआती मैच में क्वेटा क्वालीफायर का सामना नॉर्दर्न वॉरियर्स से होगा, जिसके बाद गत विजेता डेक्कन ग्लेडिएटर्स और दिल्ली बुल्स के बीच एक रोमांचक मुकाबला होगा। यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जहां प्रत्येक टीम लीग चरण के दौरान प्रत्येक टीम से भिड़ेगी। ग्रुप मैचों के बाद, अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी। प्लेऑफ चरण 29 नवंबर, 2025 को क्वालिफायर 1 के साथ शुरू होगा, जिसमें लीग चरण की शीर्ष दो टीमें हिस्सा लेंगी। इस मैच का विजेता फाइनल के लिए जगह बनाएगा, जबकि हारने वाली टीम को क्वालिफायर 2 में एक और मौका मिलेगा। उसी दिन, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में भिड़ेंगी। इस मैच का विजेता क्वालिफायर 2 में जाएगा जबकि हारने वाली टीम प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगी। क्वालिफायर 2, जो 30 नवंबर, 2025 को निर्धारित है, में क्वालिफायर 1 की हारने वाली टीम एलिमिनेटर के विजेता से भिड़ेगी और क्वालिफायर 1 के विजेता के साथ फाइनल में शामिल होगी। फाइनल मैच भी उसी दिन बाद में खेला जाएगा, जिससे इस हाई-वोल्टेज टूर्नामेंट का समापन हो जाएगा। फाइनल के बाद, प्रशंसकों के लिए एक भव्य समापन समारोह होगा, जिसमें चैंपियन और अबू धाबी टी10 के रोमांचक क्रिकेट तमाशे का जश्न मनाया जाएगा।

रवि शास्त्री ने दी ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी, भारत के इस खिलाड़ी से संभलकर रहना

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू होने जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर पूर्व कोच रवि शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की विस्फोटक बल्लेबाज़ी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के लिए सिरदर्द साबित हो सकती है। 29 अक्टूबर से शुरू होने वाली इस सीरीज से पहले शास्त्री ने फॉक्स क्रिकेट से बातचीत में कहा, 'अभिषेक एक शानदार टी20 खिलाड़ी है। अगर वह कुछ देर तक क्रीज पर टिक गया, तो मनोरंजन की गारंटी है। चाहे आप भारतीय हों या ऑस्ट्रेलियाई, उनकी बल्लेबाज़ी देखकर मज़ा आएगा। वह अकेले अपने दम पर मैच का रुख बदल सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को उनसे सावधान रहना होगा।'

शमी ने 15 विकेट लेकर टीम इंडिया में वापसी की दावेदारी पेश की

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने यहां रणजी ट्रॉफी के दो मैचों में 15 विकेट लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय टीम में अपनी दावेदारी पेश की है। शमी ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में गुजरात के खिलाफ मुकाबले में आठ विकेट लेकर अपनी टीम को 141 ??रनों से जीत दिलाई। शमी ने अंतिम दिन दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे गुजरात की टीम 327 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 185 रनों पर ही आउट हो गई. शमी ने इस महीने की शुरुआत में ही उत्तराखंड के साथ बंगाल के पहले दौर के मुकाबले में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने उस मुकाबले में सात विकेट लिए थे और बंगाल को आठ विकेट से जीत मिली थी। दो मैचों में 15 विकेट लेकर शमी इस सत्र में जम्मू-कश्मीर के औकिब नबी डार 17 विकेट और सर्विसेज के अर्जुन शर्मा 16 विकेट के बाद तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। शमी चैम्पयंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। चयन समिति के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने हाल में कहा था कि उन्हें शमी की फिटनेस की जानकारी नहीं है। इसी कारण उनके नाम पर विचार नहीं हो रहा। अब शमी ने अपने प्रदर्शन से अपना फार्म और फिटनेस दिखायी है और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए दावा पेश किया है।

तुर्की की फुटबॉल लीग के सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की जांच के घेरे में

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की फुटबॉल महासंघ (ज्ञस्नस्न) के अध्यक्ष इब्राहिम हासियोसमानोग्लू ने सोमवार को कहा कि तुर्की की पेशेवर फुटबॉल लीग में काम करने वाले सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की गतिविधियों में लिप्त पाए गए हैं। इस्तांबुल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हासियोसमानोग्लू ने कहा कि उन्हें दंड के लिए अनुशासन समिति के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसियों के आंकड़ों से समर्थित एक आंतरिक जांच से पता चला है कि 571 सक्रिय रेफरियों में से 371 के पास सट्टेबाजी के खाते थे।

उन्होंने आगे कहा, 'राज्य संस्थानों से प्राप्त आंकड़ों और हमारी पेशेवर टीम के काम के अनुसार यह पाया गया कि पेशेवर लीगों में 571 सक्रिय रेफरी में से 371 के पास सट्टेबाजी खाते हैं। इनमें से 152 सक्रिय रूप से सट्टेबाजी करते पाए गए।' इस सूची में सात शीर्ष-श्रेणी के रेफरी, 15 शीर्ष-श्रेणी के सहायक रेफरी, 36 उच्च-श्रेणी के रेफरी और 94 उच्च-श्रेणी के सहायक रेफरी शामिल हैं।

हसिओसमानोग्लू ने कहा कि 10 रेफरी ने 10,000 से ज्यादा दांव लगाए, एक रेफरी ने अकेले 18,227 दांव लगाए, और 42 रेफरी ने 1,000 से ज्यादा फुटबॉल मैचों पर दांव लगाया। हालांकि कुछ रेफरी केवल एक बार ही दांव लगाते पाए गए। उन्होंने कहा, 'आज से हमारा अनुशासन बोर्ड आवश्यक कार्रवाई करेगा। उन्हें जल्द ही बोर्ड के पास भेजा जाएगा और हमारे नियमों के अनुसार दंडित किया जाएगा।'

उन्होंने बताया कि महासंघ ने अपने निष्कर्षों को फीफा और यूईएफए के साथ साझा किया है। टीएफएफ अध्यक्ष ने बताया कि समीक्षा में रेफरी से आगे बढ़कर महासंघ के सदस्यों को भी शामिल किया गया। उन्होंने कहा, 'हमने रेफरी से शुरुआत की, जिनमें मैं और मेरे बोर्ड के सदस्य शामिल हैं।' उन्होंने फुटबॉल क्लबों से भी ऐसा ही करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'जैसे हम अपने घर की सफाई कर रहे हैं, वैसे ही क्लब अध्यक्षों को भी खुद से, अपने बोर्ड और अपने खिलाड़ियों से शुरुआत करनी चाहिए और परिणामों को पारदर्शी तरीके से जनता के साथ साझा करना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर ऐसा नहीं होता है, तो हम संबंधित राज्य निकायों के साथ काम करना जारी रखेंगे और अपने निष्कर्षों को सार्वजनिक करेंगे।' हालांकि तुर्की में एक ही राज्य द्वारा संचालित प्रणाली के तहत खेलों पर सट्टा लगाना कानूनी है, लेकिन रेफरी, खिलाड़ियों और अधिकारियों को किसी भी फुटबॉल मैच पर सट्टा लगाने की सख्त मनाही है।

श्रेयस की हालत अब पहले से बेहतर : सूर्यकुमार

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि श्रेयस अय्यर की हालत में सुधार आया है और वह पहले से ठीक हैं और बात भी कर रहे हैं। श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान पसलियों में चोट लग गयी थी। जिसके बाद से ही वह आईसीयू में भर्ती थे। उन्हें अंतिम मैच में कैच पकड़ते समय पसलियों में चोट लगी थी। इसके बाद उनको अस्पताल ले जाया गया था, क्योंकि ड्रेसिंग रूम में वह दर्द से परेशान थे। सूर्यकुमार ने कहा, हमने उससे बात की है। जब हमें पहले दिन पता चला कि उसको चोट लगी है। तो मैंने पहले उसको ही फोन किया पर तब उसे पास फोन नहीं था। ऐसे में मैंने अपने फिजियो को फोन किया। तो उन्होंने बताया कि वो अब ठीक है। पहले दिन उनकी हालत खराब भी पर अब ठीक है। अभी दो दिन से वह बात कर रहा है। वह फोन पर जवाब दे रहा है। इसका मतलब है कि वह स्थिर है। डॉक्टर भी साथ ही में हैं जिससे साफ है कि सब ठीक है। सूर्या ने साथ ही कहा, डॉक्टरों के अनुसार अभी वह कुछ और दिन निगरानी में रहेगा। है। दूसरी बात ये कि देखिए हम लोग तो डॉक्टर नहीं है तो इस बारे में अधिक कुछ कह नहीं सकते। पहले हमें लगा था कि उसे सामान्य चोट लगी है पर बार में वह गंभीर निकली। डॉक्टर और फिजियो के अनुसार जो कुछ हुआ वह आम तौर पर नहीं होता। ऐसा कभी-कभार ही होता है। श्रेयस जैसी प्रतिभा भी तो हमेशा नहीं मिलती हालांकि भगवान की कृपा से अब वह ठीक हो रहे हैं। डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाये हुए हैं।

रोहित और विराट को 2027 के लिए टीम में जगह मिलना तय: गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई सीरीज में जिस प्रकार से विराट कोहली और रोहित शर्मा ने खेला है। उसको देखते हुए इन दोनो को ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलना तय है। गावस्कर के अनुसार इस दोनो के अनुभव और क्षमताओं को देखने हुए ही इन्हें विश्वकप के लिए जगह दी जाएगी। वहीं रोहित और विराट पहले ही ये संकेत दे चुके हैं कि इन्हें 2027 विश्वकप खेलना है।

गावस्कर ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों के फैसले और दबाव में फैसले लेने की उनकी क्लास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में देखने में आई। इस पूर्व कप्तान का मानना है कि इन दोनो को 2027 विश्व कप में खेलना चाहिये। गावस्कर ने कहा, 'जिस समय इन दोनो ने इस दौरे के लिए अपने को उपलब्ध कराया, उससे यह साफ हो गया कि वे 2027 विश्व कप में रहना चाहते हैं। अब से तब तक चाहे कुछ भी हो, चाहे वे रन बनाएं या नहीं। उनकी काबिलियत और अनुभव के साथ अगर वे उपलब्ध रहते हैं तो निश्चित रूप से टीम में होंगे। जिस प्रकार की लय इन दोनो ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज में दिखायी है। उससे आज इन्हें दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए की टीम में जगह दे सकत हैं।' ऑस्ट्रेलिया दौरे में रोहित ने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। वहीं कोहली पहले दो एकदिवसीय में खाता नहीं खोल पाये पर तीसरे एकदिवसीय में उन्होंने नाबाद अर्धशतक लगाया। इन दोनो की 168 रनों की नाबाद साझेदारी से भारतीय टीम ने आसानी से तीसरा एकदिवसीय जीत लिया।

महिला विश्व कप : भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है एलिसा हीली, पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान काफ इंजरी के कारण पिछले दो लीग स्टेज मैच से बाहर रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिसा हीली भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है। गुरुवार को मुंबई में हीली ने अच्छी रिकवरी करते हुए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया। इसके बाद उन्होंने विकेट-कीपिंग ड्रिल में हिस्सा लिया और फिर एक फुल नेट सेशन किया, जिसमें उन्हें ICC वेबसाइट के अनुसार नेट बॉलर्स के खिलाफ बड़े शॉट मारते देखा गया। इंदौर में दक्षिण अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद हेड कोच शेली निट्स्के ने उम्मीद जताई थी कि हीली सेमीफाइनल से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट से जीत के बाद निट्स्के ने कहा था, 'वह आज रात पूरी तरह फिट नहीं थीं, लेकिन उनका असेसमेंट जारी रहेगा। हम सेमीफाइनल के लिए बहुत उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन उससे पहले अभी कुछ दिन बाकी हैं। हम फिर से उम्मीद कर रहे हैं, जैसे-जैसे हम उसके करीब पहुंचेंगे, उनका असेसमेंट जारी रहेगा।' हीली डिफेंडिंग चैंपियन के लिए शानदार फॉर्म में रही हैं, उन्होंने वर्ल्ड कप में अब तक सिर्फ चार पारियों में 98 की औसत और 131.25 के स्ट्राइक-रेट से 294 रन बनाए हैं। उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन संयोग से भारत के खिलाफ आया जो ऑस्ट्रेलिया का अगला सेमीफाइनल विरोधी है। जब उन्होंने 21 चौकों और तीन छक्कों की मदद से शानदार 142 रन बनाए। इससे ऑस्ट्रेलिया को एक रिकॉर्ड जीत हासिल करने में मदद मिली। हीली की गैरमौजूदगी में ताहलिया मैकग्रा ने ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की, लेकिन कप्तान की वापसी गुरुवार को नवी मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल से पहले डिफेंडिंग चैंपियन के लिए एक बड़ा बूस्ट होगा।

स्मृति मंधाना ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ वनडे बैटिंग रैंकिंग में पक्का किया टॉप स्थान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार 109 रन और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू ICC महिला क्रिकेट विश्व कप में 34 रन बनाकर महिला वनडे रैंकिंग में टॉप बल्लेबाज के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है, जिससे उन्हें करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग मिली है।

मंधाना, जिन्हें सितंबर 2025 के लिए ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया था, 828 की रेटिंग पर पहुंच गईं, जो दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलियाई एशले गार्डनर से लगभग 100 अंक ज्यादा है। गार्डनर 731 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और टूर्नामेंट में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद शतक के दम पर छह स्थान ऊपर चढ़ गई हैं। मंधाना की ओपनिंग पार्टनर प्रतिका रावल, जो चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगी, ने भी बड़ी छलांग लगाई और टॉप 30 में जगह बनाते हुए 564 की रेटिंग के साथ 27वें स्थान पर पहुंच गईं।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट भी 90 और 31 रन बनाकर टॉप तीन में पहुंच गईं, दो स्थान ऊपर चढ़ गईं। इंग्लैंड की एमी जोन्स चार स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर (656) पहुंच गईं, जबकि एनाबेल सदरलैंड 16 स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर (613) पहुंच गईं, जो टॉप 40 खिलाड़ियों में सबसे बड़ी छलांग है।

गेंदबाजों में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 747 रेटिंग के साथ बॉलिंग चार्ट में सबसे आगे हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग करियर की सबसे ऊंची रेटिंग 698 के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गईं, उन्होंने अपनी टीम की साथी एश गार्डनर को पीछे छोड़ दिया, जो तीसरे स्थान पर (689) खिसक गईं।

पाकिस्तान की नशरा संधू साथी लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा (610) के साथ संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर हैं, जबकि तेज गेंदबाज मारिजेन कैप और एनाबेल सदरलैंड भी एक-एक स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः चौथे और सातवें स्थान पर पहुंच गईं। गार्डनर के कमाल ने ऑल-राउंडर रैंकिंग में उनकी नंबर 1 पोजीशन (रेटिंग 503) पक्की कर दी है, हालांकि उनके पीछे अब नई नंबर 2 खिलाड़ी मैरिज़ेन कैप हैं, जिन्होंने 422 की रेटिंग के साथ वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज को पीछे छोड़ दिया है। इस बीच सदरलैंड चौथे स्थान पर खिसक गईं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अमेरिका में आने वाले ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को मीडियम और हैवी ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ये 1 नवंबर से लागू होगा। पहले यह शुल्क 1 अक्टूबर से लागू होने वाला था, लेकिन अब इसे एक महीने टाल दिया गया है। ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा, 1 नवंबर 2025 से, दूसरे देशों से अमेरिका आने वाले सभी मध्यम और भारी वाहन ट्रकों पर 25% शुल्क लगेगा। अमेरिका में ज्यादातर ट्रक पड़ोसी देश कनाडा और मेक्सिको से आते हैं, जहां पहले से ही व्यापार समझौता है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार, पिछले साल अमेरिका ने 2 लाख 45 हजार 764 मध्यम और भारी वाहन ट्रक खरीदे, जिनमें से अधिकांश कनाडा और मेक्सिको से आए। इनकी कुल कीमत 201 अरब डॉलर रही, जिसमें कनाडा से 45 अरब और मेक्सिको से 156 अरब डॉलर का योगदान था। अमेरिकी ऑटोमोबाइल बाजार में ये ट्रक कुल वाहनों के सिर्फ 5% हिस्से के हैं। लेकिन एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी अमेरिका में इनकी मांग का लगभग 80% अमेरिका ही पूरा करता है। इन ट्रकों को वजन के आधार पर बांटा जाता है। मध्यम ट्रक का वजन 14,000 से 33,000 पाउंड के बीच होता है, जबकि 33,000 पाउंड से ज्यादा वजन वाले को भारी ट्रक कहा जाता है। अमेरिका में ये मुख्य रूप से लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई), निर्माण कार्य और कचरा प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होते हैं।

सीडीएस ने सभी के लिए कोविड-19 टीके की सिफारिश बंद की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग की शीर्ष इकाई- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने अब कोविड-19 वैक्सीन को लेकर अपनी सिफारिशें बदल दी हैं। सीडीसी ने कहा कि अब किसी भी आयु वर्ग के शख्स के लिए टीका अनिवार्य नहीं है। सीडीसी अब सभी लोगों को टीके लगवाने की सिफारिश नहीं कर रही है। यह फैसला स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की तरफ से नियुक्त नए सलाहकार समूह की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। इससे पहले 6 महीने और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए वार्षिक बूस्टर डोज़ की सिफारिश की जाती थी, लेकिन अब यह निर्णय मरीजों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। कैनेडी ने मई में स्वस्थ बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए वैक्सीन की सिफारिश हटाने की घोषणा की थी। उन्होंने सीडीसी की पारंपरिक सलाहकार समिति को हटाकर नया समूह बनाया। नए समूह में पिछले महीने हुए मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया कि सभी अमेरिकी टीके को लेकर स्वयं निर्णय लें। सीडीसी ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों को डॉक्टर या फार्मासिस्ट से सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसके अलावा, सीडीसी ने चिकनपॉक्स (वरिसेला) की पहली खुराक को अलग से देने की सिफारिश की है। सीडीसी का कहना है कि संयुक्त टीके से बुखार और दौरे का खतरा अधिक होता है।

यूनेस्को ने मिस्र के व्यक्ति को नया निदेशक बनाया, अमेरिका के हटने के बाद बदलाव

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र संघ की इकाई- यूनेस्को को पहली बार अरब देशों से जुड़ा महानिदेशक मिल सकता है। मिस्र के पूर्व पर्यटन और पुरावशेष मंत्री खालिद एल-अनानी को एजेंसी के कार्यकारी बोर्ड ने निदेशक पद के लिए नामित किया है। अगले महीने उज्बेकिस्तान में यूनेस्को की महासभा होने वाली है। यदि इसमें खालिद एल-अनानी के निदेशक बनने की पुष्टि हो जाती है, तो वे एजेंसी की कमान संभालेंगे। हाल ही में अमेरिका के यूनेस्को से बाहर होने के फैसले के बाद यह बदलाव हो रहा है। ये संस्था बजट संकट का सामना भी कर रही है। नॉमिनेशन के समय एल-अनानी ने कांगो के अर्थशास्त्री फिर्मिन एडुआर्ड मातोको को पीछे छोड़ा। मातोको शरणार्थी शिविरों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सुरक्षा के अलावा, लड़कियों की शिक्षा, होलोकॉस्ट (यहूदियों के नरसंहार) को लेकर जागरूकता और विकासशील देशों में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने जैसे अहम कार्यों के लिए जाना जाता है।

हिजबुल्लाह कब छोड़ेगा हथियार? निरस्त्रीकरण के सवाल पर लेबनानी सेना प्रमुख ने सरकार को दी जानकारी

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के सेना प्रमुख जनरल रूडोल्फ हैकाल ने पहली बार सरकार को ये जानकारी दी है कि हिजबुल्लाह हथियार कब छोड़ेगा। निरस्त्रीकरण की योजना एक महीने पहले कैबिनेट में चर्चा के बाद सामने आई थी। इसमें सभी हथियारों को सरकार के नियंत्रण में लाने की बात कही गई थी। हालांकि, इस योजना का विवरण गोपनीय रखा गया है। खबरों के मुताबिक हिजबुल्लाह ने इस योजना को खारिज कर दिया है।

टेक्सास में गैस स्टेशन पर भारतीय छात्र की हत्या करने वाला गिरफ्तार

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है।

आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियां : इसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाई, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पेरेज ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है। आरोपी वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फोर्ट वर्थ और टैरेंट काउंटी की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान और आगे की जांच रिपोर्ट सरकारी शटडाउन के कारण कुछ देर से जारी की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हुआ है।

वारदात से परिवार और समुदाय में शोक : भारतीय छात्र की हत्या के मामले में ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वे चंद्रशेखर के परिवार से संपर्क में हैं और उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। वहीं स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय और विदेशी छात्र इस घटना से बेहद दुखी और भयभीत हैं। उनका कहना है कि हाल के महीनों में भारतीय छात्रों पर बढ़ते हमलों और रहस्यमय मौतों ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चंद्रशेखर पोल के परिवार और मित्रों की मदद के लिए एक गोफंडमी अभियान शुरू किया गया है, जिससे उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है। चंद्रशेखर पोल तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले थे। उन्होंने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई भारत में पूरी की थी और दो साल पहले अमेरिका गए थे ताकि वे डेटा एनालिटिक्स में मास्टर डिग्री कर सकें। वे नॉर्थ टेक्सास यूनिवर्सिटी, डेंटन से छह महीने पहले ही एमएस पूरा कर चुके थे और नौकरी की तलाश में थे। उनके भाई दामोदर पोल ने बताया कि वह आत्मनिर्भर बने रहने के लिए पार्ट-टाइम गैस स्टेशन में काम कर रहे थे।

अमेरिका में बढ़ती घटनाएं, गहराता डर अमेरिका में इस तरह ये कोई पहली घटना नहीं है। इसी साल जनवरी 2025 में, कनेक्टिकट में तेलंगाना के 26 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं रंगारेड्डी जिले के एक युवक को भी अमेरिका में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया था। सितंबर 2025 में, महबूबनगर जिले के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को कैलिफोर्निया में पुलिस ने गोली मार दी थी, जब उसका अपने रूममेट से झगड़ा हुआ था। इन मामलों के बाद, भारतीय दूतावासों को बार-बार छात्रों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा है। शवों को भारत लाने में कई बार हफ्तों लग जाते हैं, क्योंकि प्रक्रिया में कानूनी और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल होती हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल इस वारदात के बाद फिर से विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है, देर रात या असुरक्षित इलाकों में काम करना कई बार उन्हें खतरे में डाल देता है। भारतीय समुदाय के लोग अब यह मांग कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन ऐसे छात्रों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करें और देर रात काम करने वालों को सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराएं।

ब्रिटेन की प्रसिद्ध उपन्यासकार जिली का 88 की उम्र में निधन

लंदन, एजेंसी। राइवल्स और राइडर्स जैसे सनसनीखेज उपन्यासों के लिए मशहूर, बेस्टसेलिंग ब्रिटिश लेखिका जिली कूपर का निधन हो गया है। वह 88 वर्ष की थीं। कूपर के परिवार ने एक बयान में कहा कि उनका अचानक दुनिया से जाना परिवार के लिए बड़ा सदमा है। लेखिका की एजेंट फेलिसिटी ब्लंट ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि मैंने एक ऐसी महिला के साथ काम किया, जिन्होंने 50 साल पहले अपनी पहली रचना के प्रकाशन के बाद से ही संस्कृति, लेखन और संवाद को परिभाषित किया।

एवरेस्ट पर बर्फीले तूफान से एक की मौत, 137 बचाए गए : ल्हासा, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट की तिब्बती ढलानों पर बर्फीले तूफान में फंसे एक पर्वतारोही की मौत हो गई, जबकि 137 अन्य बचा लिए गए हैं। लापता पर्वतारोहियों की तलाश जारी है। किंघई प्रांत में बर्फबारी में फंसे सभी पर्वतारोही स्थिर हालत में हैं। 4,000 मीटर की औसत ऊंचाई पर लाओहुगो क्षेत्र में बर्फबारी जारी है। पर्वतारोहियों की खोज के लिए 300 से ज्यादा खोजी कर्मी, घोड़े और दो मध्यम आकार के ड्रोनों का इस्तेमाल करने वाली 10 से ज्यादा टीमें तैनात हैं। इससे पहले, सरकारी सीसीटीवी ने बताया था कि 350 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 200 अभी भी लापता हैं।

नेपाल सेना ने लांगटांग से 12 को बचाया, दो दिन में 52 की मौत : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सेना ने सोमवार को लगातार बारिश-भूस्खलन के बीच लांगटांग क्षेत्र में फंसे 12 ट्रेकर्स को बचाया। सभी 12 लोगों को रसुवा के स्याफ्रुबेसी लाया गया। हालांकि, बेरिंग खोला नदी में बहे 4 लोगों का पता नहीं चला है। 16 लोगों का यह समूह काठमांडो से लांगटांग राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र की यात्रा पर निकला था। शनिवार को लगातार बारिश के बाद एक नाले में बह जाने के बाद, दो महिलाओं सहित चार लोग लापता हो गए।

सैन्य काफिले पर सशस्त्र हमले में 4 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए : वाशुक, एजेंसी। बलूचिस्तान के वाशुक जिले में एक सैन्य काफिले पर हुए सशस्त्र हमले में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और एक अधिकारी समेत दो अन्य घायल हो गए। यह हमला बसिमा के पथक इलाके में हुआ जब तीन सैन्य वाहनों के काफिले पर अज्ञात आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने स्वचालित और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया एवं क्षेत्र में लंबे समय तक गोलीबारी और विस्फोट होते रहे। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी अधिकारियों ने एक सैनिक की मौत और एक अधिकारी के घायल होने की पुष्टि की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा के बदले सुर, टैरिफ कम करने के लिए 30 मिनट तक ट्रंप से की बातचीत

ब्रासीलिया, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति दुनियाभर के कई देशों पर भारी पड़ रहा है। इसमें भारत, ब्रजील जैसे देशों का नाम भी शामिल है। इसी बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैरिफ और स्थानीय अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधात्मक उपायों को हटाने का अनुरोध किया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में कुल 30 मिनट तक फोन पर आपस में बातचीत की।

मामले में ब्रजील सरकार की ओर से जारी बयान में दोनों नेताओं के फोन पर बातचीत की पुष्टि की गई है। साथ ही बयान में ये भी बताया गया कि ब्रजील के राष्ट्रपति सिल्वा और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने जल्द व्यक्तिगत रूप से मिलने पर सहमति जताई। बातचीत का लहजा दोस्ताना था।

ट्रंप का बातचीत पर सहारात्मक रुख

इस दौरान ट्रंप ने कहा कि लूला के साथ उनकी बहुत अच्छी बातचीत रही। दोनों ने मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था और व्यापार पर चर्चा की। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, हम आगे भी चर्चा करेंगे और निकट भविष्य में ब्राजील और अमेरिका में मिलेंगे।

मामले में ब्राजील सरकार के अनुसार, लूला ने मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान बैठक का सुझाव दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने की इच्छा जताई। ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद ने बैठक के बाद ब्रासीलिया में कहा कि बातचीत सकारात्मक रही। इसमें उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और विदेश मंत्री मौरो विएरा ने भी भाग लिया। बता दें कि शुरुआत में ब्राजील पर न्यूनतम 10% टैरिफ लगाया गया था, लेकिन बाद में ट्रंप ने कई प्रमुख निर्यातों पर इसे बढ़ाकर 40% कर दिया, जिससे कुल टैरिफ 50% हो गया।

मैंने जो कहा, वह बहुत असरदार था, वे रुक गए, ट्रंप ने फिर किया भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में चले संघर्ष को रुकवाने का दावा किया है। इतना ही नहीं ट्रंप एक बार फिर से टैरिफ को हथियार बताने से भी नहीं चूके। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को रोकने में टैरिफ (आयात शुल्क) का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में किया। जो उन्होंने कहा था, वह बहुत असरदार साबित हुआ।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, ÷टैरिफ अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम टैरिफ की वजह से शांति-रक्षक हैं। हम सैकड़ों अरब डॉलर कमाते हैं, लेकिन साथ ही टैरिफ के कारण हम युद्ध रोकने की ताकत भी रखते हैं।÷ उन्होंने दावा किया कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का इस्तेमाल न किया होता, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते।

ट्रंप ने कहा, ÷मैं युद्ध रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करता हूं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो वे एक-दूसरे पर हमला करने के लिए तैयार थे। सात विमान गिराए गए थे। वे लड़ाई के लिए तैयार थे। दोनों ही परमाणु शक्ति से संपन्न देश हैं। मैं इसका जिक्र नहीं करना चाहता कि मैंने क्या कहा था, लेकिन जो मैंने कहा वह बहुत प्रभावी था। वे रुक भी गए। यह टैरिफ और व्यापार पर आधारित था।

भारत करता रहा है तीसरे पक्ष के दखल से इनकार गौरतलब है कि भारत ने पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं को सबक सिखाने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

चार दिन तक चले हमलों के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का समझौता हुआ था। तब ट्रंप ने एक पोस्ट के जरिए संघर्ष रुकवाने का श्रेय लेने की कोशिश की थी। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि यह समझौता दोनों सेनाओं के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) के बीच प्रत्यक्ष बातचीत से हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा। ट्रंप लगातार करते रहे हैं सात युद्ध रुकवाने का दावा उधर ट्रंप ने लगातार दावा किया कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में अब तक सात युद्ध खत्म करवाए हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान, कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, कॉन्गो-रवांडा, इस्राइल-ईरान, मिस्र-इथियोपिया और आर्मेनिया-अजरबैजान के बीच संघर्ष शामिल हैं। ट्रंप कहते रहे हैं कि इनमें से कम से कम आधे युद्ध मेरे व्यापारिक कौशल और टैरिफ की ताकत से खत्म हुए। अगर मेरे पास टैरिफ न होते, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते और रोज हजारों लोग मारे जा रहे होते।

कनाडा के प्रधानमंत्री और फिनलैंड के राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रंप; जापान की भावी पीएम ताकाइची को दी बधाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते दो बड़े अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। इसमें कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से व्हाइट हाउस में औपचारिक बैठक करेंगे। इसके बाद गुरुवार को वे अपने आठवें कैबिनेट की बैठक करेंगे और उसी दिन दोपहर को उनकी फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब से भी मुलाकात होगी। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कल व्हाइट हाउस में स्वागत करेंगे। गुरुवार को वे अपने कैबिनेट की बैठक करेंगे, और फिर फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब के साथ बैठक करेंगे।

कनाडा बिकाऊ नहीं÷ कार्नी का ट्रंप को जवाब : बता दें कि कुछ महीने पहले मई में जब ट्रंप और कार्नी की मुलाकात हुई थी, तब दोनों के बीच थोड़ा तीखा संवाद हुआ था। इस दौरान ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा था कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। इस पर कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने सीधा जवाब दिया, रियल एस्टेट की तरह कुछ जगहें बिकाऊ नहीं होतीं। कनाडा भी बिकाऊ नहीं है, और कभी नहीं होगा। इस पर भी ट्रंप ने अपनी बात से पीछे नहीं हटते हुए कहा, समय बताएगा। मैं कभी नहीं पर विश्वास नहीं करता। कई बार जो चीजें नामुमकिन लगती हैं, वे दोस्ताना तरीके से मुमकिन हो जाती हैं।

जापान की नई महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई : उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जापान की नई नेता साने ताकाइची को भी बधाई दी है। लेविट ने बताया कि, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कहा है कि मैं जापान को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी अगली प्रधानमंत्री का चुनाव किया है। वह एक बेहद सम्मानित और समझदार नेता हैं, जो हमारे महान सहयोगी देश जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं।

जापान में इतिहास रचने जा रहीं साने ताकाइची : ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बुद्धिमान और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला बताया। उन्होंने कहा कि वे जापान के अद्भुत लोगों को भी बधाई देते हैं। बता दें कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से ताकाइची के चुने जाने के बाद वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप को पुतिन की चेतावनी, यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने से हमारे संबंध खराब होंगे

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका को चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आगाह करने के अंदाज में उनके रूसी समकक्ष पुतिन ने साफ किया है कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दीं तो द्विपक्षीय संबंध खराब होंगे। पुतिन ने कहा, यूक्रेनी सेना इन मिसाइलों को खुद नहीं चला पाएगी। उन्होंने अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर मदद करने का दावा करते हुए गंभीर आरोप भी लगाए। वैश्विक ताकतों के टकराव और लंबे समय से जारी संघर्षों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति की तो वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंधों खराब हो जाएंगे।

एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये : सितंबर के अंत में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था कि व्हाइट हाउस कीव को टॉमहॉक मिसाइलें देने पर विचार कर रहा। एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये है। इनकी मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है, जिससे ये मिसाइलें मॉस्को और उसके बाहर भी हमला कर सकेंगी।

अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर यूक्रेन के साथ प्रत्यक्ष भागीदारी के आरोप पुतिन ने शनिवार को एक

साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप का ऐसा कदम हमारे संबंधों को बर्बाद कर देगा। इससे पहले बृहस्पतिवार को वल्दाई डिस्कशन क्लब में रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेनी सेना अमेरिकी सैन्यकर्मियों की प्रत्यक्ष भागीदारी के बिना इन मिसाइलों का संचालन नहीं कर सकेगी। क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी रूस की ताकत का उल्लेख करते हुए पुतिन ने कहा, अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी। यह भी कहा कि रूस की वायु रक्षा प्रणालियां पहले से इसी तरह के पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति के अनुकूल हो चुकी हैं। जेलेंस्की ने विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था स्थानीय समाचार एजेंसी के अनुसार, टॉमहॉक मिसाइलों की डिलीवरी पर बहस पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई बैठक के बाद शुरू हुई थी। जेलेंस्की ने उस मुलाकात के दौरान विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान ने अमेरिका को खनिजों की पहली खेप भेजी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने पहली बार अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की छोटी खेप भेजी है। ये खनिज पिछले महीने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (यूएसएसएम) के साथ हुए 50 करोड़ डॉलर के सौदे के तहत भेजे गए। हालांकि इन्हें भेजने की टाइमिंग नहीं पता चल पाई है। इस सौदे का मकसद पाकिस्तान में खनिजों की खोज और प्रोसेसिंग के लिए कारखाने बनाना है। ये नमूने पाकिस्तानी सेना की ब्रांच फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन की मदद से तैयार किए गए। यूएसएसएम ने इसे पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती का बड़ा कदम बताया। कंपनी का कहना है कि यह समझौता खनिजों की खोज से लेकर प्रोसेसिंग तक सब कुछ कवर करता है।

इमरान खान की पार्टी ने सौदे का विरोध किया : वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इसका विरोध किया है। पीटीआई नेता शेख वक्कास

अकरम ने कहा ऐसे सीक्रेट सौदे से देश के हालात खराब हो सकते हैं। क्ष्ख्रढ्ढ ने मांग की कि सरकार अमेरिका के साथ हुए सौदों का पूरा ब्योरा जनता को बताए। क्ष्ख्रढ्ढ के नेता ने कहा कि संसद और लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। हम देश के हितों के खिलाफ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं करेंगे।

यूएसएसएम डिफेंस से जुड़े खनिज रिसाइकल करती है : यूएसएसएम कंपनी का कहना है कि यह सौदा खनिजों की खोज से लेकर रिफाइनरी बनाने तक सब कुछ कवर करता है। मिसूरी की यह कंपनी ऐसे खनिज बनाती और रिसाइकल करती है जो रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के लिए जरूरी हैं। खेप में एंटीमनी, कॉपर कंसन्ट्रेट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे नियोडिमियम व प्रेजियोडिमियम शामिल हैं। इससे पहले सितंबर में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुलाकात की थी। इस दौरान मुनीर ने ट्रम्प को रेयल मिनरल्स से भरा ब्रीफकेस दिखाया था। पाकिस्तान का दावा है कि उसके पास 6 ट्रिलियन डॉलर की खनिज संपदा है। वो चाहता है कि अमेरिकी निवेशक यहां इन्वेस्ट करें। पाकिस्तान का अमेरिका को बलूचिस्तान में पोर्ट बनाने का प्रस्ताव पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने तीन दिन पहले ही अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं। प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी। पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा।

दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद विकास उर्फ बग्गा को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने द्वारका में मुठभेड़ के बाद विकास उर्फ बग्गा को गिरफ्तार किया है, जो अनिल चिप्पी और काला जठेड़ी गिरोह का संदिग्ध सदस्य है। विकास उर्फ बग्गा हरियाणा के रोहतक का निवासी है और हत्या, हत्या के प्रयास और डकैती के कई मामलों में वांछित था। दिचाऊं-हिरणकूदना रोड पर मंगेसपुर ड्रेन पटरी के पास। आरोपी स्कूटर पर आया और उसने पुलिस पर कथित तौर पर गोलियां चलाईं। एक गोली हेड कांस्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी और वह बाल-बाल बच गया। पुलिस ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली आरोपी के दाहिने पैर में लगी। आरोपी को काबू कर गिरफ्तार कर लिया गया और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हरियाणा में हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में शामिल। दिल्ली के रोहिणी जिले में दर्ज डकैती-हत्या के एक मामले में भी आरोपी, जहाँ उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति को गोली मारी और उसकी मोटरसाइकिल लेकर भाग गया। वह एक शातिर अपराधी है जिसके अनिल चिप्पी और काला जठेड़ी गिरोह से संबंध हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने द्वारका इलाके में एक मुठभेड़ के बाद काला जठेड़ी गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया था। पकड़े जाने से पहले दोनों अपराधियों के पैरों में गोली लगी थी। 18 मार्च को, द्वारका पुलिस ने जबरन वसूली से जुड़ी हिंसा में शामिल गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया था। ये गिरफ्तारियाँ लगातार दो मुठभेड़ों के दौरान हुईं, जहाँ पुलिस ने संदिग्धों को निष्क्रिय करने के लिए गैर-घातक गोलियाँ चलाईं।

राजस्थान में चक्रवात मोंथा का असर, कई जिलों में अति भारी बारिश

जयपुर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बने भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर राजस्थान तक पहुंच गया है। राज्य के दक्षिणी और पूर्वी जिलों में भारी से अति भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बूंदी के नैनवा में 130 मिमी बारिश हुई है। राजधानी जयपुर में बादल छाए रहने और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर ने बताया कि आज भी उदयपुर, कोटा संभाग में भारी बारिश की संभावना है, जबकि जयपुर, अजमेर और भरतपुर संभाग में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। राज्य में बारिश का दौर 29 अक्टूबर तक जारी रहेगा। चक्रवात मोंथा फिलहाल आंध्र प्रदेश तट के पास केंद्रित है और 110 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। यह आज रात काकीनाडा के पास तट से टकरा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश को हरसंभव सहायता का भरोसा दिया है। राजस्थान में मौसम के इस बदलाव से तापमान में 4 से 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।

हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक आपदाओं से हुआ 46,000 करोड़ का नुकसान

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश को पिछले चार वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन से लगभग 46,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह जानकारी 'हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025- जलवायु प्रभावित विश्व में भविष्य का निर्माण' रिपोर्ट में दी गई। यह रिपोर्ट राज्य के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से तैयार की गई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि राज्य को पिछले पांच मानसून सीजन में अभूतपूर्व नुकसान झेलना पड़ा, जिसमें लगभग 1,700 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अनियमित वर्षा से पारंपरिक जल स्रोतों का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा सूख चुका है, जिससे जल संकट गहराता जा रहा है। इसके अलावा, जंगल की आग की घटनाएं 2022-23 में 856 से बढ़कर 2024-25 में 2,580 तक पहुंच गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर जलवायु परिवर्तन की रफ्तार यही रही, तो आने वाले वर्षों में कृषि, पर्यटन और ग्रामीण जीवन पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को लेकर नई नीति पर काम कर रही है।

केस जारी रखने पर अड़ीं महिंदर ने कहा- कंगना को माफ नहीं करुंगी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिन एक मानहानि से जुड़े मामले का सामना कर रही हैं। खबर है कि 82 वर्षीय महिंदर कौर ने उनके खिलाफ केस जारी रखने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि रनौत उनसे मिलने कभी नहीं पहुंचीं और वह उन्हें माफ नहीं करेंगी। मानहानि का यह मामला अभिनेत्री की तरफ से कौर के एक ट्वीट को अपनी टिप्पणी के साथ रीट्वीट करने पर आधारित है। रनौत सोमवार को मानहानि के एक मामले में बठिंडा की एक अदालत में पेश हुईं और कहा कि उनके 2021 के ट्वीट को लेकर गलतफहमी पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि उनके लिए हर माता सम्माननीय है। अदालत ने पिछले साल सितंबर में हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा सदस्य को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था। साथ ही वीडियो कांफ्रेंस के जरिए पेश होने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। रनौत की पेशी से पहले बठिंडा अदालत परिसर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। रनौत ने साल 2020-21 के दौरान किए अपने पोस्ट को लेकर बठिंडा कोर्ट में सोमवार को माफी मांग ली है। इसके बाद उन्हें 50 हजार रुपये के बेल बॉन्ड के बाद जमानत मिल गई है। बातचीत में कौर ने कहा, वह (कंगना) कभी मुझसे नहीं मिलीं। मैं उन्हें माफ नहीं करूंगी। वह बहुत बड़ी अभिनेत्री और राजनेता हैं। जबकि मैं एक छोटी किसान हूं। इसके बाद भी उन्होंने इस उम्र में मुझे कोर्ट आने पर मजबूर किया। उन्हें एहसास होना चाहिए कि उनके एक दौरे से सरकारी खजाने पर कितना असर पड़ता है और जनता को कितनी तकलीफ होती है। उनका कहना है कि टिप्पणी को गलत तरीके से समझा गया। यह बात सही नहीं है। अभिनेत्री ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की है। उन्होंने कहा, महिंदर (कौर) जी के परिवार के साथ जो भी गलतफहमी हुई, मैंने माता जी को उनके पति को संदेश दिया कि किस तरह वह गलतफहमी का शिकार हुई हैं। महिंदर कौर अदालत में मौजूद नहीं थीं, लेकिन उनके पति उपस्थित थे।

छठ के बाद गदगद भाजपा ने कसा तंज कहा- केजरीवाल के साथ यमुना का झाग भी चला गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना में छठ के सफल आयोजन के बाद भारतीय जनता पार्टी और दिल्ली में इसकी सरकार पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर इस तरह के तरन्नुम के साथ तंज कस रही है। भाजपा ने कहा ने कि केजरीवाल के साथ यमुना का झाग भी चला गया है। वे बैन लगाए बैठे थे और हम नैन बिछाए बैठे हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने सुबह के अर्घ्य के बाद घाट पर मीडिया से बात करते हुए कहा, केजरीवाल गया, झाग गया। इस बार कहीं झाग नहीं है यमुना में। सुंदर छठ पूजा हो रही है। मुझे लगता है कि जो घाट पर है जो छठ मना रहा है, उनके चेहरों से... आप किसी से माइक लगाकर पूछ लीजिए। जमीन आसमान का अंतर है। मुख्यमंत्री ने खुद लीड लिया, एक एक घाट पर गईं।

दिल्ली में ऐसी कोई सरकार आई नहीं है। एक एक मंत्री घाट पर खड़े हैं। व्यवस्था सारी ठीक है। लोगों के चेहरे बता रहे हैं कि खुश हैं। जो लोग यमुना में प्रदूषण करते थे, झाग करते थे, छठ पर बैन लगाते थे उन्हें दिल्ली के लोगों ने बाहर कर दिया। वो बैन लगाकर बैठे थे हम नैन बिछाकर बैठे हैं। दिल्ली सरकार की ओर से इस साल यमुना किनारे छठ के लिए विशेष तैयारी की गई थी। पल्ला से लेकर कालिंदी कुंज तक यमुना नदी के किनारे कुल 17 प्वाइंट पर मॉडल छठ घाटों का निर्माण किया गया है। इन घाटों पर टेंट, लाइट, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय और मेडिकल सहायता जैसी सभी व्यवस्थाएं दिल्ली सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई। एक तरफ जहां दिल्ली की भाजपा सरकार यमुना में छठ आयोजन के लिए अपनी पीठ थपथपा रही है तो दूसरी तरफ विपक्षी आम आदमी पार्टी उस पर लगातार हमलावर है। आप का आरोप है कि भाजपा सरकार ने खतरनाक केमिकल के सहारे झाग को खत्म किया है और इसकी वजह से पवित्र नदी और प्रदूषित हो गई। इसके अलावा वासुदेव घाट पर फिल्टर किए गए पानी से नकली यमुना घाट बनाने का भी आरोप लगाया।

दिल्ली सरकार की ओर से यमुना किनारे बनाए गए 17 मॉडल घाटों पर पूर्वांचल के हजारों श्रद्धालुओं ने पहले डूबते और फिर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व को धूमधाम से मनाया। कई सालों पर बाद यमुना किनारे आयोजित छठ पर दिल्ली सरकार की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। खुद मुख्यमंत्री और कैबिनेट के अन्य मंत्री घाटों पर मौजूद रहे। सुबह के अर्घ्य से पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा,

पिछले वर्षों में जब सरकार सुविधाएं नहीं देती थी, पूर्वांचल के भाई बहन इधर-उधर भटकते थे। गली मोहल्लों में छोटे तालाब बनाकर पूजा करते थे। वर्षों बाद मां यमुना के तट पर मां यमुना के जल में छठी मैय्या की आराधना करते हुए भगवान सूर्यनारायण को जल चढ़ा रहे हैं। यह मेरे लिए संतोष का विषय है कि मेरी सरकार आपकी अपेक्षाओं पर खड़ी उतरी है। जो रौनक और व्यवस्था इस बार दिल्ली में है उसकी चर्चा पूरे देश में है। मैं चाहती हूं कि छठी मैय्या का आशीर्वाद पूरी दिल्ली पर, ढाई करोड़ जनता पर हमेशा बनी रहे। विकसित भारत हो और विकसित दिल्ली हो। वर्षों से दिल्ली मुर्झाई हुई थी, वर्षों से तकलीफ में थी।

महिला डॉक्टर मामले में नए खुलासे... पूजा, लड़ाई और फिर आत्महत्या

सतारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले में नए खुलासे हुए है। महिला डॉक्टर ने आत्महत्या करने से पहले दो आरोपियों में से एक, प्रशांत बानकर के घर हो रही पूजा (लक्ष्मी पूजा) में हिस्सा लिया था। वहाँ उनकी प्रशांत बानकर से बहस हुई। इसके बाद वह वहाँ से निकलीं और एक होटल में जाकर अपनी जान दे दी। डॉक्टर ने अपनी हथेली पर सुसाइड नोट लिखा था और 4 पन्ने का एक पत्र भी छोड़ा था। महिला डॉक्टर ने पुलिसकर्मी गोपाल बडाने पर रेप करने का आरोप लगाया था और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत (जो उनके मकान मालिक का बेटा है) पर उन्हें ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों गोपाल और प्रशांत बानकर को गिरफ्तार कर लिया है। इस बहुचर्चित मामले में सतारा पुलिस प्रमुख तुषार दोशी ने बताया कि पुलिस ने डॉक्टर और दोनों आरोपियों के बीच की चैट को रिकवर कर लिया है। डॉक्टर की बडाने से बातचीत मार्च में खत्म हो गई थी, लेकिन वह प्रशांत बानकर के संपर्क में थीं। महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर के अनुसार लक्ष्मी पूजन के दिन डॉक्टर बानकर के घर पर थीं। ऐसा लगता है कि तस्वीरें खींचने को लेकर दोनों में बहस हुई थी क्योंकि तस्वीरें ठीक से नहीं ली गई थीं। बहस के बाद वह घर छोड़कर चली गईं, हालांकि बानकर के पिता उन्हें वापस ले आए, लेकिन वह फिर एक लॉज (होटल) में चली गईं। चाकनकर ने बताया कि डॉक्टर ने बानकर को संदेश भेजे थे जिसमें उन्होंने कोई बड़ा कदम उठाने का संकेत दिया था, और उस रात उन्हें फोन भी किया था। पुलिस इंस्पेक्टर बडाने के खिलाफ रेप के आरोपों की और दोनों आरोपियों के संयुक्त ठिकानों और चैट की जाँच चल रही है। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या का कारण फांसी लगाना बताया गया है।

सीएम यादव कानून-व्यवस्था में पूरी तरह असफल: दिग्विजय सिंह

- फतेहगढ़ हत्याकांड के दोषियों को मिले फांसी

- एसआईआर पर भी उठाए सवाल

गुना (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह सोमवार को गुना के दौरे पर रहे, जहाँ उन्होंने पत्रकारों से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति और हाल ही में गुना के फतेहगढ़ क्षेत्र में हुई निर्मम हत्या पर तीखी टिप्पणी की है।

दिग्विजय सिंह ने गुना के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा में हुए किसान की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने मांग की कि इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले सभी दोषियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि वह और उनके पुत्र जयवर्धन सिंह पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए 28 अक्टूबर को गणेशपुरा जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार के साथ उनकी पूरी सहानुभूति है। इंदौर में आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ हुई घटना पर बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि मामले में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि स्थानीय पुलिस ने खिलाड़ियों को पर्याप्त सुरक्षा क्यों नहीं दी? भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय द्वारा यह कहने पर कि क्रिकेट टीम को उन्हें बताकर निकलना था, इस पर दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह राज्य में कानून-व्यवस्था की लचर स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह असफल रहे हैं।

दिग्विजय सिंह ने एसआईआर और मतदाता सूची को लेकर कहा कि बिहार में 2003 में एसआईआर को लागू करने में दो साल लगे थे, लेकिन इस बार इसे केवल एक महीने के अंदर कैसे कर लिया गया, यह समझ से परे है। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि वहां 62 लाख वोट काट दिए गए और 20 लाख वोट जोड़े गए, जिनमें 5 लाख वोट ऐसे शामिल हैं जिन्होंने आवेदन ही नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इससे मतदाता सूची के निर्माण पर शंका उत्पन्न होती है।

एसआईआर के मापदंडों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि 2003 के बाद पहली बार वोट डालने वालों को नागरिकता प्रमाणित करनी होगी, लेकिन इसमें आधार कार्ड को शामिल नहीं किया गया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को शामिल करने के लिए कहा था।

फिर बस में लगी आग: 03 की मौत, 10 झुलसे

जयपुर के पास हाईटेंशन लाइन से टकराई बस में लगी आग फिर सिलेंडरों में हुए धमाके

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के पास मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई और 10 से ज्यादा लोग बुरी तरह झुलस गए। हादसा तब हुआ जब मजदूरों को लेकर जा रही एक बस हाईटेंशन बिजली की लाइन के संपर्क में आ गई, जिससे बस में आग लग गई। बस में रखे गैस सिलेंडरों में भी धमाके हुए, जिससे आग और तेज फैल गई। यह दर्दनाक घटना जयपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर इलाके में होना बताया गया है।

यहां बताते चलें कि पिछले 15 दिनों में यह देश का पांचवां बड़ा बस हादसा है, जिसने सड़क सुरक्षा और ओवरलोड वाहनों पर निगरानी को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बस में आग और धमाके होने को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था, कि बस जैसे ही

बिजली की तारों के नीचे से गुजरी, उसमें तेज धमाके के साथ आग भड़क उठी। अंदर बैठे यात्री बाहर निकलने की कोशिश करने लगे, लेकिन आग इतनी तेज थी कि कई लोग झुलस गए। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और जान जोखिम में डालकर कई लोगों को बस से बाहर निकाला। बस में करीब 25 मजदूर सवार थे, जो उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले से ईंट भट्टे पर काम करने के लिए टोडी गांव जा रहे थे। हादसे में तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, मृतकों में नसीम (50) पुत्र अली हुसैन और उनकी बेटी सहीनम (20) शामिल हैं, जबकि तीसरे मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है।

झुलसे 10 से अधिक मजदूरों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। इन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी, पुलिस अधीक्षक, और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं।

फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने मिलकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों का कहना है कि बस में 5 से ज्यादा सिलेंडर रखे थे, जिनमें एक-एक कर धमाके होते रहे। विस्फोट की आवाज कई किलोमीटर तक सुनाई दी। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने और घायलों के इलाज की पूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

पाकिस्तानी सेना ने सीजफायर का उल्लंघन कर लीपा घाटी में गोलीबारी की.... सेना ने दिया जबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने 26 और 27 अक्टूबर की दरमियानी रात को जम्मू-कश्मीर की लीपा घाटी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सीजफायर का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोटार्र दागे, जिसमें भारतीय सेना की चौकियों को निशाना बनाया गया। भारतीय सेना ने इस अकारण गोलीबारी का उचित, माकूल और मुंहतोड़ जवाब दिया, जिसके बाद एलओसी पर तनाव बढ़ गया है। ख़बर में यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान ने 28-29 अक्टूबर के लिए घबराहट में अपने सेंट्रल और दक्षिणी एयरस्पेस में कई एयर ट्रैफिक रूट्स पर रोक लगा दी है। हालाँकि पाकिस्तान ने प्रतिबंध का कारण नहीं बताया, लेकिन जानकार का मानना है कि यह भारत के त्रिशूल की तैयारी के दौरान किसी मिलिट्री एक्सरसाइज या संभावित हथियारों के टेस्ट से जुड़ा हो सकता है। भारत ने भी 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक पाकिस्तान बॉर्डर के पास सर क्रीक में एक बड़े पैमाने पर ट्राई-सर्विसेज मिलिट्री एक्सरसाइज के लिए एक नोटम (नोटम) जारी किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से, दोनों देशों द्वारा मिलिट्री एक्सरसाइज के लिए बॉर्डर पर नोटम जारी करना अब आम बात हो गई है। एलओसी पर हुए ताजा सीजफायर उल्लंघन, भारतीय सेना के जवाबी कदम और भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते सैन्य तनाव को दर्शाती है, जो दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे की सैन्य गतिविधियों पर नज़र रखने और प्रतिक्रिया देने के रूप में प्रकट हो रहा है।

हम डॉक्टरों का ध्यान नहीं रखेंगे... तब समाज हम लोगों को माफ नहीं करेगा

सुप्रीम कोर्ट कोरोना में जान गंवाने वाले चिकित्सकों को लेकर की टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से जुड़ी है जिसमें शीर्ष अदालत ने निजी क्लीनिकों, औषधालयों और गैर-मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कोविड-19 से लड़ते हुए जान गंवाने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा पॉलिसी में शामिल नहीं किए जाने के खिलाफ़ दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि न्यायपालिका चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेगी और उनके लिए खड़ी नहीं होगी, तब समाज हमें माफ नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियाँ वैध दावों का निपटारा करें। कोर्ट ने इस धारणा को ग़लत बताया कि निजी चिकित्सक सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए काम कर रहे थे, यह सिर्फ़ इसलिए नहीं कहा जा सकता कि वे सरकारी ड्यूटी पर नहीं थे। पीठ ने कहा कि अगर यह शर्त पूरी होती है कि वे कोविड-19 से निपटने के लिए काम कर रहे थे और कोविड के कारण उनकी मौत हुई है, तब बीमा कंपनी को भुगतान करने के लिए बाध्य करना चाहिए।

यह याचिका मुंबई उच्च न्यायालय के 9 मार्च 2021 के आदेश के ख़िलाफ़ दायर की गई थी। याचिकाकर्ता प्रदीप अरोड़ा और अन्य थे। मुंबई उच्च न्यायालय ने अपने फ़ैसले में कहा था कि निजी अस्पताल के कर्मचारी बीमा योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के हक़दार नहीं हैं, जब तक कि राज्य या केंद्र सरकार द्वारा उनकी सेवाओं की मांग न की जाए।

यह मामला किरण भास्कर सुरगड़े नाम की महिला से जुड़ा था, जिनके पति (थाणे में एक निजी क्लिनिक चलाने वाले) की 2020 में कोरोना वायरस के कारण मौत हो गई थी। बीमा कंपनी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत किरण के दावे को इस आधार पर ख़ारिज कर दिया था कि उनके पति के क्लिनिक को कोविड-19 अस्पताल के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी। शीर्ष अदालत ने केंद्र को प्रधानमंत्री बीमा योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समान या समानांतर योजनाओं के बारे में प्रासंगिक आँकड़े और जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वे सिद्धांत निर्धारित करेंगे और उसके आधार पर बीमा कंपनी से दावे किए जा सकेंगे। बीमा कंपनी को कोर्ट के फ़ैसले के आधार पर विचार करना और आदेश पारित करना होगा।

उद्धव ने शाह की तुलना एनाकोंडा से की कहा- मुंबई को निगलने की कोशिश

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जमकर निशाना साधा। वर्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं की रैली के दौरान उन्होंने शाह की तुलना एनाकोंडा और अब्दाली से की। ठाकरे ने भाजपा पर मुंबई को राजनीतिक हेरफेर और भूमि हड़पने के जरिए निगलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने किसी भी ऐसी कोशिश का विरोध करने की प्रतिज्ञा की। शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में छपी एक रिपोर्ट का ठाकरे ने हवाला दिया, जिसमें भाजपा के नए कार्यालय को बिजली की गति से भूमि हड़पकर बनाए जाने का जिक्र था। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की तुलना जिजामाता उद्यान में हाल ही में लाए गए एनाकोंडा से की।

उद्धव ठाकरे ने इस दौरान सत्तारूढ़ भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कटाक्ष किया कि लोकतंत्र में मतदाता सरकार चुनते हैं, लेकिन आज सरकार मतदाताओं को चुनती है। ठाकरे ने कहा, फर्जी मतदाताओं के कदाचार के लिए चुनाव आयुक्त के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि

लोकसभा चुनाव जीतने और केंद्र में सरकार बनाने के बाद चुनाव आयुक्तों के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा और उन्हें मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया था, लेकिन वह अब भी आत्मनिर्भर बीजेपी नहीं बन सकी है क्योंकि वह पार्टियों को तोड़ने और वोट चुराने का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा स्वयंभू देशभक्तों का फर्जी गिरोह है। उद्धव ठाकरे ने कहा, जैसे एनाकोंडा अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को निगल जाता है, वैसे ही वे मुंबई को गटकना चाहते हैं। ठाकरे ने अमित शाह और भाजपा की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। ठाकरे ने भाजपा नेताओं की तुलना अफगान आक्रमणकारी अहमद शाह अब्दाली से भी की। उन्होंने दावा किया कि वे मुंबई पर कब्जा करने आए हैं। असली अब्दाली फिर आए हैं, इस बार दिल्ली और गुजरात से। अगर वे हमारा शहर लेने की कोशिश करेंगे तो उनकी कब्र हमारे ही धरती पर बनेगी। शिवसेना यूबीटी चीफ ने महाराष्ट्र की राजनीतिक और आर्थिक लूट को ऐतिहासिक व्यक्तियों से भी जोड़ा। गुजराती नेता मोरारजी देसाई पर अपने कार्यकाल में महाराष्ट्रीयन प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश देने का आरोप लगाया।

आरएसएस को लेकर सिद्धारमैया सरकार को कर्नाटक हाईकोर्ट से फटकार... उन्हें इसका संवैधानिक अधिकार कहां से मिला

बेंगलुरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों पर रोक लगाने को लेकर कर्नाटक सरकार के आदेश पर अब हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस एम नागाप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कर्नाटक सरकार और हुबली पुलिस कमिश्नर के आदेश पर अंतरिम रोक लगाकर कहा है कि उन्हें इसका संवैधानिक अधिकार कहां से मिल गया। 18 अक्टूबर को राज्य सरकार ने कहा था कि बिना इजाजत के 10 से ज्यादा लोगों का इकट्ठा होना अपराध है। इसके अलावा पार्क, सड़कों और खेल के मैदान में ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने पर कार्रवाई होगी।

हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 19 (1)(ए),19 (1) (बी) के तहत दिए गए अधिकारों पर सरकार रोक नहीं लगा सकती है। कोर्ट ने कहा कि सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार और शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने का अधिकार मिला है और इसमें सरकार देखल नहीं दे सकती। इस मामले में अभी आगे की सुनवाई होनी है। फिलहाल कोर्ट के इस आदेश से आरएसएस को अंतरिम राहत मिल गई है।

बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा था कि संघ के खिलाफ ये सारे कदम प्रियांक खरगे के इशारे पर उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आरएसएस अपनी गतिविधियां शांतिपूर्ण तरीके से करता है। वह जुलूसी भी शांति से निकालता है। वहीं कर्नाटक की कैबिनेट ने आरएसएस के कार्यक्रमों और शाखाओं पर रोक लगाने के लिए एक आदेश को मंजूरी दी थी। इसमें कहा गया था कि सरकारी जगहों पर बिना इजाजत इकट्ठा होना अपराध होगा और इसपर कार्रवाई की जाएगी।

इसके पहले प्रियंक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर कहा था कि राज्य में संघ की गतिविधियों पर रोक लगाने की जरूरत है। बीजेपी ने कहा था कि कांग्रेस यह सब केवल राजनीतिक बदले की भावना की वजह से करना चाहती है। इसके बाद कांग्रेस ने जवाब देकर कहा था कि 2013 में बीजेपी सरकार ने भी इसी तरह का आदेश देकर कहा था कि स्कूल का परिसर और खेल के मैदान का इस्तेमाल केवल शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए होगा।